राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

जागरण मोर्चा

www.jagranmorchadaily.com | लखनऊ, बरेली, मुरादाबाद में प्रसारित | जन जन की आवाज़

लखनऊ | वर्ष : 5 | अंक : 195 | गुरुवार, 27 अगस्त 2026 | श्रावण माह, शुक्ल, पूर्णिम, विक्रम संवत 2083 | पृष्ठ : 12 | मूल्य : 5 रुपया

नेपाल में आई भीषण बाढ़ में 100 के करीब लोगों की मौत

कई लापता, मरने वालों में बड़ी संख्या में पर्यटक भी

एजेंसी न्यूज

नई दिल्ली। तिब्बत की सीमा से लगे मध्य नेपाल के जिलों में बुधवार सुबह अचानक आई भीषण बाढ़ ने भारी तबाही मचाई जिसमें 98 लोगों की मौत हो गई और 105 भारतीयों समेत करीब 500 लोग लापता हैं। बाढ़ से शहरों और गांवों में तबाही हुई, पुल बह गए और कम से कम एक दर्जन जलविद्युत परियोजनाएं क्षतिग्रस्त हो गईं।

नेपाल में विनाशकारी बाढ़ के बाद लापता लोगों की संख्या लगातार बढ़ रही है। प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार, सेना और पुलिस समेत कम से कम 85 सुरक्षाकर्मी अब भी संपर्क से बाहर हैं। वहीं, लापता पर्यटकों की संख्या बढ़कर 484 हो गई है। इनमें 391 विदेशी और 93 नेपाली पर्यटक शामिल हैं। स्थानीय लोगों में कितने लापता हैं, इसका अभी पता नहीं चल सका है। बाढ़ से बुनियादी ढांचे को भी भारी नुकसान हुआ है। अब तक 19 पुल क्षतिग्रस्त हुए हैं, जबकि करीब 40 किलोमीटर सड़कें बाढ़ की चपेट में आकर प्रभावित हुई हैं।

तिब्बत क्षेत्र में भी भीषण बाढ़ से भारी नुकसान की खबर सामने आई है। चीन के सरकारी प्रसारक सीसीटीवी के अनुसार, तिब्बत के ग्यिरोंग में कम से कम तीन लोगों की मौत हुई है, जबकि 265 लोग अब भी लापता हैं। ये आंकड़े शुरूआती जानकारी के आधार पर बताए गए हैं और इनका सत्यापन अभी जारी है। इससे पहले नेपाल में भोटे कोशी और त्रिशूली नदी क्षेत्र में आई विनाशकारी बाढ़ के बाद बचाव दल 95 शव बरामद कर चुके हैं। दोनों देशों की सीमा से लगे क्षेत्रों में राहत और बचाव अभियान जारी है।

इस प्राकृतिक आपदा में 95 लोगों के मारे जाने की पुष्टि की गई है और 500 से अधिक लोग लापता बताए जा रहे हैं। वहीं, नेपाल टूरिज्म ने भी एक आंकड़ा साझा किया है जिसके मुताबिक 291 विदेशी

पर्यटकों का पता नहीं चल पाया है और इनमें भारत के 105 नागरिक भी शामिल हैं। बाढ़ से कई जलविद्युत परियोजनाओं को नुकसान पहुंचा है।

लोकसभा सदस्य दयानिधि मारन ने विदेश मंत्री एस. जयशंकर से बुधवार को नेपाल में आई भीषण बाढ़ में फंसे या लापता तमिलनाडु के करीब 50 लोग सहित भारतीय पर्यटकों को सुरक्षित निकालने और स्वदेश वापस लाने की अपील की। नेपाल के तिब्बत से सटे दो मध्यवर्ती जिलों में बुधवार तड़के अचानक आई भीषण बाढ़ से चार लोगों की मौत हो गई।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने नेपाल में आई विनाशकारी बाढ़ (फ्लैश फ्लड) पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना जताई है। उन्होंने नेपाल के लोगों के साथ एकजुटता व्यक्त करते हुए केंद्र सरकार से लापता भारतीयों का जल्द पता लगाने और उनके परिवारों को हर संभव सहायता उपलब्ध कराने की मांग की।

मल्लिकार्जुन खड़गे ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा कि नेपाल में आई भीषण बाढ़ से वह गहरे दुखी हैं। उन्होंने कहा कि इस आपदा में जिन लोगों ने अपने प्रियजनों को खोया है, उनके प्रति उनकी हार्दिक संवेदनाएं हैं और भारत इस मुश्किल घड़ी में नेपाल के लोगों के साथ खड़ा है।

कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि नेपाल में 100 से अधिक भारतीयों के लापता होने की खबरें बेहद चिंताजनक हैं। उन्होंने भारत सरकार से अपील की कि लापता भारतीयों का जल्द पता लगाने, उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने और उनके परिवारों को हर संभव सहायता प्रदान करने के लिए तत्काल कदम उठाए जाएं।

बचाव और आपातकालीन कार्रवाई में मदद के लिए नेपाल सेना के दो हेलीकॉप्टर रसुवा भेजे गए हैं। गृह मंत्री सुधन गुरुंग ने जनता और यात्रियों से प्रभावित हाईवे और नदी के रास्तों पर अनावश्यक आवाजाही से बचने का आग्रह किया है। उन्होंने भोटेकोशी और त्रिशूली नदियों के पास और मुग्लिन की ओर नीचे की तरफ रहने वाले निवासियों और पर्यटकों से भी अपील की है कि वे अगली सूचना तक पूरी तरह सतर्क रहें।

नेपाल स्थित भारतीय दूतावास ने भारतीय नागरिकों के बारे में जानकारी देने के लिए इमरजेंसी हेल्पलाइन नंबर भी जारी किए हैं। दो हेल्पलाइन नंबर +9779851316807 और +9779709107500 हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नेपाल के पीएम बालेंद्र शाह से बात कर फ्लैश फ्लड से मची तबाही पर दुख जताया है। उन्होंने इस विपत्ति में पड़ोसी राष्ट्र की हरसंभव मदद का भरोसा दिया है। प्रधानमंत्री मोदी ने आधिकारिक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पोस्ट के जरिए इसकी जानकारी दी। पीएम ने कहा, "प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह से बात की और नेपाल में बाढ़ से हुई जान-माल की हानि पर संवेदना व्यक्त की। इस मुश्किल समय में भारत के लोग नेपाल में अपने भाई-बहनों के साथ खड़े हैं। भारत नेपाल को हर संभव मानवीय सहायता देने के लिए तैयार है। हमारी टीमें बचाव और राहत कार्यों के लिए मिलकर काम कर रही हैं।

डिप्टी सीएम केशव मौर्य का अखिलेश पर तंज

एजेंसी न्यूज

लखनऊ। डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि सपा के मुंह से महिला सुरक्षा-सम्मान की बात महज छलावा है। यूपी ने 2012-17 के दरम्यान सपा की गुंडागर्दी, अपराध, माफिया, दंगाइयों और भ्रष्टाचारियों के संरक्षण वाली राजनीति न केवल देखी है, बल्कि काफी हद तक सही भी है।

उन्होंने कहा कि यह साफ है कि सपा मुखिया अखिलेश यादव को 2027 से 2047 तक यूपी की सत्ता और उनके दिल्ली वाले गार्जियन कांग्रेस के जेन-जी नेता राहुल गांधी को 2049 तक देश की सत्ता मिलने वाली नहीं है। दोनों भविष्य के नाम पर फर्जी वादे बेच रहे हैं। सपा का पीडीए यानी परिवार डेवलपमेंट एजेंसी की हकीकत यूपी की महिलाएं बेहतर तरीके से समझती हैं और वे सपा की चाल, जाल और झांसे में नहीं आएंगी।

अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव और मैनपुरी से सपा सांसद डिंपल यादव ने राष्ट्रीय महिला समानता दिवस के अवसर पर आयोजित संयुक्त प्रेस कांफ्रेंस में स्त्री सम्मान-समृद्धि योजना की घोषणा की। उन्होंने कहा कि इसके तहत समाजवादी सरकार बनने पर आधी आबादी को पूरी आजादी मिलेगी। उनकी सुरक्षा से कोई समझौता नहीं होगा। गरीब महिलाओं को हर साल 40 हजार रुपये दिए जाएंगे। छात्राओं को इंटर पास होने के बाद लैपटॉप और साइकिल दी जाएगी। महिलाओं की सरकारी बसों में यात्रा मुफ्त होगी। छात्राओं को मेट्रो सफर मुफ्त होगा।

नेपाल की बाढ़ में फंसे भाकियू के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत

एजेंसी न्यूज

मुजफ्फरनगर। नेपाल की भोटे कोशी नदी में आई बाढ़ ने तबाही मचा दी। राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत के साथ नेपाल गया भाकियू टिकैत का प्रतिनिधिमंडल भी फंस गया है। राकेश टिकैत ने बताया कि वह पोखरा क्षेत्र में सुरक्षित हैं। नेपाल में मौसम खराब है। बाढ़ से प्रभावित इलाकों में तलाशी और बचाव अभियान जारी है। अधिकारियों की टीमें लापता लोगों की तलाश में जुटी हैं। भाकियू प्रवक्ता राकेश टिकैत ने बुधवार को बताया कि किसानों के नौ सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल के साथ तीन दिन पहले नेपाल पहुंचे थे। वह पोखरा में हैं और यहां मौसम खराब है, लेकिन बाढ़ का इतना असर इस क्षेत्र में नहीं आया है। गाड़ियों छोड़कर सभी सुरक्षित स्थान पर आ गए हैं।

नेपाल बाढ़ पर प्रधानमंत्री मोदी ने बलेंद्र शाह से की बात

बोले- हर मुश्किल घड़ी में साथ खड़ा है भारत

एजेंसी न्यूज

नई दिल्ली। नेपाल स्थित रासुवा जिले में अचानक आई बाढ़ ने भीषण तबाही मचाई है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बाढ़ से प्रभावित नेपाल के साथ भारत की एकजुटता व्यक्त करते हुए प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह से बात कर भारत की ओर से हर संभव मानवीय सहायता का आश्वासन दिया है।

प्रधानमंत्री मोदी ने बुधवार को सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर एक पोस्ट में कहा ," प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह से बात की और नेपाल में बाढ़ के कारण हुई जनहानि पर संवेदना व्यक्त की।

उन्होंने कहा कि इस कठिन समय में भारत की जनता नेपाल में अपने बहनों और भाइयों के साथ एकजुटता से खड़ी है।" प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत की टीमें बचाव और राहत प्रयासों के लिए समन्वय कर रही हैं। उन्होंने कहा ,"भारत नेपाल को हर संभव मानवीय सहायता प्रदान करने के लिए तैयार है। हमारी टीमें बचाव और राहत प्रयासों के लिए निकटता से समन्वय कर रही हैं।" नेपाल-चीन सीमा के पास बुधवार को भूस्खलन और भयानक बाढ़ की घटना में कम से कम 384 पर्यटक और यात्री लापता बताये गये हैं, जबकि आठ लोगों की मौत की पुष्टि हुई है। इस घटना से आसपास भारी तबाही हुई है।

नेपाल में भीषण बाढ़ के बाद यूपी के सीमावर्ती जिलों में अलर्ट, सीएम ने दिए सतर्कता के निर्देश

एजेंसी न्यूज

लखनऊ। नेपाल के रसुवा क्षेत्र में भोटेकोशी नदी में आई भीषण बाढ़ के दृष्टिगत प्रदेश के सीमावर्ती महाराजगंज और कुशीनगर जिलों में सतर्कता बढ़ा दी गई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नेपाल में भीषण बाढ़ से हुई क्षति को चिंताजनक बताते हुए दोनों जिलों के स्थानीय प्रशासन को सभी जरूरी तैयारियां सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। वहीं राहत आयुक्त कार्यालय ने नेपाल में फंसे यूपी के नागरिकों की सहायता के लिए परिजनों को हेल्पलाइन नंबर 1070 पर संपर्क करने का अनुरोध किया है। दरअसल, बाढ़ से महाराजगंज और कुशीनगर में गंडक एवं नारायणी नदियों का जलस्तर बढ़ने की आशंका है।

बड़े आतंकी हमले की साजिश नाकाम

कुलगाम में पांच हाइब्रिड आतंकवादी गिरफ्तार, गोला-बारूद भी बरामद

एजेंसी न्यूज

कुलगाम। दक्षिण कश्मीर के कुलगाम जिले में बुधवार को एक संयुक्त घेराबंदी और तलाशी अभियान चलाया गया। इस अभियान के दौरान पांच संदिग्ध आतंकी सहयोगियों को गिरफ्तार किया गया। अधिकारियों ने बताया कि उनके पास से भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद भी बरामद किया गया है। यह अभियान कुलगाम पुलिस, नौ राष्ट्रीय राइफल्स और 18 बटालियन सीआरपीएफ ने मिलकर चलाया। अधिकारियों के अनुसार, यह कार्रवाई विशिष्ट सूचनाओं के आधार पर की गई थी। बुगम ऑर्चर्ड क्षेत्र में यह संयुक्त अभियान सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। संयुक्त बलों ने चार 9 एमएम पिस्तौल बरामद कीं। इसके साथ ही चार मैगजीन, 22 कारतूस और दो हैंड ग्रेनेड भी मिले। बरामद हथियारों और गोला-बारूद को जांच के हिस्से के रूप में हिरासत में ले लिया गया है। आगे की जांच जारी है।

नेपाल में तबाही... महराजगंज समेत यूपी के इन 4 जिलों पर बाढ़ का खतरा, नारायणी नदी का जलस्तर बढ़ा

एजेंसी न्यूज

लखनऊ। पड़ोसी देश में भीषण बाढ़ आने के बाद सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) ने 1751 किलोमीटर लंबी भारत-नेपाल अंतरराष्ट्रीय सीमा के करीब स्थित अपनी सभी इकाइयों/प्रतिष्ठानों को अलर्ट कर दिया है। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि सीमावर्ती क्षेत्रों में बचाव एवं राहत कार्यों के लिए एसएसबी के 18 दल तैनात किये गये हैं तथा उनमें सात को तैयार रहने को कहा गया है।

नेपाल में आई विनाशकारी बाढ़ के बाद उत्तर प्रदेश में पड़ोसी मुल्क की सीमा से सटे महराजगंज और कुशीनगर जिलों में निगरानी बढ़ा दी गयी है। यह जानकारी एक आधिकारिक बयान से मिली। राज्य

सरकार द्वारा जारी एक बयान के अनुसार मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नेपाल में आयी भीषण बाढ़ से हुए नुकसान को गंभीर चिंता का विषय बताया और महराजगंज एवं कुशीनगर के स्थानीय प्रशासन को सभी जरूरी तैयारियां सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। बयान में कहा गया है कि नेपाल में आई बाढ़ के असर से सीमा से सटे इन दो जिलों में गंडक और नारायणी नदियों के जलस्तर में बढ़ोत्तरी होने की आशंका है। मुख्यमंत्री ने स्थानीय प्रशासन को नदियों के जलस्तर पर कड़ी नजर रखने और किसी भी स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह सतर्क रहने का निर्देश दिया।

बयान के मुताबिक नेपाल में बाढ़ से हुए नुकसान पर चिंता जताते हुए सीएम योगी आदित्यनाथ ने भगवान पशुपतिनाथ से प्रभावित सभी लोगों की सुरक्षा और कल्याण के लिए प्रार्थना की। नेपाल के तिब्बत से सटे रसुवा जिले में अचानक आयी विनाशकारी बाढ़ में कई गांवों के बह जाने और जरूरी बुनियादी ढांचे को नुकसान होने के बाद लापता हुए लगभग 400 लोगों में कम से कम 105 भारतीय शामिल हैं।

नेपाल के रसुवा जिले के सीमावर्ती टिमुरे क्षेत्र में तिब्बत की ओर से अचानक अत्यधिक जलप्रवाह आने से भोटेकोशी नदी में आकस्मिक बाढ़ की स्थिति उत्पन्न होने की सूचना के बाद महाराजगंज जिला प्रशासन ने सतर्कता बढ़ा दी है। जिलाधिकारी गौरव सिंह सोगरवाल ने बुधवार को जिले में विशेष सतर्कता बरतने और गंडक नदी के जलस्तर की लगातार निगरानी करने के निर्देश दिए हैं।

प्रारंभिक सूचनाओं के अनुसार, बुधवार सुबह करीब नौ बजे नेपाल के टिमुरे क्षेत्र में अचानक अत्यधिक जलप्रवाह आने से भोटेकोशी नदी का जलस्तर बढ़ गया।

महिलाओं को फ्री बस की सुविधा: सीएम योगी का जताया आभार, बोलीं- अब किसी पर आश्रित नहीं रहना होगा

एजेंसी न्यूज

लखनऊ। यूपी की योगी सरकार ने 60 साल से ऊपर की महिलाओं को बुधवार को फ्री बस

सेवा की सौगात दी। इसके लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लोकमाता अहिल्याबाई मातृशक्ति यात्रा योजना का शुभारंभ किया।

लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित कार्यक्रम में सीएम योगी ने महिलाओं से बात की और इस निर्णय पर उनकी प्रतिक्रिया ली। इस दौरान सीएम योगी ने अपने संबोधन में कहा कि अगर आप लोग अच्छी सरकार चुनेंगी तो सुविधाएं भी अच्छी मिलेंगी।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि रक्षाबंधन के अवसर पर 27, 28 और 29 अगस्त को महिलाओं को अपने एक सहयात्री के साथ निशुल्क बस यात्रा की सुविधा मिलेगी। वहीं, इसके बाद 60 वर्ष की उम्र से ऊपर की हर एक महिला को निशुल्क बस यात्रा की सुविधा मिलेगी।

उन्नाव से आई सुनीता अवस्थी ने महिलाओं के लिए मुफ्त बस की यात्रा की घोषणा करने के लिए सीएम योगी का आभार जताया और कहा कि हम यही चाहते हैं कि आपकी सरकार बार-बार आए।

उन्नाव की ही पुष्पा ने मुख्यमंत्री योगी के इस निर्णय की सराहना की और कहा कि अब वो आराम से बस यात्रा कर सकेंगी।

योगी सरकार का बेटियों को तोहफा, 50 हजार छात्राओं को देगी स्कूटी, मुख्यमंत्री ने किया एलान

एजेंसी न्यूज

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बड़ा एलान किया है। योगी सरकार प्रदेश की 50 हजार छात्राओं को स्कूटी देगी। बुधवार को लखनऊ में इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में ह्यलोकमाता अहिल्याबाई मातृशक्ति यात्रा योजना के शुभारंभ कार्यक्रम में सीएम ने ये एलान किया है।

इस मौके पर उन्होंने कहा कि यूपी की डबल इंजन सरकार की हर एक योजना बेटियों को ध्यान में रखकर बनाई जा रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि बेटियों की सुरक्षा सरकार की पहली प्राथमिकता है। 2017 के पहले प्रदेश की क्या स्थिति थी। पहले कहा जाता था कि देख सपाई बिटिया घबराई। प्रदेश में बेटियों का सम्मान, शिक्षा और भविष्य सुरक्षित नहीं था। प्रदेश में उत्सव के पहले दंगे हो जाते थे।

हर तरफ अव्यवस्था और अराजकता का माहौल था। हम उस दौर को याद करते हैं तो रोंगटे खड़े हो जाते हैं पर जब मोदी जी के नेतृत्व में यूपी में डबल इंजन

की सरकार आई तो अराजकता को उत्सव बना दिया गया है। सरकार की हर योजना का केंद्र बेटी है। पहले तो हर योजना में भ्रष्टाचार और कमीशनखोरी होती थी। अब बेटियों की सुरक्षा में सेंध लगाने वालों को जेल या जहन्नुम में कोई एक जगह मिलेगी। पहले बेटियों की सुरक्षा किस्मत पर निर्भर थी पर अब सिस्टम और तकनीक पर आधारित है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कार्यक्रम में लोकमाता अहिल्याबाई मातृशक्ति यात्रा योजना का शुभारंभ कर दिया। इस योजना के तहत उत्तर प्रदेश की 60 वर्ष एवं उससे अधिक आयु की महिलाओं के लिए निःशुल्क बस यात्रा की सुविधा मिलेगी। इस योजना का लाभ रोजाना करीब 88438 महिला यात्रियों को मिलने का अनुमान है। योजना के तहत निशुल्क यात्रा सुविधा के लिए 60 वर्ष से अधिक उम्र की महिलाओं को परिवहन निगम की ओर से विशेष स्मार्ट कार्ड उपलब्ध कराए जाएंगे। इससे पात्र महिला यात्रियों की पहचान और निशुल्क यात्रा की व्यवस्था को सुगम बनाया जा सकेगा। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि माता अहिल्याबाई साहस और स्वाभिमान की प्रतीक हैं। इसलिए हमने इस योजना का नाम लोकमाता अहिल्याबाई मातृशक्ति यात्रा योजना नाम दिया है। उन्होंने कहा कि रक्षाबंधन के अवसर पर 27, 28 और 29 अगस्त को महिलाओं को अपने एक सहयात्री के साथ निशुल्क बस यात्रा की सुविधा मिलेगी। वहीं, इसके बाद 60 वर्ष की उम्र से ऊपर की हर एक महिला को निशुल्क बस यात्रा की सुविधा मिलेगी।

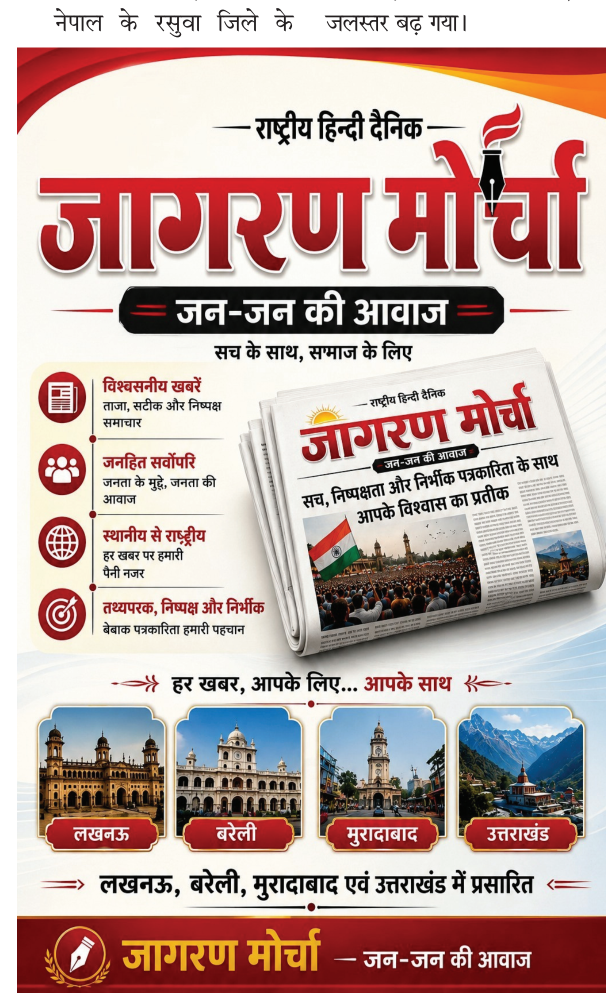

एक नजर

जनरेटर के करंट की चपेट में आकर युवक की मौत, बारावफात का जुलूस स्थगित

भमोरा। सरदार नगर गांव में मंगलवार रात बारावफात कार्यक्रम की तैयारियों के दौरान एक बड़ा हादसा हो गया। यहाँ 25 केवी जनरेटर के करंट की चपेट में आने से सजावट कर रहे 35 वर्षीय युवक प्रमोद यादव की दर्दनाक मौत हो गई। चांडपुर निवासी प्रमोद मस्जिद से मंसूरी गली तक लाइटिंग दुरुस्त कर रहे थे, तभी वे करंट की चपेट में आ गए। परिजन उन्हें अस्पताल ले जा रहे थे, लेकिन रास्ते में ही उन्होंने दम तोड़ दिया। मृतक की पत्नी नीरज और बच्चों समेत पूरे परिवार में कोहराम मच गया। ग्राम प्रधान सरताज ने बताया कि इस दुखद घटना के कारण बारावफात का जुलूस स्थगित कर दिया गया है। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

प्रमोद का फाइल फोटो।

धूमधाम से निकला ईद मिलादुन्नबी का जुलूस

जागरण मोर्चा कार्यालय

मीरगंज। ईद मिलादुन्नबी के अवसर पर बुधवार को धनेटा-शीशगढ़ मार्ग स्थित दुनका में मुस्लिम समुदाय द्वारा जुलूस-ए-मोहम्मदी निकाला गया। जुलूस मुगल मस्जिद से शुरू होकर दरगाह भूरे बाबा की मजार पर पहुंचा, जहां लोगों ने दुआ की। इसके बाद जुलूस निर्धारित मार्ग से होते हुए जियो ऑफिस के पास पहुंचा।

जुलूस में दुनका की मुगल मस्जिद, मोती मस्जिद, नूरी मस्जिद, हरी मस्जिद, अशरफी मस्जिद, जामा मस्जिद सहित विभिन्न मस्जिदों से बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। ईद मिलादुन्नबी को लेकर पिछले कई दिनों से दुनका में मस्जिदों की सजावट की तैयारियां चल रही थीं। कस्बे की मस्जिदों को आकर्षक ढंग से सजाया गया, जिन्हें देखने के लिए आसपास के गांवों से भी लोग पहुंचे। जुलूस के दौरान लोगों ने जगह-जगह लंगर का आयोजन किया। विभिन्न स्थानों पर तरह-तरह के पकवान, शरबत, कोल्ड ड्रिंक और अन्य खाद्य पदार्थ वितरित कर जुलूस में शामिल लोगों का स्वागत किया गया। लोगों ने आपसी भाईचारे और सौहार्द का संदेश दिया। इस दौरान मस्जिद के इमाम ने पैगंबर हजरत मोहम्मद साहब के जीवन, उनकी शिक्षाओं और उनके बताए आदर्शों पर प्रकाश डाला। उन्होंने लोगों से मोहम्मद साहब की शिक्षाओं का अनुसरण करते हुए प्रेम, भाईचारे, शांति और इंसानियत के रास्ते पर चलने की अपील की। जुलूस को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए पुलिस प्रशासन ने सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए। जगह-जगह पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई। एसडीएम निधि शुक्ला और क्षेत्राधिकारी अजय कुमार ने मौके पर पहुंचकर जुलूस की व्यवस्थाओं और सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। थाना प्रभारी देवेंद्र कुमार, चौकी प्रभारी मुनेन्द्र पाल, सोनू, प्रदीप कुमार नागर सहित पुलिसकर्मी सुरक्षा व्यवस्था में जुटे रहे। जुलूस को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने में ग्राम प्रधान अफसर अहमद, पूर्व प्रधान पति जुनैद अहमद, भाजपा युवा मोर्चा मंडल उपाध्यक्ष तौसीफ अहमद, गब्बर अहमद, मुजीब अहमद, आबिद बेग सहित अन्य लोगों ने सहयोग किया। जुलूस शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ।

भमोरा में निकला जुलूस-ए-मोहम्मदी

भमोरा। बारह वफात के मौके पर बुधवार को क्षेत्र में जुलूस-ए-मोहम्मदी निकाला गया। ट्रैक्टर-ट्रॉलियों व कारों को सजाकर निकाले गए जुलूस में मजहबी और तिरंगा झंडे लगाए गए थे। लाउडस्पीकर से नात और तकरीरें होती रहीं। मकरंदपुर रेलवे स्टेशन के पास गोटिया में 17 गांवों के लोग एकत्र हुए। यहां से जुलूस भमोरा, खेड़ा होते हुए क्योंना शादीपुर पहुंचकर संपन्न हुआ। सिरोही, हररामपुर, खुली और कैमुआ समेत पांच स्थानों पर जलसों का आयोजन किया गया। शाम को क्योंना शादीपुर में विशाल जलसे में तकरीरों का सिलसिला चला। प्रभारी निरीक्षक पवन कुमार सिंह पुलिस बल के साथ सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेते रहे।

पूरी शानो-शौकत से निकला बारह वफात का जुलूस

जागरण मोर्चा कार्यालय

फरीदपुर (बरेली)। नगर में बारह वफात का जुलूस बड़े ही धूमधाम के साथ निकाला गया जिसमें हजारों की तादाद में मुस्लिम समुदाय के लोग मौजूद रहे। बुधवार की सुबह लगभग 9 बजे दरगाह आला हजरत से आए मौलाना अदनान रजा कादरी ने इस्लामियां स्कूल के पास परचम कुशाई की रस्म अदा कर जुलूस की शुरुआत की।

सुरक्षा व्यवस्था हेतु जुलूस के साथ एडीएम न्यायिक, एसडीएम, सीओ व ईओ पालिका।

जुलूस में बच्चों से लेकर बुजुर्ग तक हर वर्ग के लोग अपने-अपने मोहल्लों की अंजुमन के साथ तरह-तरह की पोशाकों में गर्मजोशी से शरीक हुए। अलग-अलग मोहल्लों की अंजुमन सिर पर पगड़ी, हाथों में बैनर, झंडे आदि लेकर जुलूस में शामिल हुए। कहीं लोग फूलों व झंडो से सजी रंग बिरंगी मोटरसाइकिलों, कहीं सजे ट्रैक्टरों पर तो कहीं पिकअप गाड़ी पर सवार थे। विभिन्न मदरसों के लोग अपनी-अपनी अंजुमन को एक सी पोशाक में लेकर आए थे। मक्का मदीना आदि का रुप देकर झांकियां भी सजाई गई थीं। चेयरमैन शराफत जरी वाले ने पुष्प वर्षा कर जुलूस का स्वागत किया। जुलूस में चल रही गाड़ियों में लगे डीजे व लाउडस्पीकर में 'सरकार की आमद' और 'या रसूल' की सदाएं गूंज रही थीं। प्रशासन भी जुलूस की सुरक्षा को लेकर बिल्कुल मुस्तैद रहा। एडीएम न्यायिक दिव्या ओझा, एसडीएम विदुषी सिंह राजस्व टीम के साथ, सीओ संदीप कुमार सिंह, इंस्पेक्टर राधेश्याम पुलिस के साथ, अधिशासी अधिकारी पुनीत कुमार पालिका के स्टाफ के साथ जुलूस के साथ रहे। स्थानीय पुलिस के अलावा पीएसी पुलिस फोर्स के जवान लगातार साथ व्यवस्था बनाए रहे। इसके अलावा संवेदनशील स्थानों पर पुलिस की विशेष रुप से व्यवस्था रही। जुलूस अपने परंपरागत रास्तों से होता हुआ लगभग 5 बजे मस्जिदे आला हजरत पर सलातो सलाम के बाद समाप्त हो गया जहां जश्ने ईद मिलादुन्नबी सेंट्रल कमेटी के सदर प्रो०अलाउद्दीन एवं सेक्रेटरी खालिद अली ने जुलूस के सकुशल संपन्न होने पर सभी का आभार व्यक्त किया। जुलूस में सभासद अजीम मियां, नुसरत शेख, आमिर रजा, रिजवी बेग, कमर गनी, नदीम अली, हाजी इशरत, शाहिद हुसैन, तहसीन रजा, तनवीर, खालिद अजहरी आदि बड़ी तादाद में लोग मौजूद रहे।

धूमधाम से मना मिलादुन्नबी

जागरण मोर्चा कार्यालय

फतेहगंज पूर्वी। नगर समेत देहात इलाकों में ईद मिलादुन्नबी का पर्व परंपरागत तरीके से मनाया गया। इस मौके पर नगर में भारी जुलूस का आयोजन किया गया। जुलूस का शुभारंभ जामा मस्जिद से हुआ, जो पूरे नगर में घुमाया गया। इसके बाद लोगों ने घरों में साज सज्जा की और रोशनी की। जुलूस में बच्चों से लेकर वयस्क एवं वृद्ध भी मौजूद रहे। इसी क्रम में क्षेत्र के ग्राम कादरगंज, पडेरा, टिसुआ, शाहपुर बनियान, शिवपुरी, रधौली में भी जुलूस निकाले गए तथा ईद मिलादुन्नबी का पर्व परंपरागत तरीके से मनाया गया। जुलूस में मुख्य रूप से पूर्व चेयरमैन रिजवान बेग, पूर्व चेयरमैन शब्बीर अहमद, फारूक अहमद, इकरार अंसारी, बली अहमद, मोफीद खान, एहसान अली, कामरान खान, समेत सैकड़ों लोग मौजूद रहे। जुलूस में सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर कस्बा चौकी प्रभारी लक्ष्मी नारायण सिंह मय फोर्स मौजूद रहे।

जुलूस पर फूल बरसाते राहुल गुप्ता। –जागरण मोर्चा

जुलूस- ए- मोहम्मदी पर फूल बरसाकर दिया भाईचारे का पैगाम

जागरण मोर्चा कार्यालय

बहेड़ी। बीते बरसो में अगर देखें तो, अनेक ऐसे मौके आए जिनमें हिंदू मुस्लिम एकता को प्रगाढ़ बनाए जाने की कोशिश दिखाई दी। बुधवार को जुलूस के दौरान एक बार फिर ऐसा नजारा देखने को मिला जिसने अमन शांति की चाहत रखने वालों के दिलों को गहरे तक सुकून पहुंचाया होगा। हुआ यूं, जुलूस होली चौराहे से गुजरता हुआ माथुर रोड होकर जब मुख्य मार्ग की ओर बढ़ रहा था तो तिकोनी दुकान के निकट भाजपा नगर अध्यक्ष राहुल गुप्ता दिनकर गुप्ता, डाक्टर रस्तोगी तथा पसमांदा समाज के भाजपा नेता न ईम अहमद, मुजफ्फर अली खान आदि के साथ जुलूस पर पुष्प वर्षा कर जोरदार स्वागत किया। इस दौरान सी ओ अरूण कुमार सिंह तथा कोतवाल दिनेश शर्मा भी मौजूद रहे।

ईद मिलादुन्नबी पर जश्न मरहबा मरहबा नारे की गूंज

बहेड़ी। पैगम्बर हज़रत मोहम्मद साहब का यौमे पैदाइश (ईद मिलादुन्नबी) पर्व नगर में पारंपरिक रूप से अमन-चैन के साथ मनाया गया। इस पावन अवसर पर घरों, दुकानों और मस्जिदों को आकर्षक रंगीन लाइटों से सजाया गया। लोगों ने अकीदत के साथ फातिहा ख्वानी कर जश्न मनाया।बुधवार को निकाला गया जुलूस-ए-मोहम्मदी शिमला जनरल स्टोर, ट्रक यूनियन रोड और पंजाबी कॉलोनी होते हुए माथुर रोड पहुँचा, जहाँ इसका समापन हुआ। जुलूस का जगह-जगह पुष्पवर्षा कर स्वागत किया गया। धार्मिक महफिलों में उलेमाओं ने 'मरहबा-मरहबा' की सदाओं के बीच तकरीरें कीं और मुल्क में अमन, चैन व आपसी भाईचारे के लिए विशेष दुआएं मांगीं।

फतेहगंज पश्चिमी में ईद मिलादुन्नबी का जश्न

जागरण मोर्चा कार्यालय

फतेहगंज पश्चिमी, बरेली। बुधवार दोपहर 12:00 बजे से बरेली के फतेहगंज पश्चिमी कस्बे में बुधवार को पैगम्बर-ए-इस्लाम हजरत मोहम्मद साहब की 1501वीं यौम-ए-विलादत के अवसर पर जश्न-ए-ईद मिलादुन्नबी बड़े ही अकीदत और शान-ओ-शौकत के साथ मनाया गया।

सुबह से ही कस्बे का माहौल नात-ओ-सलाम की सदाओं से गूंज उठा। सभी मस्जिदों, मदरसों और दरगाहों पर महफिल-ए-नात का आयोजन किया गया। लोगों ने अपने घरों, दुकानों और गलियों को झंडियों, परचमों और रंग-बिरंगी लाइटों से सजाकर एक रूहानी माहौल तैयार किया। सुबह करीब 9 बजे जामा मस्जिद, गौसिया मस्जिद और कादरी मस्जिद सहित विभिन्न अंजुमनों के जुलूस अपने-अपने इलाकों से निकले। इस दौरान "सरकार की आमद मरहबा" के नारों से पूरा कस्बा गूंज उठा। मुख्य मार्ग से होता हुआ यह जुलूस लोधीनगर चौराहे पर पहुंचा, जहां उलमा-ए-किराम ने अपनी तकरीरों में मोहब्बत और भाईचारे का पैगाम दिया। जुलूस का समापन बिजली घर पर दुआ-ए-खैर के साथ हुआ। इस दौरान जगह-जगह लंगर का भी आयोजन किया गया। जुलूस की सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए फतेहगंज चेयरमैन रेहाना बेगम तथा थाना प्रभारी प्रवीण कुमार और चौकी प्रभारी आदेश कुमार सिंह पुलिस बल के साथ मुस्तैद रहे। इस अवसर पर एडवोकेट इमरान अंसारी, कादर खान, आदिल खान, रिहान हुसैन, मुसाहिद अहमद, कमरूद्दीन, शब्बीर हुसैन इकरार हुसैन हाजी वाहिद खान, गुड्डू अहमद, असद अंसारी सहित सैकड़ों लोग मौजूद थे।

संक्षेप समाचार

रक्षाबंधन से पहले फूड सेफ्टी का छापा

फतेहगंज पूर्वी। रक्षाबंधन के त्योहार से पहले खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने बुधवार दोपहर बाद नगर में अचानक छापेमारी की। टीम की दस्तक होते ही मिठाई कारोबारियों में खलबली मच गई। कई दुकानदार आनन-फानन में अपनी दुकानों के शटर गिराकर चले गए। खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने नगर की कई मिठाई दुकानों पर पहुंचकर खोया और मिठाइयों की गुणवत्ता की जांच की। इस दौरान अलग-अलग दुकानों से खोया और मिठाइयों के नमूने लिए गए। टीम की कार्रवाई की सूचना मिलते ही बाजार के अन्य दुकानदारों में भी अफरा-तफरी का माहौल बन गया। रक्षाबंधन के त्योहार को देखते हुए बाजार में मिठाइयों की बिक्री बढ़ने की संभावना है। इसी को लेकर खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने मिलावट पर अंकुश लगाने के लिए अभियान चलाया। लिए गए नमूनों को जांच के लिए भेजा जाएगा। जांच रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। टीम की छापेमारी के दौरान नगर में काफी देर तक मिठाई कारोबारियों के बीच हड़कंप की स्थिति बनी रही।

बच्चे को पीटने की शिकायत करने पहुंची महिला से मारपीट

फरीदपुर (बरेली)। नगर के मोहल्ला भूरे खां गौटिया में बच्चों के मामूली विवाद में शिकायत करने पहुंची महिला पर दबंगों ने लाठी-डंडों से हमला कर दिया। पीड़िता ने आरोपियों के विरुद्ध थाने में तहरीर दी है। पीड़िता चमन पत्नी अजीम द्वारा दी गई तहरीर के अनुसार, उनके बच्चे और मोहल्ले के ही लियाकत के बच्चे घर के बाहर खेल रहे थे। इसी दौरान लियाकत के बेटों ने पीड़िता के बेटे की पिटाई कर दी। घटना के समय महिला का पति घर पर मौजूद नहीं था। जब पीड़िता इस बात की शिकायत करने लियाकत के घर पहुंची तो वहां मौजूद आसिफ, रिजवान, इरफान, राशिद और लियाकत आगबबूला हो गए। आरोप है कि इन लोगों ने महिला को गंदी-गंदी गालियां देना शुरू कर दिया। विरोध करने पर लात घूंसो व लाठी-डंडों से महिला को बेरहमी से पीटना शुरू कर दिया। पीड़िता का आरोप है कि मारपीट के दौरान आरोपी आसिफ और रिजवान ने उनके साथ अश्लील हरकत करते हुए छेड़छाड़ भी की। छीना-झपटी में महिला के पास मौजूद नकदी व नाक की लौंग भी कहीं गिर गई। महिला की चीख-पुकार सुनकर बचाने पहुंची उसकी बहन को भी आरोपियों ने जान से मारने की धमकी दी और फरार हो गए। पीड़िता ने पुलिस को लिखित तहरीर देकर आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है। बुधवार को पुलिस बारहवफात के जुलूस में व्यस्त थी, पुलिस ने मामले की जांच के पश्चात कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

घर से सोने-चांदी के जेवर चोरी, 48 दिन बाद रिपोर्ट

आंवला। घर से सोने और चांदी के जेवर चोरी होने के मामले में पुलिस ने 48 दिन बाद अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। कसुमरा गांव निवासी यादराम पुत्र भगवानदास ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि बीती आठ जुलाई की मध्यरात्रि अज्ञात चोर उसके मकान में घुस गए और घर को खंगाल कर सोने-चांदी के जेवर चोरी कर ले गए। सुबह जानकारी होने पर उसने घर में देखा तो जेवर गायब थे। पुलिस ने शिकायत के आधार पर अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।

बाइकों की भिड़ंत में 57 दिन बाद दर्ज कराई रिपोर्ट

आंवला। आंवला-बदायूं रोड के पनवड़िया मंदिर के समीप 57 दिन पूर्व दो बाइकों की टक्कर हो गयी थी। एक बाइक चालक ने घटना के बाद ही रिपोर्ट दर्ज करा दी थी। जबकि दूसरे चालक ने मंगलवार को रिपोर्ट दर्ज कराई है। ग्राम रसूला निवासी रक्षपाल सिंह ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 29 जून 2026 की शाम करीब चार बजे वह आंवला से बाइक से अपने घर जा रहा था। वह ग्राम पनवड़िया स्थित मंदिर के पास पहुंचा, तभी सामने से तेज रफ्तार आ रहे बाइक चालक ने उसकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में वह बेहोश होकर सड़क पर गिर गया और उसकी बाइक भी क्षतिग्रस्त हो गई। गंभीर हालत में पड़ा देख राहगीरों ने उसके परिजनों को सूचना दी। परिजन उसे उपचार के लिए आंवला के निजी अस्पताल ले गए, जहां कई दिनों तक उसका इलाज चला। रक्षपाल सिंह का आरोप है कि दुर्घटना के बाद बाइक चालक ने उसके खिलाफ ही थाना आंवला में रिपोर्ट दर्ज करा दी, जबकि उसकी ओर से घटना की रिपोर्ट दर्ज नहीं की गई। इसके बाद उसने मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर अपनी रिपोर्ट दर्ज कराने के लिए पुलिस से गुहार लगाई। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर बाइक चालक के खिलाफ जांच शुरू कर दी है।

403 ग्राम स्मैक के साथ तीन तस्कर गिरफ्तार

फतेहगंज पश्चिमी। पुलिस ने हाईवे स्थित रुकमपुर यात्री शेड के सर्विस रोड से मोहल्ला अंसारी निवासी हसनैन को 56 ग्राम स्मैक के साथ पकड़ा गया। पूछताछ में उसके द्वारा नशीले पदार्थ की बिक्री करने की जानकारी सामने आई। इसके बाद पुलिस टीम ने नखासा बाजार और रहपुरा अंडरपास क्षेत्र में कार्रवाई कर शाबान अहमद को 37 ग्राम तथा आसिफ उर्फ गब्बर को 310 ग्राम स्मैक के साथ गिरफ्तार किया। पूछताछ में पुलिस को तस्करी से जुड़े अन्य लोगों और स्मैक की खरीद-फरोख्त के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी मिली है। पुलिस अब आरोपितों के नेटवर्क से जुड़े लोगों के बारे में जानकारी जुटा रही है। थाना प्रभारी निरीक्षक प्रवीण कुमार ने बताया कि तीनों आरोपितों को जेल भेजा है। नशे के कारोबार से जुड़े अन्य लोगों की भी तलाश की जा रही है।

रास्ते के विवाद में युवक पर लाठी-डंडों से हमला

बहेड़ी। रास्ते को लेकर हुए विवाद में एक युवक के साथ लाठी-डंडों से मारपीट कर हमला करने का मामला सामने आया है। पीड़ित ने 3 लोगों पर मारपीट और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग की है। ग्राम भोगपुर निवासी सुरेंद्र पाल के अनुसार, 15 अगस्त की शाम करीब 8 बजे रास्ते को लेकर विवाद हुआ था। आरोप है कि इसी बात को लेकर गांव में पीपल के पेड़ के नीचे गाली-गलौज की गई। इसके बाद जब वह अपने दूसरे घर पहुंचा तो सुख लाल, उसका पुत्र राजीव और मीरा देवी वहां लाठी-डंडों के साथ पहुंच गए। आरोप है कि राजीव ने चारपाई की पाटी से सुरेंद्र के सिर पर वार कर दिया, जिससे सिर के बाईं ओर गंभीर चोट आई। पीड़ित ने शरीर के अन्य हिस्सों में भी चोटें आने की बात कही है। शोर सुनकर पीड़ित के पिता पुत्तू लाल, महेंद्र पाल और ग्राम प्रधान समेत अन्य लोग मौके पर पहुंचे और बीच-बचाव किया। इसके बाद पुलिस को 112 नंबर पर सूचना दी । आरोप है कि पुलिस उसे थाने ले गई और मेडिकल कराने के बाद चालान कर दिया। पीड़ित ने 25 अगस्त को थाना कोतवाली बहेड़ी में तहरीर देकर चोटों का मेडिकल कराने, मुकदमा दर्ज करने और आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

फ़रीदपुर में धूमधाम से मना मिलादुन्नबी

जागरण मोर्चा कार्यालय

फ़रीदपुर। तहसील फ़रीदपुर में जश्न-ए-ईद मिलादुन्नबी बड़ी धूमधाम, अकीदत और मोहब्बत के साथ मनाया गया। इस मौक़े पर मोहल्ला फ़र्रुखपुर स्थित करबला वाली मस्जिद से जुलूस-ए-मोहम्मदी की शुरुआत हुई। जुलूस विभिन्न मार्गों से होता हुआ पूरे तहसील फ़रीदपुर में निकला और भूरे ख़ाँ गोटिया से होते हुए गन्ना गली और दफ़्तर वाली गली में पहुँचा, जहाँ जुलूस का शांतिपूर्ण ढंग से समापन हुआ।

इस अवसर पर मुफ़्ती ताज रज़ा क़ादरी ने जश्न-ए-ईद मिलादुन्नबी का मक़सद बताते हुए कहा कि यह मुबारक दिन हमें उस अज़ीम हस्ती की दुनिया में तशरीफ़-आवरी की याद दिलाता है, जिनकी आमद से इंसानियत को नई रोशनी मिली। हुज़ूर की तालीमात ने छोटे-बड़े, अमीर-गरीब और ऊँच-नीच के फ़र्क़ को मिटाकर इंसानों को भाईचारे, मोहब्बत, इंसाफ़ और बराबरी का पैग़ाम दिया। इस्लाम अमन-ओ-अमान, मोहब्बत और भाईचारे का पैग़ाम देता है। हमें चाहिए कि हम हुज़ूर की सीरत-ए-पाक पर अमल करते हुए समाज में आपसी मोहब्बत, शांति और भाईचारे को बढ़ावा दें। जुलूस में डॉक्टर तौफ़ीक़, फ़ातिमा मस्जिद के इमाम व ख़तीब मौलाना समीउल्लाह साहब, हाफ़िज़ व क़ारी सिराज साहब, मोहम्मद अनवार हुसैन, मोहम्मद यामीन, मोहम्मद सद्दाम, हाजी अय्यूब अली साहब सहित कमेटी के अन्य सदस्य और बड़ी संख्या में अकीदतमंद शामिल रहे। जुलूस को शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित ढंग से निकालने और इसके सफल समापन में कमेटी के सदस्यों तथा सभी सहयोगियों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। पूरे कार्यक्रम के दौरान अमन-ओ-अमान और भाईचारे का माहौल कायम रहा। आयोजकों ने जुलूस में सहयोग करने वाले सभी लोगों का शुक्रिया अदा किया और समाज में आपसी मोहब्बत, भाईचारे तथा शांति बनाए रखने की अपील की।

आंवला में निकला जुलूस-ए-मोहम्मदी, दिखी हिंदू-मुस्लिम एकता की मिसाल

जागरण मोर्चा कार्यालय

आंवला। हजरत मोहम्मद मुस्तफा सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम के यौमे पैदाइश के अवसर पर बुधवार को नगर में जुलूस-ए-मोहम्मदी धूमधाम और अकीदत के साथ निकाला गया। निर्धारित समय सुबह 8:30 बजे जुलूस बारहबुर्जी मस्जिद से शुरू हुआ। इससे पहले हाफिज कारी रजा अली और हाफिज रईस वरकाती ने कुरान की तिलावत की। इसके बाद सीरत कमेटी के सदस्यों ने परचम कुशाई की और जुलूस रवाना हुआ। जुलूस नगर के विभिन्न मार्गों से होता हुआ घेर अन्नू खां पहुंचकर संपन्न हुआ। जुलूस का जगह-जगह लोगों ने पुष्पवर्षा कर गर्मजोशी से स्वागत किया। इस दौरान नगर में हिंदू-मुस्लिम एकता और आपसी भाईचारे की मिसाल देखने को मिली। भूमि विकास बैंक चौराहे पर समाजवादी पार्टी की ओर से सपा नेता मशकूर खान और जावेद अंसारी ने पुष्पवर्षा कर स्वागत किया। वहीं स्टेट बैंक चौराहे पर भाजपा के पूर्व अध्यक्ष संजीव सक्सेना ने जुलूस का स्वागत किया। जुलूस के दौरान सीरत कमेटी के अध्यक्ष अफसर खान, अजीजुर रहमान, मौलाना अब्बास, साबिर कातिब, सैयद आबिद अली, विकार अली गुड्डू, मुन्ने शफीक, परमाल यादव, गनी खान, जोहिन खान, इस्लाम खान, रईस अहमद, जीराज यादव, फैजान खान और शमशेर इदरीसी, मुसर्रत खां, गुड्डू मलिक, इमरान खान, गुलाम साबिर उर्फ पप्पू खां समेत बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
जागरण मोर्चा
जन-जन की आवाज़
लखनऊ, बरेली, मुरादाबाद एवं उत्तराखंड में प्रसारित
WWW.jagranmorcha.com
jagranmorchadaily@gmail.com
@JagranMorchaDaily

एक नजर

ईंट लगने से महिला का सिर फटा, मारपीट और जान से मारने की धमकी का आरोप

आंवला। क्षेत्र के ग्राम आसपुर में पशुओं को चारा डाल रही महिला से मारपीट और बाद में छत से ईंटें फेंकने का गंभीर मामला सामने आया है। ईंट लगने से पीड़िता की मां का सिर फट गया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।विष्णु ने पुलिस को बताया कि 24 अगस्त की शाम उसकी बहन मीना पशुओं को चारा डाल रही थी, तभी पुराने विवाद में धर्मेंद्र ने बाल पकड़कर उसे पीटना शुरू कर दिया। बीच-बचाव करने आए परिजनों पर आरोपी धर्मेंद्र, उसके पिता तेजपाल, मां श्याम प्यारी और बहन संतोष ने छत से ईंटें बरसाईं। इसमें विष्णु की मां सूरजा देवी गंभीर रूप से घायल हो गईं। पुलिस ने घायलों को अस्पताल भेजकर आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

अग्निवीर भर्ती: री-मेडिकल पास कराने के नाम पर ठगी

मिलिट्री इंटेलिजेंस की सूचना पर कैंट पुलिस ने आरोपी को दबोचा, साझेदार की तलाश

जागरण मोर्चा कार्यालय

बरेली। अग्निवीर बनकर देशसेवा का सपना देख रहे युवाओं की मजबूरी को ठगी का जरिया बनाने वाले गिरोह का कैंट पुलिस और मिलिट्री इंटेलिजेंस ने पर्दाफाश किया है। गिरोह मेडिकल में असफल अभ्यर्थियों को री-मेडिकल में पास कराने का झांसा देकर 20 से 50 हजार रुपये तक वसूलता था। पुलिस ने लखनऊ निवासी राजेश तिवारी को गिरफ्तार किया है, जबकि उसके कथित साझेदार गजेंद्र सिंह की तलाश जारी है। आरोपी के पास से फर्जी मोहर, मोबाइल और अभ्यर्थियों का ब्योरा दर्ज रजिस्टर बरामद हुआ है।

पुलिस के मुताबिक, 25 अगस्त को मिलिट्री इंटेलिजेंस को सूचना मिली कि रिसाला चौकी क्षेत्र में मिलिट्री अस्पताल के पास एक व्यक्ति खुद को सेना का रिटायर्ड हवलदार बताकर अग्निवीर जनरल ड्यूटी के री-मेडिकल में असफल अभ्यर्थियों से संपर्क कर रहा है। वह रुपये लेकर मेडिकल में पास कराने का दावा कर रहा था। सूचना पर दारोगा राजीव पटेल, कांस्टेबल संदीप राणा और रोहित राणा ने टीम के साथ घेराबंदी कर लखनऊ के सैरपुर थाना क्षेत्र स्थित मुबारकपुर निवासी राजेश तिवारी को पकड़ लिया। पूछताछ में राजेश ने बताया कि उसके पिता सेना से सेवानिवृत्त हैं और वह जबलपुर में सेना भर्ती की तैयारी कराने वाली अकादमी भी चला चुका है। इसी दौरान उसकी पहचान गजेंद्र सिंह से हुई। आरोप है कि अग्निवीर योजना लागू होने के बाद अकादमी की आमदनी प्रभावित होने पर उसने फर्जी कैंटीन पहचानपत्र बनवाया और खुद को रिटायर्ड हवलदार बताकर युवाओं को झांसे में लेना शुरू कर दिया। जांच में सामने आया कि उसका मिलिट्री अस्पताल के किसी डॉक्टर से संपर्क नहीं था। इसके बावजूद वह फर्जी दस्तावेज, कूटरचित कॉल-अप लेटर और रेफरल लेटर दिखाकर अभ्यर्थियों का भरोसा जीतता था। इसके बाद अभ्यर्थी की जानकारी और आरएमडीएस नंबर गजेंद्र को WhatsApp पर भेजे जाते थे। कथित तौर पर अभ्यर्थियों को बताया जाता था कि उनकी जानकारी सेना के अधिकारियों तक पहुंचा दी गई है और री-मेडिकल में उनका काम हो जाएगा। पुलिस को राजेश के मोबाइल से कई अभ्यर्थियों के रेफरल लेटर, बैंक लेनदेन की हिस्ट्री और WhatsApp चैट मिली हैं। पुलिस के अनुसार, 21 अगस्त को दोपहर 2:44 बजे अंकित सिंह चौहान नामक अभ्यर्थी की UPI आईडी से 40 हजार रुपये प्राप्त होने का रिकॉर्ड मिला है। अंकित का नाम आरोपी के रजिस्टर में भी दर्ज था। पुलिस ने संबंधित चैट के स्क्रीनशॉट सुरक्षित कर लिए हैं। पुलिस अब फरार गजेंद्र सिंह की भूमिका, बैंक खातों और अब तक हुई कथित वसूली की जांच कर रही है। साथ ही यह पता लगाया जा रहा है कि गिरोह ने कितने अग्निवीर अभ्यर्थियों को अपना निशाना बनाया।

संक्षेप समाचार

ट्रेन के लोको की चपेट में आया निराश्रित पशु मौत, ट्रैक पर पड़ा रहा शव, धीमी गति से गुजारी गईं ट्रेनें

फतेहगंज पूर्वी। बुधवार शाम करीब छह बजे बिलपुर स्टेशन के समीप रेलवे ट्रैक पर घास चर रहा एक निराश्रित पशु ट्रेन के लोको की चपेट में आ गया। टक्कर लगने के बाद पशु कई पलटे खाता हुआ बिलपुर स्टेशन के पास ट्रैक किनारे जा गिरा, जिससे उसकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही आरपीएफ मौके पर पहुंची। गोवंश का शव रेलवे ट्रैक पर पड़ा होने के दौरान आरपीएफ ने ट्रेनों को धीमी गति से पास कराया, ताकि किसी तरह की अप्रिय घटना न हो। इसके बाद रेलकर्मियों और गौरक्षकों की टीम ने मौके पर पहुंचकर गोवंश के शव को रेलवे ट्रैक से हटाने की कार्रवाई शुरू की। काफी मशक्कत के बाद शव को ट्रैक से हटाया गया, जिसके बाद रेल संचालन को सुचारु कराया गया। घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। हादसे में किसी अन्य नुकसान की सूचना नहीं है।

बैंक से 2.50 लाख निकाले, बाहर निकलते ही पार

बरेली। थाना नवाबगंज क्षेत्र में बैंक से रुपये निकालकर बाहर निकलते समय एक व्यक्ति के बैग से दो लाख रुपये चोरी होने का मामला सामने आया है। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। कस्बा नवाबगंज निवासी इस्तियाक अहमद ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 20 अगस्त 2026 को दोपहर करीब 1:04 बजे उनका पुत्र मो. साजेव बैंक की नवाबगंज शाखा से उनके खाते से 2.50 लाख रुपये निकालकर बैग में रखकर बैंक से बाहर निकल रहा था। इसी दौरान किसी अज्ञात व्यक्ति ने बैग से दो लाख रुपये चोरी कर लिए। घटना के बाद पीड़ित और उसके पुत्र ने आसपास काफी तलाश की, लेकिन चोर का कोई सुराग नहीं लग सका। पांच दिन बाद 25 अगस्त को पीड़ित ने थाना नवाबगंज पहुंचकर पुलिस से रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने तहरीर के आधार पर अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। अब पुलिस बैंक और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालकर आरोपी की पहचान और चोरी हुए रुपये बरामद करने के प्रयास में जुटी है।

10 लीटर कच्ची शराब के साथ एक गिरफ्तार

बरेली। थाना बहेड़ी पुलिस ने चेकिंग के दौरान एक व्यक्ति को 10 लीटर कच्ची शराब के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार मंगलवार शाम उपनिरीक्षक मनोज कुमार उपाध्याय पुलिस टीम के साथ संदिग्ध व्यक्ति और वाहनों की चेकिंग कर रहे थे। इसी दौरान सिरसा फार्म क्षेत्र में रतनगढ़ की ओर से हाथ में प्लास्टिक की कैन लेकर आ रहा एक व्यक्ति पुलिस को देखकर पीछे मुड़कर तेज कदमों से जाने लगा। पुलिस टीम ने शक होने पर पीछा कर उसे ट्यूबवेल के पास पकड़ लिया। पूछताछ में उसने अपना नाम रामदित्ता पुत्र जोगेंद्र सिंह, निवासी ग्राम धोराडाम नजीमाबाद, थाना किच्छा, जनपद ऊधमसिंह नगर, उत्तराखंड, उम्र 37 वर्ष बताया। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से करीब 10 लीटर कच्ची शराब बरामद हुई। पुलिस ने शराब को कब्जे में लेकर आरोपी को धारा 60(1) आबकारी अधिनियम के तहत गिरफ्तार कर लिया। बरामद शराब को सील कर नमूना मोहर तैयार की गई। पुलिस के मुताबिक गिरफ्तारी और बरामदगी की वीडियोग्राफी ई-साक्ष्य एप के माध्यम से भी की गई है। आरोपी के खिलाफ विधिक कार्रवाई की जा रही है।

सिरौली में घर के सामने खड़ी ईको कार चोरी

बरेली। सिरौली कस्बे में घर के सामने खड़ी ईको कार को अज्ञात चोर चोरी कर ले गए। घटना की जानकारी वाहन स्वामी को सुबह हुई। पीड़ित ने थाना सिरौली में प्रार्थना पत्र देकर कार्रवाई की मांग की है। पुलिस को दी गई तहरीर के मुताबिक, सिरौली के मोहल्ला मुराव टोला निवासी फिरोज अली ने बताया कि उसने अपनी ईको कार संख्या UP25 DD-3402 को 20 अगस्त की रात करीब आठ बजे मोहल्ले में आरिफ ठेकेदार के मकान के सामने खड़ा किया था। रात में अज्ञात चोर कार का लॉक तोड़कर उसे चोरी कर ले गए। पीड़ित को घटना की जानकारी अगले दिन सुबह करीब आठ बजे हुई। इसके बाद उसने आसपास काफी तलाश और छानबीन की, लेकिन कार का कोई सुराग नहीं मिला। पीड़ित ने 25 अगस्त को थाना सिरौली पहुंचकर पुलिस से मामले में उचित कार्रवाई की गुहार लगाई है। पुलिस ने प्रार्थना पत्र के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने के साथ ही चोरी हुई कार की तलाश की जा रही है।

ई-वे बिल बनवाना पड़ा भारी! लाठी-डंडों से हमला

बरेली। सीबीगंज थाना क्षेत्र में ई-वे बिल बनवाने पहुंचे दो लोगों के साथ लाठी-डंडों से मारपीट किए जाने का मामला सामने आया है। पीड़ित ने पांच लोगों के खिलाफ पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। तहरीर के अनुसार, नवाबगंज थाना क्षेत्र के ग्राम जरेली निवासी अरजैब अली 25 अगस्त की सुबह करीब 3:30 बजे सुरेंद्र के कार्यालय, विधौलिया पुलिया के पास अपनी गाड़ी का ई-वे बिल बनवा रहे थे। इसी दौरान अजीम हैदर, सालिक हैदर, शमी हैदर, गुलाम अब्बास और एक अज्ञात व्यक्ति वहां पहुंचे। आरोप है कि आरोपियों ने गाड़ी ले जाने को लेकर विवाद करते हुए अरजैब अली और उनके चाचा सायम अली के साथ लाठी-डंडों से मारपीट की। मारपीट में दोनों को शरीर पर चोटें आईं। पीड़ित का आरोप है कि आरोपियों ने थाने में शिकायत करने पर जान से मारने की धमकी भी दी और मौके से फरार हो गए। पीड़ित ने पुलिस से आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

आंवला में एक घर से अज्ञात चोरों ने सोने-चांदी के जेवर किये चोरी, 48 दिन बाद दर्ज हुई रिपोर्ट

बरेली। थाना आंवला क्षेत्र के ग्राम कसुमरा में एक मकान से अज्ञात चोर सोने और चांदी के जेवर चोरी कर ले गए। घटना 8 जुलाई की मध्यरात्रि की बताई गई है। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने 25 अगस्त को अज्ञात चोरों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। ग्राम कसुमरा निवासी यादराम पुत्र भगवानदास पाली ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 8 जुलाई की रात अज्ञात चोर उनके मकान में घुस गए और सोने-चांदी के जेवर चोरी कर ले गए। घटना की जानकारी होने पर उन्होंने घर में देखा तो जेवर गायब थे। पीड़ित ने पुलिस से मामले में कानूनी कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने तहरीर के आधार पर अज्ञात चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। अब पुलिस घटना के संबंध में साक्ष्य जुटाने के साथ ही चोरों की तलाश में जुटी है।

शानो शौकत से निकाला गया जुलूसे मोहम्मदी

जागरण मोर्चा कार्यालय

मीरगंज/शीशगढ़। कस्वे में जुलूसे मोहम्मदी हर्षोउल्लास के साथ शानो शौकत से शांतिपूर्ण ढंग से निकाला गया। जुलूसे मोहम्मदी में कस्वे की लगभग 30 अंजुमनों ने भाग लिया। जुलूसे मोहम्मदी मोहल्ला अगवाड़ा से शुरू होकर मोहल्ला विलासपुर अड्डा होकर मोहल्ला गोदी होते हुए गिरधरपुर स्थित पेट्रोल पम्प से बापस होकर मोहल्ला पड़ाव चौराहा पर पहुंचा।

शाही इमाम अशीरुद्दीन मौलाना तौफीक अहमद नइमी मुफ़्ती आज़म शीशगढ़ ,हाफिज जफर बजमी आदि उलेमाओं तकरीरें हुई। जिसमें उन्होंने हजूर की योमे पैदाश से लेकर वफात तक के सफर पर प्रकाश डाला। तकरीर में उन्होंने साफ कहा कि हुजूर के बताए रास्ते पर चलो। हजूर ने हम सब को अमन और शांति का पैगाम के साथ ही गरीबो व मजलूमो की मदद करने का पैगाम दिया है। तकरीर के बाद सभी उलमाओं ने देश मे अम्न शांति कायम रहने को हाथ उठाकर दुआएं की।जुलूसे मोहम्मदी का जगह जगह स्वागत किया गया। मोहल्ला गौड़ी में बब्लू आदि ने,नगर पंचायत कार्यालय पर चेयरमैन नीलोफर ने,मोहल्ला अगवाड़ा में वसीम अकरम आदि ने पुष्प वर्षा कर जोरदार स्वागत किया।

जुलूस में अकीदतमंद हुजूर न होते तो कुछ भी न होता,कुरआन मिला नवी के सदके, यह 12 न होती तो कुछ भी न होता के साथ नारे तकबीर के नारे लगाए जा रहे थे। जिसकी आवाज आसमान तक गूंज रही थी। डी जे व धार्मिक गीतों की धुन में अकीदतमंद झूमते हुए नजर आए। उधर सुरक्षा की दृष्टि से थाना प्रभारी जितेंद्र कुमार सिंह भारी पुलिस बल के साथ पूरे समय भृमण करते रहे।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता से होगी कांवड़ियों की वास्तविक समय में गिनती

जागरण मोर्चा कार्यालय

बरेली। स्मार्ट पुलिसिंग की दिशा में बरेली जोन पुलिस ने तकनीक के इस्तेमाल की नई पहल की है। अपर पुलिस महानिदेशक बरेली जोन रमित शर्मा के मार्गदर्शन में साइबर कमांडो अफरोज खान और कंप्यूटर ऑपरेटर मनीष कुमार ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित वास्तविक समय कांवड़िया गिनती प्रणाली विकसित की है।

पाइथन प्रोग्रामिंग और मौजूदा सीसीटीवी कैमरों की मदद से तैयार इस प्रणाली के जरिए प्रमुख मार्गों पर लगे कैमरों से मिलने वाले सीधे प्रसारण का कृत्रिम बुद्धिमत्ता के माध्यम से विश्लेषण किया जाएगा। इससे कैमरे की निगरानी वाले क्षेत्र से गुजरने वाले कांवड़ियों की संख्या की वास्तविक समय में गिनती की जा सकेगी। इस तकनीक से कांवड़ यात्रा के दौरान भीड़ बढ़ने वाले स्थानों की जानकारी पुलिस को तेजी से मिल सकेगी। इसके आधार पर जरूरत के अनुसार अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती, यातायात नियंत्रण और सुरक्षा व्यवस्था को बेहतर किया जा सकेगा। पुलिस के अनुसार, इस प्रणाली का उपयोग केवल कांवड़ियों की गिनती तक सीमित नहीं रहेगा। इससे प्राप्त आंकड़ों के आधार पर यातायात व्यवस्था और पुलिस बल की तैनाती को अधिक प्रभावी बनाया जा सकेगा। बरेली जोन पुलिस की यह पहल बड़े धार्मिक आयोजनों में आधुनिक तकनीक के माध्यम से भीड़ प्रबंधन की दिशा में महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

50 हजार रूपये की खातिर पति को बनाया बंधक

जागरण मोर्चा कार्यालय

बरेली। थाना नवाबगंज क्षेत्र के गुलशन नगर में 50 हजार रुपये के विवाद में एक युवक को बंधक बनाकर पीटने, उसकी पत्नी से छेड़छाड़ करने और गाड़ी छीनने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। पीड़िता रीना की तहरीर पर पुलिस मामले की जांच कर रही है।तहरीर के अनुसार, रीना के पति शंकरलाल ने पांच-छह महीने पहले पड़ोस के बदन सिंह से एक लाख रुपये उधार लिए थे। शंकरलाल ने ब्याज समेत 1.50 लाख रुपये चुका दिए, लेकिन बदन सिंह अतिरिक्त 50 हजार रुपये की मांग कर रहा था। 21 अगस्त को हिसाब के बहाने अजय ने शंकरलाल को घर बुलाया और भाग्यश्री, बदन सिंह व प्रताप ने उसे कमरे में बंद कर लाठी-डंडों से पीटना शुरू कर दिया।पति के न लौटने पर जब रीना वहां पहुंची, तो आरोपियों ने उसके साथ भी मारपीट और छेड़छाड़ की। रीना ने किसी तरह पति को छुड़ाया, जिसके बाद आरोपियों ने जान से मारने की धमकी देकर उनकी ईको गाड़ी की चाबी छीन ली और गाड़ी लेकर चले गए। इस विवाद को लेकर पहले पंचायतें भी हुईं, लेकिन आरोपियों ने गाड़ी लौटाने से साफ इनकार कर दिया। पुलिस ने दंपती का मेडिकल परीक्षण कराकर तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर आगे की विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

प्राथ. विद्यालय में चोरी, सरकारी सामान साफ

बरेली। थाना क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय मनकापुर में अज्ञात चोरों ने रात में धावा बोलकर सरकारी सामान चोरी कर लिया। घटना 24/25 अगस्त की रात की है। विद्यालय की इंचार्ज प्रधानाध्यापिका स्वाती के अनुसार, सुबह स्कूल खोलने पर कार्यालय, रसोईघर समेत दो अन्य कमरों के ताले टूटे और सामान बिखरा मिला।जांच में दो गैस सिलेंडर, चूल्हा, मध्यान्ह भोजन का गेहूं-चावल, सोलर पैनल, बैटरी, किराना सामान, आंगनबाड़ी का राशन और बर्तन गायब मिले। इस चोरी से मध्याह्न भोजन योजना का संचालन प्रभावित हो गया है। प्रधानाध्यापिका ने पुलिस को तहरीर देकर अज्ञात चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने और सामान बरामदगी की मांग की है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

एसआरएमएस में खुला पुलिस सहायता केंद्र

जागरण मोर्चा कार्यालय

बरेली। एसआरएमएस मेडिकल कॉलेज में नवनिर्मित पोस्टमार्टम हाउस में पुलिस सहायता केंद्र खोला गया। एसआरएमएस ट्रस्ट के संस्थापक एवं चेयरमैन देव मूर्ति जी की उपस्थिति में एसएसपी अनुराग आर्य ने फीता काट कर पुलिस सहायता केंद्र का उद्घाटन करने के साथ शिलापट्ट का भी अनावरण किया। एसपी उत्तरी मुकेश चंद्र मिश्रा, मेडिकल कालेज के डायरेक्टर आदित्य मूर्ति, प्रिंसिपल एयर मार्शल (सेवानिवृत्त) डा.एमएस बुटोला, मेडिकल सुपरिटेंडेंट डा.आरपी सिंह ने पुष्प वर्षा के साथ कांवड़ियों को अल्पाहार वितरित किया। पुलिस सहायता केंद्र खुलने से नैनीताल रोड पर सुरक्षा व्यवस्था और मजबूत होगी और अपराधों पर लगाम लगेगी। पुलिस सहायता केंद्र के उद्घाटन के बाद एसएसपी अनुराग आर्य, एसपी उत्तरी मुकेश चंद्र मिश्रा, सीओ हाईवे देवेश सिंह, प्रभारी निरीक्षक भोजीपुरा कुंवर बहादुर सिंह ने नवनिर्मित पोस्टमार्टम हाउस का भी निरीक्षण किया और यहां प्रदान की जा रही सुविधाओं की तारीफ करने के साथ संतुष्टि जताई। सभी लोग मेडिकल कॉलेज स्थित स्किल लैब देखने भी पहुंचे। मेडिकल कालेज के डायरेक्टर आदित्य मूर्ति ने एसएसपी अनुराग आर्य, एसपी उत्तरी मुकेश चंद्र मिश्रा, सीओ हाइवे देवेश सिंह और प्रभारी निरीक्षक भोजीपुरा कुंवर बहादुर सिंह का स्वागत किया। एसआरएमएस ट्रस्ट के संस्थापक एवं चेयरमैन देव मूर्ति जी ने सभी को स्मृति चिह्न प्रदान कर इस दिन को यादगार बनाया। इस अवसर पर अपराध निरीक्षक राजवली सिंह, प्रिंसिपल एयर मार्शल (सेवानिवृत्त) डा.एमएस बुटोला, जीएम हॉस्पिटल कर्नल डा.राजा माजी, मैनेजर पेशेंट केयर विनीत शर्मा, मैनेजर एचआर अजीत सिंह सहित शहर के गणमान्य लोग मौजूद रहे।

कलेक्ट्रेट गेट पर आत्मदाह का प्रयास करने वाले दंपती गिरफ्तार, रिपोर्ट दर्ज

जागरण मोर्चा कार्यालय

बरेली। कलेक्ट्रेट गेट के बाहर आत्मदाह का प्रयास करने वाले दंपती के खिलाफ थाना कोतवाली पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर दोनों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस की तत्परता से मौके पर ही दंपती को नियंत्रित कर लिया गया, जिससे बड़ी घटना होने से टल गई। पुलिस के अनुसार, चंदपुर निचपुरी निवासी नरेश पाल और उनकी पत्नी गुड्डी देवी 25 अगस्त को करीब 11 बजे कलेक्ट्रेट गेट के बाहर पहुंचे। आरोप है कि दोनों ने अपने ऊपर पेट्रोल छिड़ककर आत्मदाह का प्रयास किया। ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों ने तत्काल कार्रवाई करते हुए दोनों को रोक लिया और कोतवाली पुलिस के सुपुर्द कर दिया।

मामले में होमगार्ड संदीप कुमार की तहरीर पर थाना कोतवाली में मुकदमा अपराध संख्या 419/26 दर्ज किया गया है। पुलिस ने धारा 226, 221 और 126(2) बीएनएस के तहत मुकदमा दर्ज कर विवेचना उपनिरीक्षक कमलवीर सिंह को सौंपी है। दोनों के खिलाफ धारा 170, 126 और 135 बीएनएसएस के तहत गिरफ्तारी की कार्रवाई की गई। पुलिस टीम में प्रभारी निरीक्षक राजीव कुमार सिंह, उपनिरीक्षक कमलवीर सिंह, महिला हेड कांस्टेबल भावना, हेड कांस्टेबल भागेश कुमार और रिजर्व कांस्टेबल अक्षय बालियान शामिल रहे।

मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव से 50 हजार की रंगदारी मांगने का आरोप

जागरण मोर्चा कार्यालय

बरेली। कैंट थाना क्षेत्र में खुद को पुलिसकर्मी बताकर एक मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव (एमआर) से रंगदारी मांगने और धमकाने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। पीड़ित पुष्पेंद्र सिंह की तहरीर पर पुलिस ने तीन नामजद आरोपियों के खिलाफ जांच शुरू कर दी है।तहरीर के अनुसार, 26 अगस्त की शाम करीब 6:30 बजे पुष्पेंद्र सिंह मोटरसाइकिल से सिरौली से बरेली लौट रहे थे। मिलिट्री अस्पताल रोड पर स्प्लेंडर सवार दो युवकों ने उन्हें रोका और खुद को सादे कपड़ों में पुलिसकर्मी बताकर बैग की तलाशी देने को कहा। पुष्पेंद्र के मना करने पर आरोपियों ने अपने एक अन्य साथी को बुला लिया और उन्हें जबरन लाल फाटक पुल के नीचे ले गए। वहां तीनों ने पुष्पेंद्र पर अफीम और ड्रग्स तस्करी का झूठा आरोप लगाते हुए जेल भेजने की धमकी दी।आरोपियों ने हथियार का डर दिखाकर 50,000 की रंगदारी मांगी। पीड़ित के पास उस समय केवल 5,000 थे, जिसे आरोपियों ने जबरन छीन लिया और फरार हो गए। पीड़ित ने आसपास पूछताछ कर आरोपियों की पहचान उमरसिया निवासी कमल व हेमंत और चनेहटी निवासी रोहित के रूप में की है। पुलिस ने इस्तेमाल की गई मोटरसाइकिलों के नंबरों और तहरीर के आधार पर मामले की सघन जांच शुरू कर दी है।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

जागरण मोर्चा

क्लासीफाइड विज्ञापन दर

में डिस्प्ले, क्लासीफाइड, शोक संदेश, बधाई संदेश, नोटिस एवं टेन्डर नोटिस के विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें।

विज्ञापन बुकिंग हेतु सम्पर्क करें:

7579849555, 9627739857

9997745413

सीकरी बवाल की परतें खुलीं: पुरानी पुलिस रंजिश से लेकर प्रतिमा विवाद तक, मानसिंह की भूमिका पर सवाल

तो क्या पुलिस से बदला लेने के लिए मानसिंह ने रची थी पूरी साजिश, आठ दिन पहले पुलिस चौकी पर आत्मदाह का प्रयास करने पहुंचा था मानसिंह

हर्षित मिश्रा, जागरण मोर्चा कार्यालय

आसफपुर। फैजगंज बेहटा थाना क्षेत्र के सीकरी गांव में डॉ. भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा को लेकर 25 अगस्त को हुए बवाल की जांच अब कई पहलुओं पर केंद्रित हो गई है। मामला केवल प्रतिमा स्थापित करने के प्रयास तक सीमित नहीं रह गया है। पुलिस पुराने विवाद, कथित रंजिश, भीड़ जुटने के घटनाक्रम और पुलिस-प्रशासन पर बनाए गए दबाव समेत विभिन्न बिंदुओं की पड़ताल कर रही है। इसी क्रम में मानसिंह की भूमिका भी जांच के दायरे में बताई जा रही है। हालांकि, उसे बवाल का मास्टरमाइंड बताए जाने की पुलिस स्तर से अभी पुष्टि नहीं हुई है।

सीकरी गांव में तैनात पुलिस बल। –जागरण मोर्चा

सीकरी गांव में स्थिति का जायजा लेते एडीएम व एसपी देहात। –जागरण मोर्चा

मामले की शुरुआत ग्राम समाज की सुरक्षित श्रेणी की भूमि पर बिना सक्षम अनुमति डॉ. आंबेडकर की प्रतिमा स्थापित करने के प्रयास से हुई। पुलिस के अनुसार, 25 अगस्त की सुबह करीब चार बजे प्रतिमा स्थापित किए जाने की सूचना मिली थी। सूचना पर पुलिस-प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची और प्रतिमा स्थापित करने से रोकने का प्रयास किया। इसके बाद मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जुटने लगी और देखते ही देखते स्थिति तनावपूर्ण हो गई।

पुराने घटनाक्रम से जुड़ रही मानसिंह की कड़ी : सीकरी बवाल के बीच कुछ दिन पहले हुई एक घटना भी चर्चा में आ गई है। सूत्रों के अनुसार, मानसिंह ने पुलिस चौकी के सामने आत्मदाह का प्रयास किया था। इसके बाद पुलिस ने उसके खिलाफ शांति भंग की कार्रवाई की थी। बताया जा रहा है कि इस कार्रवाई को लेकर वह पुलिस से नाराज था। अब इसी पुरानी नाराजगी को सीकरी में हुए बवाल से जोड़कर देखा जा रहा है। हालांकि, पूर्व की पुलिस कार्रवाई और बाद की घटना के आधार पर किसी व्यक्ति को बवाल का मुख्य साजिशकर्ता मानना उचित नहीं होगा। पुलिस को उसकी भूमिका की पुष्टि के लिए स्वतंत्र साक्ष्य जुटाने होंगे।

प्रतिमा स्थापित करने के प्रयास की भी होगी जांच: जांच का अहम बिंदु यह भी है कि ग्राम समाज की भूमि पर बिना अनुमति प्रतिमा स्थापित करने का प्रयास किसके कहने पर और किन परिस्थितियों में किया गया। प्रशासन की ओर से स्पष्ट किया गया है कि सरकारी या ग्राम समाज की भूमि पर बिना नियमानुसार अनुमति किसी प्रकार की प्रतिमा अथवा निर्माण नहीं किया जा सकता। पुलिस यह भी पता लगाने में जुटी है कि प्रतिमा की वास्तविक स्थिति क्या थी और उसे लेकर विवाद किस तरह बढ़ा। इसके बाद ग्रामीणों की भीड़ कैसे जुटी और पुलिस-प्रशासन पर पथराव तथा सरकारी वाहनों में तोड़फोड़ की स्थिति किन परिस्थितियों में बनी, इन सवालों के जवाब भी जांच में तलाशे जा रहे हैं।

कई सवालों के जवाब तलाश रही पुलिस : सीकरी प्रकरण में पुलिस के सामने कई अहम सवाल हैं। प्रतिमा स्थापित करने का प्रयास किसने किया, मौके पर भीड़ किसने जुटाई, विवाद को किस तरह बढ़ाया गया और पथराव व तोड़फोड़ में किन लोगों की सक्रिय भूमिका रही—इन सभी बिंदुओं की जांच की जा रही है। इसके साथ ही मानसिंह के आत्मदाह के प्रयास और उसके खिलाफ हुई शांति भंग की कार्रवाई का 25 अगस्त के घटनाक्रम से कोई संबंध है या नहीं, यह भी जांच का विषय है। यदि दोनों घटनाओं के बीच कोई ठोस कड़ी सामने आती है तो सीकरी बवाल के पीछे की परिस्थितियां और अधिक स्पष्ट हो सकती हैं। फिलहाल पुलिस की जांच और सामने आने वाले साक्ष्यों पर ही पूरे मामले की तस्वीर निर्भर है।

सीकरी बवाल में यह लोग हुए गिरफ्तार : फैजगंज बेहटा थाना क्षेत्र के ग्राम सीकरी में हुए बवाल के मामले में पुलिस ने नौ आरोपितों को गिरफ्तार किया है। आरोपितों में मुनेश कुमार, अमरपाल, उदयवीर, मोहित, नेम सिंह, मेघ सिंह, अमन, शिवम और दिनेश कुमार शामिल हैं।

यह लोग हुए नामजद : पुलिस के अनुसार, नामजद आरोपितों में मुनेश कुमार पुत्र राजेंद्र सिंह, अमरपाल पुत्र लालाराम, उदयवीर पुत्र हरिश्चंद्र, मोहित पुत्र प्रताप सिंह, नेम सिंह पुत्र राजेंद्र, मेघ सिंह पुत्र दीनदयाल, अमन पुत्र कुंवरपाल, शिवम पुत्र राजेंद्र, रमन सिंह पुत्र कन्नू, मान सिंह पुत्र ओमकार, जयसिंह, हरिकिशन, सतीश पुत्र नायक सिंह, सतेंद्र पुत्र नायक सिंह, रेनू पुत्री/पुत्र कृषपाल, निर्देश पुत्र/पुत्री पप्पू, जितेंद्र पुत्र जगदीश, अरविंद पुत्र रघुवर, सुनील पुत्र गजराम, छोटे पुत्र बनार सिंह, अनीत पुत्र महीपाल, गौरव पुत्र कंचन सिंह, अमरिश पुत्र छद्मपाल, सरोज पत्नी पातिराम, राम सनेही पत्नी सूरजपाल फौजी, विमलेश पत्नी टीकू, मनीषा पत्नी चमन, दयावती पत्नी दयाराम, मैकू की पत्नी, धुर्वेस पत्नी जय सिंह, कन्यावती पत्नी हरिकिशोर और मान सिंह की पत्नी शामिल हैं।

संक्षेप समाचार

सिकरी में शांति व्यवस्था को लेकर एडीएम और एएसपी ग्रामीण ने किया भ्रमण

आसफपुर। फैजगंज बेहटा थाना क्षेत्र के ग्राम सिकरी में डॉ. भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा स्थापित करने के प्रयास के बाद पुलिस-प्रशासन ने शांति एवं कानून-व्यवस्था को लेकर सतर्कता बढ़ा दी है। बुधवार को एडीएम एफआर और अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण ने गांव पहुंचकर घटनास्थल का जायजा लिया और पुलिस अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। पुलिस के अनुसार, मंगलवार को ग्राम समाज की भूमि पर बिना सक्षम अनुमति डॉ. भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा स्थापित करने के प्रयास की सूचना मिली थी। सूचना पर पुलिस-प्रशासन तत्काल मौके पर पहुंचा और स्थिति को नियंत्रित किया। एहतियातन गांव में पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया गया है। जिलाधिकारी और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में एडीएम एफआर तथा एएसपी ग्रामीण ने बुधवार को सिकरी पहुंचकर मौजूदा स्थिति का जायजा लिया। इस दौरान एसडीएम सदर (न्यायिक) समेत अन्य अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे। अधिकारियों ने मौके पर तैनात पुलिस बल की स्थिति देखी और संबंधित अधिकारियों को शांति एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश दिए। राजस्व विभाग के साथ समन्वय कर प्रकरण में नियमानुसार कार्रवाई की जा रही है। पुलिस द्वारा गांव में लगातार भ्रमण कर निगरानी रखी जा रही है। अधिकारियों के मुताबिक, गांव में सभी दुकानें और बाजार खुले हैं। आवागमन, यातायात तथा दैनिक गतिविधियां सामान्य रूप से संचालित हो रही हैं। वर्तमान में गांव की स्थिति शांतिपूर्ण और नियंत्रण में बताई गई है। पुलिस-प्रशासन ने लोगों से शांति और सौहार्द बनाए रखने तथा किसी भी प्रकार की अफवाह पर ध्यान न देने की अपील की है।

उपद्रवियों के बवाल में गरीब ब्राह्मण परिवार का घर बना निशाना, पुलिस पर भी तोड़फोड़ का आरोप

उपद्रव की जानकारी देती महिला। –जागरण मोर्चा

आसफपुर। सीकरी गांव में मंगलवार को प्रतिमा विवाद के दौरान हुए बवाल का खामियाजा घटनास्थल से चंद कदम की दूरी पर रहने वाले एक गरीब ब्राह्मण परिवार को भुगतना पड़ा। पथराव के बीच परिवार ने घर के भीतर छिपकर जान बचाई। परिवार का आरोप है कि उपद्रवियों के घर में छिपे होने के शक में पुलिस ने मकान में घुसकर दरवाजे-खिड़कियां तोड़ दीं। घर में रखा कूलर भी क्षतिग्रस्त हो गया। घटना के बाद परिवार दहशत में है। बताया गया कि घटनास्थल से करीब 20 मीटर की दूरी पर 65 वर्षीय वृद्धा अपनी दो बहुओं और दो छोटे बच्चों के साथ रहती हैं। वृद्धा मंदिर पर प्रसाद बेचकर परिवार का भरण-पोषण करती हैं। मंगलवार को विवाद बढ़ने के बाद जब पथराव शुरू हुआ तो परिवार के सभी लोग डरकर घर के अंदर चले गए और खुद को बंद कर लिया। परिवार के मुताबिक, बवाल के दौरान उपद्रवियों की ओर से उनके मकान पर भी ईंट-पत्थर फेंके गए। पथराव के कारण घर की छत पर ईंट और पत्थर बिखरे पड़े हैं। परिवार की महिलाओं ने बताया कि बाहर से लगातार हंगामे और पथराव की आवाजें आ रही थीं। बच्चों और महिलाओं ने डर के कारण घर के अंदर छिपकर समय बिताया। इसी दौरान उपद्रवियों के घर में छिपे होने के शक में पुलिस उनके मकान तक पहुंची। परिवार का आरोप है कि पुलिस ने दरवाजा और खिड़की तोड़कर घर में प्रवेश किया। घर में रखा कूलर भी क्षतिग्रस्त हो गया। अचानक हुई इस कार्रवाई से परिवार के लोग सहम गए। 65 वर्षीय वृद्धा ने बताया कि वह मंदिर पर प्रसाद बेचकर किसी तरह परिवार का खर्च चलाती हैं। बवाल में घर को नुकसान पहुंचने के बाद वह बेहद आहत नजर आईं। उनका कहना था कि उपद्रवियों के किए की सजा उन्हें क्यों भुगतनी पड़ी। घर में तोड़फोड़ से जरूरी सामान खराब हो गया है और परिवार में डर का माहौल है। परिवार की महिलाओं ने बताया कि बवाल के दौरान उनकी सबसे बड़ी चिंता बच्चों की सुरक्षा को लेकर थी। बाहर पथराव हो रहा था और अंदर से घर के सामान के टूटने की आवाजें आ रही थीं। उन्होंने बताया कि भय के कारण किसी ने बाहर निकलने की हिम्मत नहीं की। ग्रामीणों के अनुसार, परिवार का मकान घटनास्थल के बेहद करीब है। इसी वजह से बवाल के दौरान मकान भी पथराव की चपेट में आ गया। परिवार का आरोप है कि उसने न तो विवाद में किसी पक्ष का समर्थन किया और न ही किसी तरह के उपद्रव में शामिल था। इसके बावजूद घर को नुकसान पहुंचा। घटना के बाद परिवार ने प्रशासन से नुकसान की जांच कराकर क्षतिपूर्ति और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। वहीं पुलिस की कार्रवाई को लेकर भी परिवार की ओर से लगाए गए आरोपों की जांच की आवश्यकता है। पूरे मामले में पुलिस और प्रशासन की ओर से जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा कि मकान में तोड़फोड़ किन परिस्थितियों में हुई। फिलहाल बवाल के बाद गांव में पुलिस बल तैनात है। घटनास्थल के आसपास निगरानी बढ़ा दी गई है। प्रशासन की ओर से लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की जा रही है।

सुनसान रही गांव की गलियां। –जागरण मोर्चा

सीकरी बवाल में नौ गिरफ्तार, दो मुकदमे दर्ज; ग्राम प्रधान की तहरीर पर चार नामजद

सड़क पर पड़े पत्थर बाजी के निशान। –जागरण मोर्चा

आसफपुर। फैजगंज बेहटा थाना क्षेत्र के सीकरी गांव में सरकारी भूमि पर बिना अनुमति डॉ. भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा स्थापित करने के प्रयास के बाद हुए बवाल में पुलिस ने नौ आरोपितों को गिरफ्तार किया है। मामले में दो मुकदमे दर्ज किए गए हैं। इनमें एक मुकदमा ग्राम प्रधान की ओर से दी गई तहरीर के आधार पर सार्वजनिक भूमि पर कब्जा करने के प्रयास के संबंध में दर्ज किया गया है, जबकि दूसरा मुकदमा पुलिस-प्रशासन की ओर से बलवा, पथराव, तोड़फोड़ और सरकारी वाहनों को क्षतिग्रस्त करने के आरोप में दर्ज किया गया है। पुलिस के मुताबिक, 25 अगस्त को सीकरी गांव में कुछ लोग ग्राम समाज की भूमि पर बिना सक्षम अनुमति डॉ. भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा स्थापित करने का प्रयास कर रहे थे। पुलिस-प्रशासन ने मौके पर पहुंचकर प्रतिमा स्थापित करने से रोका और लोगों को समझाने का प्रयास किया। आरोप है कि इसके बाद भीड़ ने एकराय होकर पुलिस-प्रशासन पर ईंट-पत्थर और लाठी-डंडों से हमला कर दिया। पथराव में कुछ पुलिसकर्मियों को चोटें आईं। भीड़ ने फायर सर्विस, एंबुलेंस, पीएसी, पुलिस-प्रशासन और राजस्व विभाग के वाहनों में तोड़फोड़ कर उन्हें क्षतिग्रस्त कर दिया। स्थिति बिगड़ने पर पुलिस ने आवश्यक बल प्रयोग कर भीड़ को तितर-बितर किया। घायल पुलिसकर्मियों को सीएचसी आसफपुर भेजा गया। इसके बाद गांव में पुलिस बल तैनात कर दिया गया। पुलिस के अनुसार, ग्राम प्रधान की तहरीर पर दर्ज मुकदमे में चार लोगों को नामजद किया गया है। यह मुकदमा सार्वजनिक भूमि पर कब्जा करने के प्रयास के संबंध में दर्ज किया गया है। वहीं, पुलिस-प्रशासन की ओर से दर्ज दूसरे मुकदमे में 32 लोगों को नामजद किया गया है, जबकि अन्य अज्ञात महिला-पुरुषों को भी आरोपित बनाया गया है। इस मुकदमे में बलवा, पथराव, सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने और सरकारी वाहनों में तोड़फोड़ समेत अन्य आरोप लगाए गए हैं। दोनों मुकदमों में अब तक नौ आरोपितों को गिरफ्तार किया जा चुका है। पुलिस गिरफ्तार आरोपितों को न्यायालय के समक्ष पेश कर रही है। अन्य नामजद एवं अज्ञात आरोपितों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए दबिश दी जा रही है। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि डॉ. भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा को तोड़े या खंडित किए जाने संबंधी प्रसारित सूचना असत्य एवं निराधार है। पुलिस के अनुसार, विवाद प्रतिमा को ग्राम समाज की भूमि पर बिना अनुमति स्थापित करने के प्रयास को रोके जाने के बाद शुरू हुआ। फिलहाल गांव में पुलिस बल तैनात है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि कानून-व्यवस्था बिगाड़ने, सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने और बिना अनुमति सार्वजनिक भूमि पर कब्जे का प्रयास करने वालों के खिलाफ नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी।

सीकरी के बवाल ने खोला पुराने विवादों का पिटारा, फैजगंज से ढोरनपुर तक प्रतिमा को लेकर पहले भी बिगड़े हालात

जागरण मोर्चा कार्यालय

आसफपुर। सीकरी गांव में डॉ. भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा को लेकर मंगलवार को हुए विवाद ने इलाके में पहले सामने आ चुके ऐसे मामलों की याद ताजा कर दी है। सरकारी अथवा ग्राम समाज की जमीन पर प्रतिमा स्थापित करने को लेकर फैजगंज के मितरौली रोड और ढोरनपुर में पहले भी विवाद हो चुके हैं। दोनों मामलों में स्थिति बिगड़ने के बाद पुलिस-प्रशासन को मोर्चा संभालना पड़ा था। सीकरी की ताजा घटना के बीच पुराने घटनाक्रमों का यह इतिहास अब एक बार फिर चर्चा में है।

आरोपियों को जेल भेजती फैजगंज बेहटा थाना पुलिस। –जागरण मोर्चा

वर्तमान मामले में पुलिस के अनुसार ग्राम समाज की सुरक्षित श्रेणी की भूमि पर बिना अनुमति प्रतिमा स्थापित किए जाने के प्रयास की सूचना मिली थी। इसके बाद मौके पर पुलिस और प्रशासन पहुंचा था। बाद में प्रतिमा को लेकर विवाद बढ़ा और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर एकत्र हो गए। ग्रामीण तत्काल नई प्रतिमा स्थापित कराने की मांग पर अड़ गए। स्थिति को देखते हुए कई थानों की पुलिस और पीएसी तैनात करनी पड़ी।

सोशल मीडिया पर वीडियो ने बढ़ाई हलचल : सीकरी प्रकरण के बीच सोशल मीडिया पर भीम आर्मी नेता अनमोल सागर का एक वीडियो प्रसारित होने से मामला और चर्चा में आ गया। वीडियो में पुलिस-प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाए गए हैं। वीडियो को लेकर पुलिस-प्रशासन की ओर से निगरानी बढ़ाई गई है। अधिकारियों ने लोगों से अपील की है कि सोशल मीडिया पर प्रसारित किसी भी अपुष्ट अथवा भड़काऊ सामग्री पर भरोसा न करें।

अनमोल सागर का नाम क्षेत्र में सामने आए कुछ पुराने विवादों के दौरान भी चर्चा में रहा है। हालांकि, किसी व्यक्ति की भूमिका को लेकर निष्कर्ष संबंधित मामले की जांच, मुकदमे और पुलिस अभिलेखों के आधार पर ही निकाला जा सकता है।

फ्लैशबैक : मितरौली रोड पर पथराव में घायल हुए थे अधिकारी : करीब चार-पांच वर्ष पहले फैजगंज कस्बे के वार्ड-2 स्थित मितरौली रोड पर प्रतिमा स्थापित करने को लेकर विवाद ने हिंसक रूप ले लिया था। वर्ष 2021-22 में नगर पंचायत की खलिहान की जमीन पर बिना अनुमति प्रतिमा स्थापित करने का प्रयास किए जाने की सूचना पर प्रशासनिक टीम मौके पर पहुंची थी। प्रतिमा स्थापना रोकने पहुंची टीम का भीड़ ने विरोध किया और देखते ही देखते पथराव शुरू हो गया था। पथराव में तत्कालीन अधिशासी अधिकारी संदीप और अजय चाहर गंभीर रूप से घायल हुए थे। घटना के बाद पुलिस ने मामले में 50-60 नामजद और करीब 100 अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया था। उस समय भी प्रशासन के सामने सबसे बड़ी चुनौती सरकारी जमीन पर बिना अनुमति प्रतिमा स्थापित करने के प्रयास को रोकना और भीड़ को नियंत्रित करना थी। घटना के बाद इलाके में पुलिस बल तैनात कर स्थिति को संभाला गया था।

ढोरनपुर में प्रतिमा खंडित होने की सूचना पर मचा था बवाल : फैजगंज क्षेत्र के ढोरनपुर गांव में भी ग्राम समाज की जमीन पर प्रतिमा को लेकर विवाद हो चुका है। प्रतिमा खंडित किए जाने की सूचना के बाद गांव में बड़ी संख्या में लोग जुट गए थे। देखते ही देखते मामला तनावपूर्ण हो गया था और पुलिस को कानून-व्यवस्था संभालने के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ी थी। उस दौरान भी पुलिस-प्रशासन ने लोगों को समझाकर स्थिति नियंत्रित करने का प्रयास किया था। अब सीकरी की घटना के बाद ढोरनपुर का पुराना मामला भी चर्चा में है। खास बात यह है कि दोनों घटनाओं में ग्राम समाज की जमीन और प्रतिमा को लेकर विवाद सामने आया था।

दुनपुर में मोहर्रम से पहले पुलिस को दी गई थी चुनौती : फैजगंज बेहटा थाना क्षेत्र के दुनपुर गांव में मोहर्रम जुलूस से पहले ताजियों के रास्ते से बिजली के तार हटाने को लेकर दो पक्षों के बीच तनाव की स्थिति बनी थी। उस दौरान मौके पर मौजूद अनमोल सागर और तत्कालीन थाना प्रभारी सुभाष कुमार के बीच तीखी बहस का मामला सामने आया था। सोशल मीडिया पर प्रसारित वीडियो में पुलिस को चुनौती देने संबंधी बयान भी सामने आए थे। इस घटनाक्रम को लेकर भी पुलिस और प्रशासन को स्थिति संभालने में काफी प्रयास करना पड़ा था।

जुआरियों को छुड़ाने के आरोप में भी थाने पहुंचने की चर्चा : हाल के दिनों में फैजगंज बेहटा पुलिस की ओर से जुआ खेलने के आरोप में कुछ लोगों को पकड़े जाने के बाद उन्हें छुड़ाने के लिए थाने पहुंचकर हंगामा करने का आरोप भी अनमोल सागर पर लगाया गया था। पुलिस पर दबाव बनाने और पुलिसकर्मियों पर आरोप लगाने की बात भी सामने आई थी। हालांकि, इस घटनाक्रम से संबंधित आरोपों की पुष्टि आधिकारिक पुलिस रिकॉर्ड के आधार पर ही मानी जाएगी।

पुराने मामलों से सीकरी में बढ़ी पुलिस की सतर्कता : सीकरी की वर्तमान घटना और क्षेत्र में पहले हो चुके विवादों को देखते हुए पुलिस-प्रशासन अतिरिक्त सतर्कता बरत रहा है। गांव में कई थानों की पुलिस के साथ पीएसी तैनात है। अधिकारी लगातार ग्रामीणों से बातचीत कर रहे हैं और सोशल मीडिया पर प्रसारित सामग्री पर भी नजर रखी जा रही है।

पूजा-अर्चना | हर-हर महादेव, जय शिव शंकर और जय शिव शंभू के जयकारों से गुंजायमान रहा मंदिर परिसर

लिंगेश्वर नाथ महादेव का रुद्राभिषेक कर हुआ घट विसर्जन

जागरण मोर्चा कार्यालय

बदायूं। मढ़ई चौक स्थित चाहमीर मोहल्ले के लिंगेश्वर नाथ महादेव एवं दक्षिणमुखी हनुमान मंदिर में बुधवार को भगवान लिंगेश्वर नाथ महादेव का घट विसर्जन कार्यक्रम विधि-विधान से हवन-पूजन और रुद्राभिषेक के साथ संपन्न हुआ। इस दौरान मंदिर परिसर हर-हर महादेव, जय शिव शंकर और जय शिव शंभू के जयकारों से गुंजायमान रहा।

घट विसर्जन से पूर्व मंदिर के महंत पंडित धनीराम शर्मा ने श्रद्धालुओं की मौजूदगी में भगवान भोलेनाथ का रुद्राभिषेक कराया। इसके बाद विधि-विधान से हवन एवं पूजन संपन्न कराया गया। श्रद्धालुओं ने भगवान शिव से सुख-समृद्धि और परिवार की खुशहाली की कामना की।

हवन पूजन करते श्रद्धालु। –जागरण मोर्चा

घाट पूजन के समय मौजूद शिव भक्त। –जागरण मोर्चा

महंत पंडित धनीराम शर्मा ने बताया कि चैत्र कृष्ण पक्ष त्रयोदशी को भगवान शिव के शिवलिंग के ऊपर घट स्थापित किया जाता है। श्रावण मास के शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी को विधि-विधान से घट विसर्जन किया जाता है। इस अवसर पर रुद्राभिषेक और हवन-पूजन कर भगवान भोलेनाथ की आराधना की जाती है। मान्यता है कि रुद्राभिषेक से भगवान शिव प्रसन्न होकर भक्तों पर अपनी कृपा बरसाते हैं और जीवन में सुख-समृद्धि प्रदान करते हैं।

रुद्राभिषेक के मुख्य यजमान संजय रस्तोगी, रजनी रस्तोगी, रवि रस्तोगी, प्रिया रस्तोगी, तनिष्का, गौरी, आद्या और लव रस्तोगी रहे। हवन, पूजन और रुद्राभिषेक के बाद श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया।

इस मौके पर राजकुमार सिंह सेंगर, प्रियांशु मिश्रा, राजकुमार मौर्य, राधेश्याम, बबलू, रितेश, अमित, अमन रस्तोगी, दिनेश कुमार शर्मा, अनिल वर्मा, मनन, शिवांश, राकेश, छोटू सक्सेना समेत बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

राजा की सीकरी: जंगल से बसी बस्ती तक, राजा ईश्वरी सिंह की विरासत की कहानी

पुनीत सिंह, जागरण मोर्चा कार्यालय

ओरछी। बदायूं जिले की बिसौली तहसील के आसफपुर ब्लॉक में स्थित राजा की सीकरी गांव की पहचान केवल एक ग्रामीण बस्ती के रूप में नहीं, बल्कि स्थानीय इतिहास और राजघराने की विरासत से भी जुड़ी हुई है। स्थानीय लोगों के अनुसार गांव का नाम राजा ईश्वरी सिंह के नाम और उनके यहां बसाई गई बस्ती से जुड़ा है।

बताया जाता है कि वर्षों पहले राजा की सीकरी और इसके आसपास का इलाका घने जंगल से घिरा हुआ था। राजा ईश्वरी सिंह इस क्षेत्र में शिकार खेलने आते थे। प्राकृतिक वातावरण पसंद आने के बाद उन्होंने यहां बस्ती बसाई। राजा के नाम से ही यह स्थान आगे चलकर 'राजा की सीकरी' कहलाने लगा।

यह है राजा की तीसरी पीढ़ी। –जागरण मोर्चा

स्थानीय मान्यताओं के मुताबिक राजा ईश्वरी सिंह प्रभावशाली राजपूत राजा और बड़े जमींदार थे। उनके पास करीब 1800 बीघा कृषि और वन भूमि होने की बात कही जाती है। उस दौर में बिसौली रोहिलखंड का महत्वपूर्ण केंद्र था। नवाब दुंदे खान ने बिसौली को अपना प्रमुख केंद्र बनाया और यहां किला तथा जामा मस्जिद का निर्माण कराया था। रोहिल्ला पठानों, अवध के नवाब और ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी के बीच राजनीतिक संघर्ष के दौर में राजा ईश्वरी सिंह ने अपनी भूमि और स्थानीय प्रभाव को बचाए रखने के लिए संघर्ष किया।

स्थानीय इतिहास से जुड़े लोगों का कहना है कि चंदौसी के सीकरी गेट का नाम भी राजा ईश्वरी सिंह के दौर से जुड़ा माना जाता है। उस समय हाथी, घोड़े और रथों से आने वाले लोग वहां ठहरते थे। इसी वजह से वह स्थान सीकरी गेट के नाम से प्रसिद्ध हुआ, जो आज भी इसी नाम से जाना जाता है।

सीलिंग में चली गई 750 बीघा जमीन : जमींदारी उन्मूलन और भूमि सीलिंग के दौर में राजा परिवार की जमीन का बड़ा हिस्सा चला गया। स्थानीय जानकारी के अनुसार करीब 1800 बीघा में से लगभग 750 बीघा जमीन सीलिंग में चली गई। इस जमीन के बड़े हिस्से पर सीकरी गांव के अनुसूचित जाति समाज के परिवारों को पट्टे मिलने की बात कही जाती है। इनमें जाटव समाज के परिवारों की संख्या अधिक बताई जाती है।

जुलूस के दौरान जिला काजी का पुरजोर स्वागत करते समुदाय के लोग।

डीजे पर नारे लगाते हुए बच्चे। -जागरण मोर्चा

जुलूस का स्वागत करने को अपने दरवाजे पर खड़े नन्हे मुन्ने बच्चे। -जागरण मोर्चा

बदायूं में शान-ओ-शौकत से निकला जुलूस-ए-मोहम्मदी: उमड़ा जनसैलाब, 'आका की आमद मरहबा' के नारों से गुंजायमान हुआ शहर

प्रशासन की कड़ी निगरानी के बीच अकीदत और एहतराम के साथ मनाया गया जश्न-ए-ईद-मिलादुन्नबी; शहर काज़ी आतिफ़ मियाँ क़ादरी ने दिया अमन

जागरण मोर्चा कार्यालय

बदायूं। पैगंबर-ए-इस्लाम हज़रत मोहम्मद साहब के यौम-ए-पैदाइश (ईद-मिलादुन्नबी) के मुबारक मौके पर शहर में जुलूस-ए-मोहम्मदी पारंपरिक श्रद्धा, अकीदत और बेमिसाल शान-ओ-शौकत के साथ निकाला गया। जुलूस के दौरान अकीदतमंदों का ऐसा जनसैलाब उमड़ा कि शहर के मुख्य मार्ग लोगों की मौजूदगी से पूरी तरह पट गए।

जुलूस में शामिल बच्चों और युवाओं के चेहरे पर खुशी साफ झलक रही थी। हाथों में इस्लामिक परचम (झंडे) थामे बच्चों ने 'आका की आमद मरहबा', 'सरकार की आमद मरहबा' और 'मर्हबा या मुस्तफा' के बुलंद नारे लगाए, जिससे पूरा माहौल रूहानी और खुशनुमा हो गया। जुलूस के रास्ते में जगह-जगह लंगर, शरबत और मिष्ठान का वितरण कर लोगों का स्वागत किया गया।

जुलूस ए मोहम्मदी में उमड़ा जन सैलाब। -जागरण मोर्चा

शहर काज़ी आतिफ़ मियाँ क़ादरी की तक़रीर : जुलूस के दौरान आयोजित दीनी जलसे को संबोधित करते हुए शहर काज़ी आतिफ़ मियाँ क़ादरी ने अपनी तक़रीर में पैगंबर साहब की तालीमात पर रोशनी डाली। उन्होंने कहा कि हज़रत मोहम्मद साहब ने पूरी दुनिया को इंसानियत, मोहब्बत, भाईचारे और अमन का पैगाम दिया है। हमें उनके बताए रास्ते पर चलते हुए मुल्क में खुशहाली और आपसी सौहार्द को बढ़ावा देना चाहिए।" काज़ी साहब की तक़रीर के दौरान समूचा पंडाल और जुलूस प्रांगण तकबीरों और नारों की गूँज से सराबोर हो उठा। कार्यक्रम को शांतिपूर्ण और सुरक्षित माहौल में संपन्न कराने के लिए बदायूं पुलिस व प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड पर रहा।

सुरक्षा के कड़े इंतजाम: संवेदनशील इलाकों और जुलूस के पूरे मार्ग पर भारी पुलिस बल, पीएसी और एलआईयू की टीमें तैनात रहीं।

अधिकारियों की निगरानी: जिलाधिकारी और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक खुद स्थिति पर नज़र बनाए रहे।

ड्रोन व सीसीटीवी से नज़र: भीड़ को नियंत्रित करने और असामाजिक तत्वों पर पैनी नज़र रखने के लिए प्रमुख चौराहों पर सीसीटीवी और ड्रोन कैमरों का सहारा लिया गया। प्रशासनिक मुस्तैदी और स्थानीय लोगों के सहयोग के चलते जुलूस-ए-मोहम्मदी पूरे अमन-ओ-अमान और अकीदत के साथ संपन्न हुआ।

संक्षेप समाचार

जुलूस-ए-मुहम्मदी का कैम्प लगाकर किया इस्तकबाल

जुलूस ए मोहम्मदी का स्वागत करने को कैंप में बैठे समुदाय के संभ्रांत लोग।

बदायूं। ईद-ए-मिलाद-उन-नबी के मौके पर शहर में निकाले गए जुलूस-ए-मुहम्मदी का शकील रोड स्थित इकराम मंजिल पर कैम्प लगाकर इस्तकबाल किया गया। पूर्व डीजीसी अनवर आलम एडवोकेट और अमन आलम एडवोकेट, सुप्रीम कोर्ट ऑफ इंडिया की ओर से हर वर्ष की तरह इस बार भी स्वागत शिविर लगाया गया। कैम्प पर मौलाना काजी अताउर समीदी, हजरत शाह अनवर अहमद और अमन आलम ने परचम उठाकर जुलूस की अगुवाई की। इसके बाद जुलूस की सदारत कर रहे काजी-ए-जिला हजरत मौलाना अतीक मियां कादरी, साहिबे सज्जादा आस्ताना आलिया कादरिया का गुलपोशी कर स्वागत किया गया। इस दौरान जुलूस में शामिल अकीदतमंदों के लिए सबील-ए-मुहम्मदी का भी आयोजन किया गया। इस मौके पर मोहतशिम सिद्दीकी, सलीम असगर, मास्टर अनवर नजर, जमील अहमद सिद्दीकी, डॉ. एहसान रजा, डॉ. आबिदी, फहीम हैदर, मोहम्मद नईम, अशरफ हुसैन, सरफराज सिद्दीकी समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

सफेद कुर्ता-पायजामा पहनकर बने नेता, रंगदारी के आरोप में तीनों जेल गए

बदायूं। शहर में खुद को नेता बताकर पुलिस अधिकारियों और राजनीतिक नेताओं के साथ फोटो खिंचवाकर रौब गांठने वाले तीन आरोपियों को पुलिस ने रंगदारी वसूली के मामले में गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। एक अन्य आरोपी की तलाश में पुलिस दबिश दे रही है। पुलिस के मुताबिक अमन मयंक शर्मा अपने साथियों अजय, अंकुर और शिवकांत समेत चार लोग भाजपा के कार्यक्रमों में सक्रिय नजर आते थे। वे पुलिस अधिकारियों और नेताओं के साथ फोटो खिंचवाकर उन्हें सोशल मीडिया पर वायरल करते थे। आरोप है कि इन तस्वीरों के आधार पर वे क्षेत्र में लोगों पर प्रभाव जमाते थे और अधिकारियों के नाम पर रुपये वसूलते थे। बताया गया कि आरोपी अक्सर पुलिस अधिकारियों के साथ बैठकर चाय पीते और तस्वीरें खिंचवाते थे। इसी का हवाला देकर लोगों पर रौब दिखाने की शिकायतें भी सामने आईं। रंगदारी वसूली के मामले में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के बाद उन्हें जेल भेज दिया गया, जबकि चौथे आरोपी की तलाश जारी है। पुलिस की कार्रवाई के बाद उन नेताओं और अन्य लोगों ने भी आरोपियों से दूरी बना ली है, जिनके साथ वे अक्सर तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा करते थे।

जुलूस-ए-मुहम्मदी का पूर्व मंत्री आबिद रजा ने कैंप लगाकर किया इस्तकबाल

जिला काजी का स्वागत करते पूर्व मंत्री आबिद राजा व सपा सांसद आदित्य यादव।

जुलूस ए मोहम्मदी में शामिल पूर्व मंत्री आबिद रजा व सपा सांसद आदित्य यादव।

जागरण मोर्चा कार्यालय

बदायूं। जुलूस-ए-मुहम्मदी के अवसर पर बुधवार को पूर्व मंत्री आबिद रजा ने हर साल की तरह इस बार भी हजरत शाह विलायत गेट के पास कैंप लगाकर जुलूस का इस्तकबाल किया। कार्यक्रम में बदायूं सांसद आदित्य यादव मुख्य अतिथि के तौर पर मौजूद रहे। इस दौरान आबिद रजा और सांसद आदित्य यादव ने जुलूस में शामिल लोगों का स्वागत किया और धार्मिक गुरुओं को फूल-मालाएं व गुलदस्ते भेंट किए।

जुलूस के दौरान आगे चल रहे परचम को सांसद आदित्य यादव और पूर्व मंत्री आबिद रजा ने थामकर लहराया। जिला काजी हजरत अतीफ मियां साहब और हजरत अज्जाम मियां साहब का भी दोनों नेताओं ने फूलों की माला पहनाकर और गुलदस्ता भेंट कर स्वागत किया।

पूर्व मंत्री आबिद रजा करीब 20 वर्षों से हजरत शाह विलायत गेट पर कैंप लगाकर जुलूस-ए-मुहम्मदी का इस्तकबाल करते आ रहे हैं। इस बार भी कैंप में जुलूस में शामिल लोगों के लिए शरबत का इंतजाम किया गया। जुलूस मार्ग पर कालीन बिछाई गई, जिससे लोगों को आवागमन में सुविधा रही।

वहीं आबिद रजा समर्थकों की ओर से जुलूस के मार्ग पर बड़ी संख्या में होर्डिंग और बैनर लगाए गए थे। पूरे मार्ग पर लगे होर्डिंग-बैनर लोगों के बीच चर्चा का विषय बने रहे।

कैंप में सभासद अनवर खां, छोटा मेंबर, अबरार मेंबर, नवेद मेंबर, मुशाहिद मेंबर, जवाहर सिंह यादव पूर्व डीजीसी, ओमवीर सिंह यादव, साजिद नेताजी, हारून मेंबर, माजिद मेंबर, फरहत अली, शशांक यादव, सफीर अहमद, अतुल पटेल, हर्षित यादव, त्यागी सिंह राजपूत, परवेज उर्फ छोटू, रिजवान बब्लू, अफसर खां, कौसर खां, मास्टर असरार, फहीम, मिंटू समेत सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

शांति पूर्ण तरीके से संपन्न हुआ जुलूस-ए-मोहम्मदी

सैदपुर में जुलूस ए मोहम्मदी में शामिल लोग। -जागरण मोर्चा

पुलिस बल के साथ कस्बे में निकलता हुआ जुलूस ए मोहम्मदी। -जागरण मोर्चा

जागरण मोर्चा कार्यालय

सैदपुर। कस्बा में जुलूस-ए मोहम्मदी शानो शौकत अदब और एहतराम व पुखुलुस माहौल के साथ मुहल्ला कुरेशियान नूरी चौक से अंजुमन रज़ा ए मुस्तफा के सदर जाहिद हुसैन कुरैशी की सरपरस्ती में सुबह 10 बजे उनके आवास से परचम निकाला गया और जुलूस का आगाज हुआ। इस बार जुलूस में बेहतर व्यवस्था बनाने के लिए वॉलिंटियर व पुलिस का सहयोग लिया गया। जगह-जगह लोगों ने जुलूस में शामिल लोगों पर फूल बरसा कर स्वागत किया और लंगर तस्कीम किया। जुलूस कस्बा के खांची, पूरब, गिरधरपुर, जामा मस्जिद, कौआ टोला, बजरिया, खेड़ा होता हुआ बगरैन रोड पहुंचा। यहां उलेमाओं ने तकरीर पेश की। जौहर की नमाज अदा कर जुलूस हाईवे पर होता हुआ शाम को नूरी चौक पर पहुंचा।

यहां सलातो सलाम के बाद कौम व मुल्क की खुशहाली के लिए दुआ की। इस मौके पर ईदगाह के पूर्व इमाम शाने आलम खां, मुफ्ती शारिक अजहरी, मौलाना राहिल रज़ा, हाफिज ताहिर कुरैशी ईदगाह के इमाम सय्यद मुफ्ती वाकिफ अली चेयरमैन इशरत अली खां, भाजपा नेता विकार अहमद खां भी मौजूद रहे। इस बार जुलूस में डीजे और साउंड सिस्टम पर पूरी तरह पाबंदी रही। जुलूस में तहसीलदार सुरेंद्र कुमार, कानूनगो सर्वेश यादव, इंस्पेक्टर अश्विनी कुमार, हल्का इंचार्ज उम्मेद सिंह पोसवाल नजर बनाए रहे। जुलूस के दौरान सदर जाहिद हुसैन की बिगड़ी तबियत सैदपुर। जुलूस की सदारत कर रहे अंजुमन के सदर जाहिद हुसैन कुरैशी की अचानक तबियत बिगड़ गई। सांस लेने में दिक्कत होने पर भी उन्होंने जुलूस की सदारत की। इस दौरान अंजुमन नायब सदर व उनके बेटे शाहिद हुसैन ने जुलूस की व्यवस्थाएं संभाली। इस जज़्बे को देखते हुए सभी ने उनकी सराहना की। अंत में सदर ने सभी का आभार व्यक्त किया।

बिसौली में धूमधाम से निकला जुलूस-ए-मोहम्मदी, जगह-जगह हुआ स्वागत

जागरण मोर्चा कार्यालय

बिसौली। ईद मिलादुन्नबी के मौके पर बुधवार को नगर में जुलूस-ए-मोहम्मदी का भव्य आयोजन किया गया। जुलूस में मक्का-मदीना की आकर्षक झांकी और छोटे-छोटे बच्चों की प्रस्तुतियां लोगों के बीच आकर्षण का केंद्र रहीं। जगह-जगह लोगों ने फूल बरसाकर जुलूस का स्वागत किया। पूरे रास्ते नात-ए-पाक, दरूद-ओ-सलाम और नारों से वातावरण गूंजता रहा।

नगर की बड़ी मस्जिद से जुलूस-ए-मोहम्मदी की शुरुआत नगर पालिका अध्यक्ष अबरार अहमद, बड़ी मस्जिद के इमाम कारी मो. अतीक उल कादरी बरकाती, हाफिज शरीफ जामी, मौलाना अफलाक रजा उवैसी, हाफिज शादाब रजा उवैसी और बड़ी मस्जिद के सदर मुन्ने खां ने हरी झंडी दिखाकर की। नगर के अलग-अलग स्थानों से निकले जुलूस बड़ी मस्जिद के पास एकत्र हुए। इसके बाद सभी जुलूस एक साथ विशाल जुलूस के रूप में नगर के प्रमुख मार्गों से होकर रवाना हुए।

जुलूस में शामिल अकीदतमंदों ने अदब और एहतराम के साथ हुजूर नबी-ए-करीम सल्लल्लाहु

बिसौली कस्बे में निकलता जुलूस ए मोहम्मदी। -जागरण मोर्चा

- **मक्का-मदीना की झांकी और बच्चों की प्रस्तुतियां रहीं आकर्षण का केंद्र**
- **पुलिस-प्रशासन की निगरानी में शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ आयोजन**

अलैहि वसल्लम की शान में नात शरीफ के नजराने पेश किए। इस दौरान 'सरकार की आमद मरहबा' और 'हुजूर की आमद मरहबा' के नारों से पूरा नगर गूंज उठा। रास्ते में जगह-जगह फातिहाख्वानी, लंगर और सबील के इंतजाम किए गए थे। लोगों ने जुलूस पर फूलों की बारिश कर स्वागत किया।

जुलूस बड़ी मस्जिद से मोहल्ला सराय, रामबाबू की दुकान, पठान मोहल्ला, मालियों वाली गली, वीर बाबू की बगिया, ईदगाह रोड और टंकी रोड होते हुए गदरपुर पहुंचा। इसके बाद जुलूस अपने परंपरागत रास्तों से होता हुआ वापस बड़ी मस्जिद पहुंचा। पूरे जुलूस के दौरान रूहानी और नूरानी माहौल बना रहा।

आयोजन के दौरान क्षेत्र में आपसी भाईचारे और सौहार्द की मिसाल देखने को मिली। पुलिस एवं प्रशासन की कड़ी निगरानी के बीच जुलूस शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ।

इस दौरान मदरसे के प्रिंसिपल कारी मो. इफ्तेखार अशरफी, मौलाना रफीक खां, हाफिज मजहर खान, मदरसे के सदर इरशाद खां, बाजिद खान, मशहूद खां हमदम, काजी शाहनवाज खान, सपा के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व प्रदेश कोऑर्डिनेटर सतीश प्रेमी, विधानसभा अध्यक्ष सुरेंद्र पाल सिंह यादव, युवा समाजसेवी राशिद मंसूरी, जाकिर खान, भूरा कुरैशी आदि मौजूद रहे।

पहले शांति भंग की कार्रवाई कर छोड़ा शाम को रंगदारी गैंग का साथी पाया गया

जागरण मोर्चा कार्यालय

बदायूं। बलात्कार के झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी देकर 1.40 लाख रुपये की रंगदारी वसूलने के मामले में सिविल लाइंस पुलिस ने बुधवार को मूसाझाग क्षेत्र के महरौली गांव निवासी शिवकांत शर्मा को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। पुलिस ने उसके कब्जे से 5,100 रुपये बरामद करने का दावा किया है। इस मामले में पुलिस अब तक तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है, जबकि एक नामजद आरोपी अभी फरार है।

कुंवरगांव थाना क्षेत्र के कैली गांव निवासी संतोष कुमार पाल ने 25 अगस्त को सिविल लाइंस थाने में तहरीर देकर अजय शर्मा, अंकुर उपाध्याय और अमन मयंक शर्मा के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था। आरोप है कि आरोपियों ने बलात्कार के झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी देकर उससे 1.40 लाख रुपये लिए थे। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर अमन व अजय को मंगलवार को जेल भेज दिया।

बताया जा रहा है कि मामले में चार लोगों को हिरासत में लिया गया था। इनमें से दो आरोपियों को रिपोर्ट दर्ज होने के बाद मंगलवार को जेल भेज दिया गया, जबकि एक के खिलाफ पहले शांति भंग की कार्रवाई की गई और दूसरे को थाने से छोड़ दिया गया था। बाद में मामले की जांच में शिवकांत शर्मा का नाम प्रकाश में आने पर पुलिस ने उसे भी आरोपी बना दिया। सिविल लाइंस पुलिस के अनुसार बुधवार को शिवकांत शर्मा को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। पुलिस की गिरफ्तारी टीम में निरीक्षक सुपेंद्र मलिक समेत पुलिसकर्मी शामिल रहे।

पत्नी से विवाद के बाद टेंपो चालक ने फांसी लगाकर दी जान

बदायूं। जरीफनगर थाना क्षेत्र के कस्बा जरीफनगर निवासी 28 वर्षीय सतीश पुत्र पप्पू नोएडा के सेक्टर-73 में किराए के मकान में पत्नी और बच्चों के साथ रहकर टेंपो चलाता था। वह टेंपो चलाकर अपने परिवार का पालन-पोषण कर रहा था। मंगलवार को नोएडा में सतीश का पत्नी राखी से किसी बात को लेकर विवाद हो गया। विवाद के बाद सतीश काफी परेशान हो गया। बताया जा रहा है कि इसी से क्षुब्ध होकर सतीश ने किराए के कमरे में फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की जानकारी मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। परिजन नोएडा पहुंचे और शव को अपने साथ जरीफनगर ले आए। इसके बाद पुलिस को घटना की सूचना दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। युवक की मौत से

गुसलखाने में घुसकर किशोर पर छेड़खानी का आरोप, महिला ने पुलिस को दी तहरीर

जागरण मोर्चा कार्यालय

बिसौली। कोतवाली बिसौली क्षेत्र के एक गांव में 65 वर्षीय विधवा महिला ने नहाते समय गुसलखाने में घुसकर एक किशोर पर छेड़खानी और जबरदस्ती करने का प्रयास करने का आरोप लगाया है। महिला ने अपने बेटों के घर पहुंचने के बाद कोतवाली पुलिस को शिकायती पत्र देकर कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने अभी तक मामले में रिपोर्ट दर्ज नहीं की है।

महिला के मुताबिक, 21 अगस्त की सुबह करीब 11 बजे वह अपने घर में बने गुसलखाने में स्नान कर रही थी। गुसलखाने में दरवाजा नहीं लगा है। आरोप है कि इसी दौरान गांव का 17 वर्षीय किशोर वहां पहुंच गया और उसके साथ अश्लील हरकतें करने लगा। महिला के शोर मचाने पर किशोर वहां से भाग गया। महिला ने किशोर पर उसकी इज्जत लूटने का प्रयास करने का भी आरोप लगाया है।

महिला ने बताया कि उसके पांच बेटे हैं, जो अलग-अलग शहरों और प्रदेशों में परिवार के साथ मेहनत-मजदूरी करते हैं। इस वजह से वह घर पर अकेली रहती है। घटना के बाद उसने फोन पर बेटों को जानकारी दी। बेटों के घर पहुंचने के बाद महिला उनके साथ कोतवाली पहुंची और पुलिस को शिकायती पत्र सौंपकर कार्रवाई की मांग की। वहीं, घटना को लेकर गांव में भी चर्चा है। ग्रामीणों का कहना है कि किशोरों में मोबाइल फोन पर अश्लील सामग्री देखने की प्रवृत्ति बढ़ रही है, जिसका असर उनके व्यवहार पर पड़ सकता है। हालांकि, इस संबंध में पुलिस की ओर से कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है।

छत से गिरकर किसान की दर्दनाक मौत, परिवार में मचा कोहराम

मृतक बालकराम। -जागरण मोर्चा

जागरण मोर्चा कार्यालय

बदायूं। कुंवरगांव थाना क्षेत्र के नंदगांव में बुधवार देर रात छत से गिरकर 40 वर्षीय किसान बालकराम की दर्दनाक मौत हो गई। हादसे की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

नंदगांव निवासी बालकराम पुत्र दोदीराम रात में खाना खाने के बाद घर की छत पर सो रहा था। देर रात वह लघुशंका के लिए उठा। इसी दौरान अचानक उसका पैर फिसल गया और वह छत से नीचे गली में बने खड़ंजे पर जा गिरा। सिर और शरीर में गंभीर चोट लगने के कारण उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे की जानकारी मिलते ही परिजन और आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। घटना की सूचना पुलिस को दी गई। पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच-पड़ताल की और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। अचानक हुए हादसे में किसान की मौत से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

जागरण मोर्चा
www.jagranmorcha.com

लखनऊ, गुरुवार, 27 अगस्त 2026

एक नजर

नगर निगम बोर्ड तत्काल भंग हो -अर्चना कटारिया

शाहजहांपुर। नगर निगम के पार्षदों द्वारा गंगाजल हाथ में लेकर शपथ लिए जाने से जुड़े वायरल वीडियो को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। वीडियो के अंत में मां के लिए की गई कथित अभद्र टिप्पणी को लेकर महिला कांग्रेस की जिलाध्यक्ष अर्चना कटारिया ने कड़ी नाराजगी जताई है। अर्चना कटारिया ने कहा कि वीडियो में नगर निगम में भ्रष्टाचार को लेकर की गई टिप्पणी और कथित तौर पर भ्रष्टाचार की रकम को 60 वार्डों में बांटने की बात गंभीर सवाल खड़े करती है। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार जैसे गंभीर आरोपों की निष्पक्ष जांच कराई जानी चाहिए, ताकि सच्चाई सामने आ सके। उन्होंने सरकार से मांग की कि पूरे प्रकरण की उच्चस्तरीय जांच कराई जाए। साथ ही नगर निगम बोर्ड शाहजहांपुर को तत्काल प्रभाव से भंग किया जाए। जांच में जो भी दोषी पाए जाएं, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए।

शिक्षकों के सम्मान के लिए हर संघर्ष को तैयार शिक्षक संघ

निरीक्षण का उद्देश्य व्यवस्था में सुधार होना चाहिए उत्पीड़न नहीं- मुनीश

जागरण मोर्चा कार्यालय

शिक्षकों की बैठक संबोधित करते जिला अध्यक्ष। -जागरण मोर्चा

शाहजहांपुर। शिक्षक केवल विद्यालय में बच्चों को पढ़ाने वाला नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र की नई पीढ़ी को गढ़ने वाला शिल्पकार है। ऐसे में उसके कार्यों का मूल्यांकन भय या उत्पीड़न के माहौल में नहीं, बल्कि सम्मान, विश्वास और सुधारात्मक दृष्टिकोण के साथ होना चाहिए। शिक्षकों के सम्मान और अधिकारों के लिए उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ पूरी मजबूती से उनके साथ खड़ा है। यह बात शिक्षक भवन में आयोजित संघ की आवश्यक बैठक में जिला अध्यक्ष मुनीश मिश्र ने कही। उन्होंने कहा कि विद्यालयों का निरीक्षण शिक्षकों को टारगेट बनाकर केवल कमियां खोजने की मानसिकता से नहीं होना चाहिए। निरीक्षण का उद्देश्य विद्यालयों में सुधार, शिक्षकों को मार्गदर्शन और बेहतर कार्य के लिए प्रेरित करना होना चाहिए। उन्होंने कहा कि सरकार परिषदीय विद्यालयों का कायाकल्प कराकर उनमें निजी विद्यालयों की तर्ज पर सुविधाएं उपलब्ध कराने का प्रयास कर रही है। शिक्षक भी पूरी निष्ठा और मेहनत से बच्चों के भविष्य को संवारने में जुटे हैं। मुनीश मिश्र ने कहा कि यदि निरीक्षणकर्ता विद्यालय की समस्याओं का समाधान करने और अच्छे कार्यों की सराहना करने के बजाय केवल कमियां खोजकर शिक्षकों का मानसिक उत्पीड़न करेंगे तो इसे किसी भी स्तर पर स्वीकार नहीं किया जाएगा। कमियां हर व्यक्ति और कार्यालय में हो सकती हैं, लेकिन शिक्षक को डराने के बजाय उसका हाथ पकड़कर आगे बढ़ाने की जरूरत है। उन्होंने चेतावनी दी कि संघ को विवश किया गया तो कमियों को सार्वजनिक करने से भी शिक्षक संघ पीछे नहीं हटेगा। उन्होंने बताया कि शिक्षा जगत में वर्षों तक सेवाएं देकर सेवानिवृत्त हुए शिक्षकों के सम्मान में जनपद मुख्यालय पर शीघ्र सम्मान समारोह आयोजित किया जाएगा। इन शिक्षकों ने अपना जीवन बच्चों के भविष्य को संवारने में लगाया है। उनका सम्मान करना समाज और संगठन दोनों का दायित्व है। जिला मंत्री देवेश बाजपेई ने कहा कि वर्तमान में बरसात का मौसम है और कांवड़ यात्रा समेत कई व्यवहारिक परिस्थितियां बनी रहती हैं। इन्हें ध्यान में रखकर विद्यालयों का निरीक्षण किया जाना चाहिए। विशेष परिस्थिति में किसी शिक्षक के पांच-दस मिनट विलंब से विद्यालय पहुंचने को उत्पीड़न का आधार नहीं बनाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि शिक्षकों को उपस्थिति के लिए जियो टैगिंग फोटो भेजने के लिए बाध्य नहीं किया जाना चाहिए। ऑनलाइन उपस्थिति का विषय शासन स्तर पर विचाराधीन है, इसलिए शिक्षकों की समस्याओं और परिस्थितियों को समझना जरूरी है। बैठक में जिला कोषाध्यक्ष रविन्द्र पाल प्रजापति, जिला मीडिया प्रभारी राजकुमार तिवारी, डॉ. विनय गुप्ता, प्रदीप सिंह, नवेन्दु मिश्रा, अश्विनी अवस्थी, आनंद बाजपेई, आनंद गंगवार, संजय मिश्रा, देवेंद्र सिंह, उत्तर प्रदेश बीटीसी शिक्षक संघ के जिला अध्यक्ष राजकमल आर्य, सत्येंद्र पाल सिंह, सचिन अवस्थी, विनायक मिश्र, नवनीत मिश्र, आदेश अवस्थी, राकेश रोशन, विजयकांत शर्मा, अशोक कुमार, अखिलेश कुमार, अरुण पाल, दाताराम, शेर सिंह, रामशंकर यादव, रिपुदमन सिंह, मुकेश कुमार सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

सवर्ण विरोधी नीतियों का ब्राह्मण समाज करेगा विरोध : केशव

जागरण मोर्चा कार्यालय

ब्राह्मण समाज के वरिष्ठ नेता केशव चंद्र मिश्रा। -जागरण मोर्चा

शाहजहांपुर। ब्राह्मण समाज उत्तर प्रदेश की महत्वपूर्ण बैठक मंगलवार को परशुराम धाम में संरक्षक केशव चंद्र मिश्र की अध्यक्षता में हुई। बैठक में केंद्र की भाजपा सरकार की सवर्ण, विशेषकर ब्राह्मण समाज से जुड़ी नीतियों पर नाराजगी जताते हुए विरोध दर्ज कराया गया। वक्ताओं ने आरक्षण और यूजीसी से जुड़े प्रावधानों को लेकर भी सवाल उठाए। बैठक को संबोधित करते हुए केशव चंद्र मिश्र ने कहा कि ब्राह्मण समाज ने केंद्र और प्रदेश में भाजपा की सरकार बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इसके बावजूद सवर्ण समाज के प्रति कथित दमनकारी नीतियों से समाज में आक्रोश है। उन्होंने कहा कि सवर्ण समाज देश की उन्नति में हमेशा अग्रणी रहा है, लेकिन आज उसे दोयम दर्जे का नागरिक होने का अहसास कराया जा रहा है, जिसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। डॉ. सत्य प्रकाश मिश्र ने कहा कि आरक्षण के कारण प्रतिभाओं के साथ अन्याय हो रहा है। उन्होंने कहा कि प्रतिभाओं के पलायन और आत्महत्या जैसी स्थितियों पर सरकार को गंभीरता से विचार करना चाहिए। डॉ. विजय पाठक ने आरक्षण और यूजीसी के मुद्दे पर सरकार को घेरते हुए कहा कि जातीय राजनीति से समाज में वैमनस्य बढ़ रहा है। उन्होंने सरकार को चेतावनी देते हुए कहा कि समय रहते नीतियों में सुधार किया जाए, अन्यथा ब्राह्मण समाज चाणक्य की भूमिका निभाना भी जानता है। डॉ. केके शुक्ल ने कहा कि ब्राह्मण समाज हमेशा देश और समाज का चिंतक रहा है, लेकिन हर छोटी-बड़ी घटना में ब्राह्मण समाज को दोषी ठहराने की प्रवृत्ति बढ़ रही है। उन्होंने जातीय आरक्षण और यूजीसी से जुड़े प्रावधानों का विरोध करते हुए सरकार से इन पर पुनर्विचार करने की मांग की। राकेश कुमार पांडेय के संचालन में हुई बैठक में ज्ञानेश बाजपेई, रवि मिश्र, असित पाठक, सुमित चतुर्वेदी और हरिशरण बाजपेई समेत अन्य वक्ताओं ने भी विचार रखे। वक्ताओं ने कहा कि यदि सरकार ने सवर्ण समाज से जुड़े मुद्दों पर अपना रुख नहीं बदला तो ब्राह्मण समाज व्यापक आंदोलन करेगा। बैठक में आशु दीक्षित, आशुतोष शुक्ल, आलोक मिश्र, आरेंद्र मिश्र, रवि मिश्र बंटू, डॉ. संजय पाठक, डॉ. राकेश दीक्षित, अशोक मिश्र, सत्यदेव द्विवेदी, संजीव अग्निहोत्री, प्रमोद शुक्ल, प्रमोद मिश्र, मनोज त्रिपाठी, गौरव पांडेय, प्रदीप पांडेय, राम निवास मिश्र, जितेंद्र दीक्षित, रजनीश शुक्ल, निर्विकल्प द्विवेदी, रवि पांडेय, गीता त्रिवेदी, अर्चना तिवारी, संतोष शुक्ल और सावित्री शर्मा समेत बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे। बैठक के अंत में समाज के लोगों ने संकल्प लिया कि यदि केंद्र सरकार ने सवर्ण समाज के प्रति कथित दमनकारी नीतियों में बदलाव नहीं किया तो ब्राह्मण समाज अन्य सवर्ण संगठनों को साथ लेकर व्यापक आंदोलन करेगा।

अधूरे कार्य जल्द पूरे कराएं: सुरेश खन्ना

जागरण मोर्चा कार्यालय

शाहजहांपुर। प्रदेश सरकार के वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने बुधवार को जिलाधिकारी धर्मेंद्र प्रताप सिंह और नगर आयुक्त सौम्या गुरुरानी के साथ ककरा स्थित नगर निगम के नवनिर्मित कार्यालय भवन का निरीक्षण किया। उन्होंने भवन में चल रहे कार्यों और व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए अधूरे कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर तेजी से पूरा कराने के निर्देश दिए। वित्त मंत्री ने नगर निगम के नए भवन में संचालित कार्यालयीन कार्यों की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों से भवन और परिसर में चल रहे विभिन्न कार्यों की स्थिति पूछी। कहा कि जो भी कार्य अभी अधूरे हैं, उन्हें जल्द पूरा कराया जाए, ताकि नगर निगम का कामकाज सुचारु रूप से संचालित हो सके और कर्मचारियों को किसी तरह की परेशानी न हो। उन्होंने कार्यालय परिसर के सौंदर्यीकरण पर भी विशेष जोर दिया। परिसर में पौधारोपण कराने के साथ ही साफ-सफाई की बेहतर व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश दिए। अधिकारियों एवं कर्मचारियों के बैठने के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं भी सुनिश्चित कराने को कहा। सुरेश खन्ना ने कहा कि नगर निगम कार्यालय में आने वाले आमजन को बेहतर सुविधाएं मिलनी चाहिए। कार्यालय परिसर स्वच्छ, सुव्यवस्थित और सुविधाजनक हो, इसके लिए संबंधित अधिकारी नियमित रूप से व्यवस्थाओं की निगरानी करें। निरीक्षण के दौरान अपर नगर आयुक्त अजय कुमार त्रिपाठी समेत संबंधित विभागों के अधिकारी और कार्यदायी संस्था के अभियंता मौजूद रहे।

भाकियू ने किसान पंचायत कर सौंपा ज्ञापन

जागरण मोर्चा कार्यालय

भाकियू ने किसान पंचायत कर सौंपा ज्ञापन। -जागरण मोर्चा

तिलहर शाहजहाँपुर। तिलहर में किसानों की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसमें क्षेत्र के अनेक किसान एवं संगठन के पदाधिकारी शामिल हुए। बैठक में किसान हितों से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक के दौरान फसलों के उचित मूल्य, सिंचाई व्यवस्था, खाद-बीज की उपलब्धता, विद्युत आपूर्ति , ग्राम पंचायत धनेला में तालाब के किनारे रिटनिंग वॉल बनाकर रोड का निर्माण करने के साथ अन्य कृषि संबंधी समस्याओं पर किसानों ने अपने विचार रखे।किसान पंचायत में जिलाधिकारी संबोधित ज्ञापन नायब तहसीलदार डॉ रूबी को सौंपा वही संगठन को मजबूत बनाने की मुहिम में महिपाल सिंह यादव को जिला प्रभारी लखीमपुर तथा प्रवीण यादव को तहसील प्रभारी तिलहर के पद पर तथा संजीव कश्यप को तहसील मीडिया प्रभारी नियुक्त किया गया वही वक्ताओं ने कहा कि किसानों की समस्याओं के समाधान के लिए संगठन की एकजुटता आवश्यक है और संबंधित अधिकारियों तक सभी मांगों को प्रभावी ढंग से पहुंचाया जाएगा। बैठक में उपस्थित किसानों ने संगठन को मजबूत बनाने तथा किसान हितों की रक्षा के लिए एकजुट होकर कार्य करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित लोगों ने किसान हितों के लिए निरंतर संघर्ष करने का भरोसा जताया। इस अवसर पर संस्थापक ओम प्रकाश सिंह,राष्ट्रीय अध्यक्ष पुष्पराज सिंह, नरेंद्र पाल राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, सरदार रविंद्र सिंह प्रदेश उपाध्यक्ष, रविंद्र सिंह मंडल अध्यक्ष बरेली,आदेश यादव मंडल उपाध्यक्ष बरेली,दिनेश यादव जिलाध्यक्ष,रमाकांत जिला प्रभारी ,तहसील अध्यक्ष सियाराम शर्मा,तहसील प्रभारी प्रवीण यादव,तहसील उपाध्यक्ष अनिल कुमार वर्मा,विवेक सिंह युवा जिला प्रभारी,नेत्रपाल मौर्य ,योगेंद्र पाल शाक्य जिला सचिव,बाबूराम ,आदि लोग मौजूद रहे।

रामगंगा के कटान से भरथौली पर मंडराया अस्तित्व का संकट

जागरण मोर्चा कार्यालय

भरथौली गांव में काटन के डर से मकान तोड़ते ग्रामीण। -जागरण मोर्चा

शाहजहांपुर। जलालाबाद भरथौली में रामगंगा नदी के उफान और तीव्र कटान से तटवर्ती गाँव में स्थिति बेहद चिंताजनक और भयावह हो गई है। नदी के तेज बहाव और लगातार हो रहे भूमि कटान के कारण गाँव की जमीन और कई आशियाने नदी में समाते जा रहे हैं

रामगंगा नदी का जलस्तर बढ़ने से गाँव के किनारे लगातार कट रहे हैं। स्थिति इतनी गंभीर हो चुकी है कि 2 से 3 मकान पहले ही कटान की भेंट चढ़कर नदी में समा चुके हैं, जबकि कई अन्य मकानों पर कटान का सीधा खतरा मंडरा रहा है। नदी में मकान समाने के खतरे को देखते हुए ग्रामीण खुद ही अपने पक्के मकानों को तोड़कर ईंटें और कीमती सामान सुरक्षित निकालने को मजबूर हैं

गाँव के निवासियों ने प्रशासन और सिंचाई विभाग के प्रति गहरा असंतोष और निराशा व्यक्त की है। ग्रामीणों का कहना है उपजिलाधिकारी अधिशासी अभियंता और सहायक अभियंता को कटान रोकने और राहत बचाव कार्य के लिए प्रार्थना पत्र दिए थे। प्रशासनिक अधिकारी मौके का जायजा लेकर गए और कुछ कटावरोधक सामग्री भेजी भी गई, लेकिन काम की गति इतनी धीमी है कि जब तक बचाव कार्य पूरा होगा, तब तक हमारा आधा गाँव नदी में विलीन हो जाएगा। गाँव के बुजुर्गों और निवासियों ने एक साथ एकत्र होकर सरकार व उच्च अधिकारियों से जीवन और आशियानों की रक्षा की गुहार लगाई है।

आयोजन

रुद्राभिषेक में उमड़ी भक्ति श्रद्धा और वैदिक संस्कृति

खिरनी बाग में दिखाई दिया श्रद्धा का अनूठा संगम

जागरण मोर्चा कार्यालय

मंचासीन काशी के विद्वान। -जागरण मोर्चा

शाहजहांपुर। खिरनीबाग रामलीला मैदान में चल रही श्री शिव महापुराण कथा के समापन के उपरांत सामूहिक रुद्राभिषेक का भव्य आयोजन किया गया। भगवान शिव की आराधना के लिए आयोजित इस धार्मिक अनुष्ठान में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने सहभागिता की और विधि-विधान के साथ भगवान भोलेनाथ का अभिषेक कर सुख-समृद्धि एवं लोककल्याण की कामना की।सामूहिक रुद्राभिषेक के लिए विशेष रूप से काशी से विद्वान आचार्यों को आमंत्रित किया गया था। आचार्यों ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच श्रद्धालुओं से रुद्राभिषेक कराया। जैसे ही वैदिक मंत्रों की स्वर लहरियां रामलीला मैदान में गूंजीं, पूरा वातावरण शिवमय हो गया। श्रद्धालुओं ने श्रद्धा और भक्ति के साथ भगवान शिव का जल, दुग्ध एवं विभिन्न पूजन सामग्रियों से अभिषेक किया।आयोजन स्थल पर सुबह से ही श्रद्धालुओं के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया था। बड़ी संख्या में महिला, पुरुष एवं युवा श्रद्धालु रुद्राभिषेक में शामिल हुए। इस दौरान श्रद्धालुओं ने भगवान शिव की आराधना कर परिवार की सुख-शांति, आरोग्य और समृद्धि की प्रार्थना की।हर-हर महादेव और बम-बम भोले के जयघोष से वातावरण भक्तिमय बना रहा।इस अवसर पर श्री शिव महापुराण कथा के कथावाचक प्रशांत प्रभु जी महाराज भी उपस्थित रहे। उन्होंने श्रद्धालुओं को भगवान शिव की भक्ति, सनातन संस्कृति और धार्मिक अनुष्ठानों के महत्व से अवगत कराया। कथा के दौरान दिए गए आध्यात्मिक संदेशों के बाद आयोजित सामूहिक रुद्राभिषेक ने पूरे आयोजन को भक्ति और श्रद्धा के साथ पूर्णता प्रदान की।आयोजकों की ओर से श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं की गई थीं। रुद्राभिषेक के उपरांत श्रद्धालुओं ने भगवान शिव का पूजन-अर्चन कर प्रसाद ग्रहण किया। श्री शिव महापुराण कथा के समापन के बाद हुए इस सामूहिक धार्मिक अनुष्ठान में श्रद्धालुओं की व्यापक सहभागिता ने आयोजन को यादगार बना दिया।

लाल इमली चौराहे पर संजय ने लगाया स्टॉल

वराह वफातजुलूस का स्वागत करते और जलपान करते समाजसेवी।

जागरण मोर्चा कार्यालय

शाहजहांपुर। ईद-मिलादुन्नबी के अवसर पर बुधवार को शहर में विशाल जुलूस निकाला गया। जुलूस का जगह-जगह पुष्पवर्षा कर स्वागत किया गया। इसी क्रम में समाजसेवी संजय गुप्ता पाइप वाले ने लाल इमली चौराहे पर स्टॉल लगाकर जुलूस में शामिल लोगों का पुष्पवर्षा कर स्वागत किया और जलपान वितरित किया। स्टॉल पर बड़ी संख्या में जुलूस में शामिल लोग पहुंचे और जलपान ग्रहण किया। इस दौरान संजय गुप्ता ने कहा कि त्योहार आपसी भाईचारे, सौहार्द और सामाजिक समरसता का संदेश देते हैं। सभी लोगों को मिल-जुलकर त्योहार मनाने चाहिए। उन्होंने कहा कि शाहजहांपुर गंगा-जमुनी तहजीब और आपसी एकता के लिए जाना जाता है। यहां सभी धर्मों के लोग एक-दूसरे के त्योहारों में सहभागिता कर भाईचारे की मिसाल पेश करते हैं। उन्होंने ईद-मिलादुन्नबी की सभी को शुभकामनाएं देते हुए शहरवासियों से आपसी प्रेम, सौहार्द और भाईचारा बनाए रखने की अपील की।

संक्षेप समाचार

जगह पर कब्जा करने के चलते फायरिंग एक को लगी गोली

खुदागंज। जगह पर कब्जा करने से रोकने के चलते दो पक्षों में विवाद हो गया जिससे आक्रोशित लोगों में मारपीट होने लगी देखते ही देखते फायरिंग होने लगी जिससे तीन युवक गंभीर रूप से घायल हो गए सूचना मिलते ही पहुंची पुलिस में उन्हें मेडिकल परीक्षण हेतु भेजा है(खुदागंज थाना क्षेत्र के ग्राम मकरंदा पुर निवासी सुरेंद्र सिंह ने पुलिस को तहरीर में बताया कि गांव के राम लड़ैते सिंह पप्पू सिंह सुरेंद्र सिंह बाबा सिंह आदि लोग आए और मकान के सामने पड़ी जगह को खोदने वालों जिसे हम लोगों द्वारा विरोध किया गया तो वह लोग हमलावर हो गए आरोप है कि राम लड़ैते सिंह अपनी लाइसेंसी बंदूक से फायरिंग करने लगे जो जो मेरे बेटे को लगे जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया वही बचाने आए रमन पाल सिंह क्लब सिंह भी गंभीर रूप से घायल हो गए जिन्हें मेडिकल परीक्षण है तो भेजा गया है पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया वहीं दूसरी ओर दिव्या सिंह पुत्री राम लड़ैते सिंह ने सुरेंद्र सिंह कलप सिंह आदि पर मारपीट करने का आरोप लगाया पुलिस मामले की जांच कर रही है

जश्न ए ईद मिलाद उन नवी का निकाला जुलूस

खुदागंज। खुदागंज के ग्राम जलालपुर स्थित नूरी मस्जिद से जश्नए ईद मिलाद उन नबी का जुलूस बड़े ही अदव और जश्न के साथ निकाला गया जुलूस का जगह-जगह लोगों ने स्वागत किया जो जलालपुर से दीपपुर पक्के तालाब होते हुए खरमसिया पहुंचा जहां पर जुलूस का समापन हुआ इस मौके पर मुकर्रम हयात खान फरहान आलम जमीर हसन ताहिर अली डॉक्टर सलीम शबाब बेग आदि लोग मौजूद रहे वही खुदागंज के ग्राम अकबरी मदरसा से जुलूस निकाला गया जो सीधे खरसिया पहुंचा जुलूस के साथ प्रधान हसमत अली आमिर असगर अली हसनैन खान डॉक्टर याकूब आदि लोग मौजूद रहे

तिलहर में धूमधाम से निकला जुलूस ए मोहम्मदी

तिलहर शाहजहांपुर। पैगंबर इस्लाम हजरत मोहम्मद साहब के जन्मदिन पर नगर की प्रसिद्ध दरगाह हजरत सैयद शाह शमसुद्दीन मियां से जुलूस ए मोहम्मदी शहर इमाम मोहम्मद सुआलेह उर्फ सदन मियां काजी शहर मोहम्मद अकरम दरगाह शमशेरिया के सज्जादा नशीन सैयद इफ्तिखार अली मुन्नन मियां दरगाह शहर शमसुद्दीन मियां के सज्जादा नशीन इकबाल हुसैन उर्फ फूलमियां की सर परस्ती में निकाला गया जुलूस ए मोहम्मदी कच्चा कटरा अस्पताल रोड मौजमपुर मीरगंज पक्का कटरा दिलाज़ाक चौहटिया बाजार काकड़ नितगंजा हिंदू पट्टी घेरचोवा तिराहा होकर बड़ी मस्जिद के पीछे समाप्त हुआ जुलूस में सभी लोग सरकार की आमद मरहबा दिलदार की आमद मरहबा के नारे बुलंद कर रहे थे जुलूस के दौरान जगह-जगह पर लोग मिष्ठान फल बिस्कुट आदि का वितरण कर रहे थे वहीं जगह-जगह पर फूलों की वर्षा कर जुलूस का इस्तकबाल किया जा रहा था जुलूस में मौलाना जुबेर अहमद मुफ्ती याद अली हाफिज गुलाम अहमद रजा कारी इदरीश रजा हाफ़िज़ ज़ाहिद सोहेल मियां हाफिज अकील हाफिज साजिद हाफिज नसीम हाफिज सोहेल हाफिज नसीम फ़हीम अरमान रज़ा मोहम्मद वाजिद, आदि अपने-अपनी अंजुमन के साथ मौजूद रहे

परशुराम पुरी में निकला जुलूस-ए-मोहम्मदी

परशुरामपुरी में बारह वफात के दौरान जुलूस। -जागरण मोर्चा

परशुरामपुरी शाहजहांपुर। ईद मिलादुन्नबी के मुबारक मौके पर बुधवार को नगर सहित ग्रामीण क्षेत्रों में जुलूस-ए-मोहम्मदी अकीदत और एहतराम के साथ निकाला गया। जुलूस नगर के प्रमुख मार्गों से होता हुआ बड़ी मस्जिद पहुंचा, जहां उसका समापन हुआ। जुलूस में बड़ी संख्या में अकीदतमंद शामिल हुए। रास्ते में जगह-जगह पुष्प वर्षा कर जुलूस का स्वागत किया गया। अकीदतमंदों के लिए पानी, शरबत और लंगर की व्यवस्था भी की गई। जुलूस के दौरान 'मरहबा या मुस्तफा' के नारों से माहौल गूंजता रहा। जुलूस के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस भी मुस्तैद रही। नगर के प्रमुख मार्गों पर पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई थी। इस अवसर पर साद मौलाना फुरकान गुनारा, शादाब याकूबपुरकर, डॉ. शराफत अली, मुकर्रम निजाम शाह, वर्री मियां, मौलाना अखलाक हाफिजी, मो. जाहिर, लियाकत सलीम, इमरान, हाफिज यूसुफ, चेयरमैन शकील खान, शकील अहमद, पत्रकार हमीद, पत्रकार अकील सिद्दीकी, सदाकत अली मंसूरी, सलमान भारतीय, गुलाम गौस, अफजल अंसारी, तस्लीम अंसारी समेत सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

जहरखुरानी के शिकार युवक से छीनी नगदी और मोबाइल

बंडा-शाहजहांपुर। रसूलपुर गढ़िया निवासी एक युवक से नशीला पदार्थ खिलाकर रुपए व मोबाइल फोन छीन लेने का आरोप लगाया है। पीड़ित की मां ने बताया कि युवक उसे बेहोशी की हालत में सड़क किनारे पड़ा मिला। पुलिस मामले की जांच कर रही है। बंडा थानाक्षेत्र के गांव रसूलपुर गढ़िया निवासिनी कमला देवी ने पुलिस को शिकायती पत्र देकर आरोप लगाया कि मंगलवार सुबह 9 :30 के करीब बंडा के रामनगर कॉलोनी निवासी एक युवक उसके पुत्र छोटू को घर से अपने साथ बाइक से ले गया। और खेतों में ले जाकर नशीला पदार्थ खिलाकर बेहोश कर दिया और उसकी जेब से रखी नगदी और मोबाइल फोन निकाल कर फरार हो गया। काफी देर खोजबीन के बाद युवक को सड़क किनारे बेहोशी की हालत में पाया गया। जिसे परिजन बंडा के सरकारी अस्पताल लाये जहां हालत में उपचार के बाद सुधार बताया जाता है। इस संबंध में जानकारी लेने के लिए बंडा थाने के सीयूजी पर फोन कर संपर्क का प्रयास किया गया परंतु संपर्क नहीं हो सका।

बंडा में हर्षोल्लास से निकाला गया बारावफात का जुलूस

बंडा शाहजहांपुर। नगर में बुधवार को बारावफात के अवसर पर मुस्लिम समाज की ओर से जुलूस निकाला गया। जुलूस मुरादपुर से शुरू होकर पूरनपुर रोड तक पहुंचा। इस दौरान रास्ते में जगह-जगह लोगों ने जुलूस का स्वागत किया और हलवा व फल का वितरण किया। नगर अध्यक्ष बंडा मोहम्मद इसहाक उर्फ बड़े लल्ला की अगुवाई में निकाले गए जुलूस में बड़ी संख्या में मुस्लिम समाज के लोग शामिल हुए। इस दौरान लोगों ने अपने पैगंबर हजरत मोहम्मद के प्रति श्रद्धा और सम्मान प्रकट किया। जुलूस में समाजवादी पार्टी के नेता राजवीर सिंह बाठ भी मौजूद रहे। जुलूस के दौरान नगर में आपसी भाईचारे और सौहार्द का माहौल देखने को मिला। सुरक्षा व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए पुलिस प्रशासन की ओर से भारी पुलिस फोर्स तैनात रही।

ईद-मिलादुन्नबी जुलूस का शशांक ने पुष्पवर्षा कर किया स्वागत, दलेलगंज में लगाया स्टॉल, जुलूस में शामिल लोगों को कराया जलपान

शाहजहांपुर। ईद-मिलादुन्नबी के अवसर पर बुधवार को पुत्तुलाला चौराहे से विशाल जुलूस निकाला गया। जुलूस का शहर में जगह-जगह पुष्पवर्षा कर स्वागत किया गया। इसी क्रम में दलेलगंज वार्ड नंबर 45 में शशांक गुप्ता उर्फ वासु ने स्टॉल लगाकर जुलूस में शामिल लोगों का पुष्पवर्षा कर स्वागत किया और जलपान वितरित किया। स्टॉल पर जुलूस में शामिल बड़ी संख्या में लोगों ने पहुंचकर जलपान ग्रहण किया। शशांक गुप्ता ने कहा कि त्योहार आपसी भाईचारे, सौहार्द और सामाजिक समरसता का संदेश देते हैं। सभी लोगों को मिल-जुलकर त्योहार मनाने चाहिए। उन्होंने कहा कि शाहजहांपुर गंगा-जमुनी तहजीब और आपसी एकता के लिए जाना जाता है। यहां सभी धर्मों के लोग एक-दूसरे के त्योहारों में सहभागिता कर भाईचारे की मिसाल पेश करते हैं। उन्होंने ईद-मिलादुन्नबी की शहरवासियों को शुभकामनाएं देते हुए आपसी प्रेम, सौहार्द और भाईचारा बनाए रखने की अपील की।

एक नजर

ग्रुप ने दो बच्चियों की पूरे वर्ष की जमा की फीस

चंदौसी। लक्ष्मी देवी हर प्रसाद शिशु मंदिर बहजोई रोड पर दो बच्चे प्रिया ओर शीनू जो कक्षा 5 की बच्ची हैं जिनके घर वाले उनकी फीस देने में असमर्थ थे इन दोनों बच्चियों की पूरी वर्ष की फीस ग्रुप ने अदा की ग्रुप अध्यक्ष को जब यह बात स्कूल के प्रबंधक मुकेश कुमार गुप्ता से जानकारी मिली कि उन दो बच्चियों के पिता उनकी फीस देने में असमर्थ हैं जिससे उनकी पढ़ाई छूट सकती हैं तो ग्रुप अध्यक्ष डॉ मधु तोमर ने पूरे वर्ष की फीस देने के लिए अपने हाथ बढ़ाए इस अवसर पर स्कूल प्रधानाचार्य मनोज कुमार ने ग्रुप मेंबर का स्कूल में स्वागत किया तथा दोनों बच्चों को क्लास से बुलाकर बच्चों की हौसला अफजाई की इस अवसर पर ग्रुप की डॉ मधु तोमर, कंचन बाला, ऊषा अग्रवाल, सरोज वार्ष्णेय, नीरू गोयल, रेनू वार्ष्णेय चंचल गोयल आदि मौजूद थीं।

रक्षाबंधन पर्व पर महिलाओं को मुफ्त बस सफर

लोकमाता अहिल्याबाई मातृशक्ति योजना के तहत 60 वर्ष व उससे अधिक आयु की महिलाएं बस में कर सकेंगी निशुल्क की यात्रा

जागरण मोर्चा कार्यालय

मातृशक्ति कार्यक्रम में शामिल राज्यमंत्री गुलाब देवी व भाजपा पदाधिकारी।

चंदौसी। रक्षाबंधन के पावन पर्व के उपलक्ष्य में परिवहन विभाग द्वारा आयोजित रक्षाबंधन का त्योहार-मातृशक्ति को उपहार कार्यक्रम का शुभारम्भ इस्लामनगर रोड स्थित डीआर रिसॉर्ट, बहजोई में मुख्य अतिथि राज्यमंत्री गुलाब देवी द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। जिलाधिकारी अंकित खण्डेलवाल के निर्देशन में मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट द्वारा कार्यक्रम की अध्यक्षता की गयी।

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि पूर्व विधायक गुन्नौर अजीत कुमार राजू यादव, जिलाध्यक्ष भाजपा हरेंद्र सिंह रिंकू, नगर पालिका परिषद बहजोई के अध्यक्ष राजेश शंकर राजू रहे। कार्यक्रम के दौरान स्वयं सहायता समूह की महिलाओं द्वारा अतिथियों को राखी बांधकर रक्षाबंधन पर्व की शुभकामनाएं दी गईं। साथ ही स्वयं सहायता समूह द्वारा तैयार की गई मिनी किट अतिथियों को भेंट की गई।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री द्वारा लखनऊ से उप्र की 60 वर्ष एवं उससे अधिक आयु की महिलाओं को निःशुल्क बस यात्रा की सुविधा प्रदान करने वाली लोकमाता अहिल्याबाई मातृशक्ति यात्रा योजना के शुभारम्भ तथा विशेष बसों के फ्लैग-ऑफ कार्यक्रम का सजीव प्रसारण उपस्थित लोगों द्वारा देखा एवं सुना गया। प्रदेश सरकार द्वारा रक्षाबंधन का त्योहार-मातृशक्ति को उपहार कार्यक्रम के अंतर्गत 27 अगस्त को प्रातः 06 बजे से 29 अगस्त की मध्यरात्रि 12 बजे तक सभी माताओं, बहनों एवं बेटियों को सहयात्री सहित निःशुल्क बस यात्रा की सुविधा प्रदान की जाएगी। महिलाएं निर्धारित पहचान-पत्र, जैसे आधार कार्ड अथवा मतदाता पहचान पत्र, दिखाकर इस सुविधा का लाभ उठा सकेंगी। कार्यक्रम के दौरान आगामी रक्षाबंधन पर्व के अवसर पर राज्यमंत्री द्वारा उपस्थित मातृशक्तियों एवं महिलाओं को साड़ी एवं मिष्ठान भेंट किया गया। कार्यक्रम में 560 से अधिक उपस्थित महिलाओं को साड़ी एवं मिष्ठान वितरित किए गए। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि राज्यमंत्री गुलाब देवी जी ने सभी माताओं, बहनों एवं बेटियों को रक्षाबंधन पर्व की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने 60 वर्ष एवं उससे अधिक आयु की महिलाओं के लिए लोकमाता अहिल्याबाई मातृशक्ति यात्रा योजना के माध्यम से निःशुल्क बस यात्रा की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए मा0 मुख्यमंत्री जी का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि रक्षाबंधन के अवसर पर महिलाओं को निःशुल्क बस यात्रा की सुविधा उपलब्ध कराना प्रदेश सरकार की महिला सम्मान, सुरक्षा एवं सशक्तिकरण के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतीक है। इस सुविधा से प्रदेश की महिलाएं अपने भाई एवं परिजनों के पास रक्षाबंधन का पर्व बिना किसी आर्थिक बाधा के उत्साह, सम्मान एवं आत्मीयता के साथ मना सकेंगी। उन्होंने केन्द्र एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित महिला-केंद्रित जनकल्याणकारी योजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि सरकार द्वारा महिलाओं के सम्मान, सुरक्षा, स्वावलंबन एवं सशक्तिकरण के लिए निरंतर प्रभावी कदम उठाए जा रहे हैं। पूर्व विधायक गुन्नौर अजीत कुमार राजू यादव ने रक्षाबंधन पर्व की शुभकामनाएं देते हुए महिलाओं के लिए निःशुल्क बस यात्रा की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया। जिलाध्यक्ष भाजपा हरेंद्र सिंह रिंकू ने कहा कि मातृशक्ति हमारे समाज एवं राष्ट्र की आधारशिला है। उन्होंने रक्षाबंधन पर्व की शुभकामनाएं देते हुए महिलाओं को निःशुल्क बस यात्रा की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए मुख्यमंत्री जी का आभार व्यक्त किया। जिला उपाध्यक्ष भाजपा शिल्पी गुप्ता ने भी मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि मातृशक्ति के लिए निःशुल्क बस यात्रा की सुविधा सरकार की सराहनीय पहल है। इस अवसर पर उप जिलाधिकारीआशुतोष तिवारी, एआरटीओ अमिताभ चतुर्वेदी, उप कृषि निदेशक अरुण कुमार त्रिपाठी, एआरएम रोडवेज प्रेम सिंह सहित संबंधित विकास खण्डों के खण्ड विकास अधिकारी, जिला उपाध्यक्ष भाजपा विकास वार्ष्णेय सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण, प्रशासनिक अधिकारी, परिवहन विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में माताएं एवं बहनें उपस्थित रहीं।

रेलवे इंजीनियर के दोनों पैर ट्रेन से कटे, मौत

जागरण मोर्चा कार्यालय

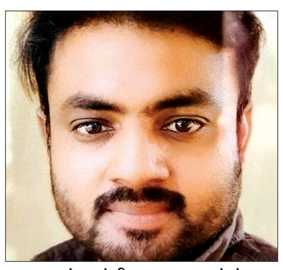

मृतक मनोज सैनी का फाइल फोटो।

- आगरा में खुद फोन करके स्टाफ को दी जानकारी
- दोनों पैर काटने के बाद भी एकटक देखते रहे

चंदौसी। आगरा में मंगलवार शाम हुए हादसे में 32 वर्ष के रेलवे इंजीनियर की दर्दनाक मौत हो गई। उनके दोनों पैर ट्रेन से कटकर अलग हो गए। लेकिन ट्रैक के किनारे पड़े लहूलुहान इंजीनियर बेहोश नहीं हुए। उन्होंने खुद अपने फोन से कॉल करके स्टाफ को हादसे की सूचना दी। घटना से परिवार में कोहराम मचा है

संभल के चंदौसी के रहने वाले मनोज सैनी रेलवे के एफएमआई विभाग में अवर अभियंता (JE) के पद पर कार्यरत थे। वह मंगलवार की शाम करीब 5:30 बजे जाजऊ रेलवे स्टेशन के पास ब्लॉक लेकर मशीन से नीचे उतरे थे। मनोज डाउन ट्रैक पर पैदल चल रहे थे। इसी दौरान भाड़ई की ओर से आ रही पैसेंजर ट्रेन की चपेट में आ गए। ट्रेन की टक्कर लगते ही मनोज उछलकर ट्रैक पर जा गिरे। इसके बाद ट्रेन उनके पैरों के ऊपर से निकल गई। मनोज के दोनों पैर कटकर अलग हो गए। घटना के बाद जेई मनोज सैनी ने अपने दोनों पैर कटने के बाद खुद स्टेशन सुपरवाइजर को फोन मिलाया। उन्हें बताया कि मेरे दोनों पैर ट्रेन से कट गए है। तुरंत एंबुलेस भेज दीजिए। स्टेशन सुपरवाइजर ने तुरंत ट्रैक पर काम कर रहे रेलवे कर्मियों को सूचना दी। इस दौरान लगभग 20 मिनट तक जेई मनोज सैनी वहीं लहूलुहान तड़पते रहे। इसके बाद मौके पर पहुंचे रेलवे कर्मचारियों ने पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही थाना सैंया पुलिस एंबुलेंस के साथ मौके पर पहुंची। बुरी तरह से तड़प रहे मनोज सैनी को तुरंत सीएचसी सैंया पहुंचाया। सीएचसी के चिकित्सकों ने जेई की गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें एसएन हॉस्पिटल रेफर कर दिया। वहां चिकित्सकों ने मनोज सैनी का इलाज शुरू किया, लेकिन उनकी हालत बिगड़ती चली गई। शाम करीब 7 बजे इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। घटना की जानकारी होने पर परिजन घटनास्थल पहुंचे जहां उनकी मौत की सूचना मिलने पर परिवार में कोहराम मचा है।

घटना के बाद पास खड़े लोगों को एकटक देखते रहे मनोज

इंजीनियर मनोज का हादसे के बाद का एक वीडियो भी सामने आया है। इसमें वह अपने दोनों पैर कटने के बाद रेलवे ट्रैक के किनारे लहूलुहान दिख रहे हैं। उनके दोनों पैर रेल पटरी के दूसरी ओर अलग पड़े थे। रेलवे ट्रैक के पास से गुजर रहे लोग दौड़कर मनोज के पास पहुंचे। उनके शरीर के कटे हुए हिस्से को सफेद कपड़े से ढका। इस दौरान मनोज अपनी खुली आंखों से लोगों को एकटक देखते रहे। वह कुछ भी बोल नहीं पा रहे थे।

चोर पकड़ने की कोशिश नाकाम, हुआ फरार

चंदौसी। कोतवाली क्षेत्र की पावर हाउस कॉलोनी में मंगलवार देर रात करीब 2:30 बजे धनीराम के पुत्र हरिओम के घर में एक चोर घुस गया। आहट सुनकर परिवार के सदस्यों की आंख खुल गई। परिजनों ने मुस्तैदी दिखाते हुए चोर को पकड़ने का प्रयास किया, लेकिन वह धक्का-मुक्की कर मौके से फरार हो गया।इस घटना से पीड़ित परिवार और कॉलोनी में अफरा-तफरी मच गई, जिसके बाद तुरंत कोतवाली पुलिस को सूचना दी गई। क्षेत्र में लगातार हो रही चोरियों से स्थानीय लोगों में असुरक्षा का माहौल है। ग्रामीणों ने पुलिस से रात्रिकालीन गश्त बढ़ाने की मांग की है। थाना प्रभारी संत कुमार ने बताया कि मामला संज्ञान में आने पर उचित कार्रवाई की जाएगी।

सूने मकान से चार लाख की चोरी

जागरण मोर्चा कार्यालय

चंदौसी के गांव बलकरनपुर में चोरी के बाद बिखरा पड़ा समान दिखाती महिला।

- पीड़ित ने थाने में दी चोरी की तहरीर

चंदौसी। थाना कुढ़फतेहगढ़ के गांव बलकरनपुर में चोरों ने मंगलवार की रात सूने घर के ताले तोड़ लिए। परिजन गांव से बाहर दुर्गा जागरण में गए थे । ताले तोड़कर जेवर नगदी सहित चोर करीब 4 लाख से अधिक का माल समेट ले गए। पीड़ित की ओर से अज्ञात चोरों के खिलाफ थाने में तहरीर दी है। गांव बलकरनपुर निवासी रिंकू पुत्र रामेश्वर मंगलवार की रात परिवार के साथ गांव से बाहर मढ़ी पर हो रहे दुर्गा जागरण में गया था। वह रात करीब 2 बजे दुर्गा जागरण से लौटा तो घर के मुख्य दरवाजे पर ताला पड़ा हुआ था जबकि दरवाजा अंदर से बंद था दरवाजा अंदर से बंद देख वह आश्चर्यचकित रह गया इसके बाद वह सीढ़ी लगाकर दीवार के सहारे घर के अंदर गया तो कमरे में सारा सामान बिखरा पड़ा हुआ था। तब उसे चोरी की जानकारी हुई। चोर रिंकू के घर से एक सोने की कंठी, दो चांदी की पायल, दो जोड़ी सोने के कुंडल, एक मंगलसूत्र, दो चांदी के खड़ुआ और एक सोने की अंगूठी ले गए। इसके अलावा 20 हजार रुपये और दुकान से सात हजार रुपये चोरी कर ले गये। चोरी की वारदात से ग्रामीणों में भय व्याप्त है। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और जानकारी ली। थानाध्यक्ष जितेंद्र वर्मा ने बताया कि अभी तक तहरीर नहीं मिली है। तहरीर मिलने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

चंदौसी मे नवनिर्मित सीसी सड़क का उद्घाटन करती पालिकाध्यक्ष व सभासद।

पालिकाध्यक्ष ने किया नवनिर्मित सीसी सड़क का उद्घाटन

जागरण मोर्चा कार्यालय

चंदौसी। नगर पालिका परिषद द्वारा कराए जा रहे कार्यों में वार्ड नंबर 4 के सीता रोड पर सीता आश्रम गेट से लेकर शनि देव मंदिर तक डाली गई सड़क का लोकार्पण पालिकाध्यक्ष लता वार्ष्णेय एवं समाजसेवी अखिलेश कुमार खिलाड़ी द्वारा सड़क का उद्घाटन किया गया। साथ ही स्थानीय लोगों ने पालिकाध्यक्ष का माला पहनाकर स्वागत किया। लोगों ने सड़क क्षेत्र के विकास और आमजन की सुविधा की दिशा में एक सराहनीय कदम बताते हुए इस विकास कार्य के लिए पालिकाध्यक्ष का धन्यवाद किया। इसके बाद पालिकाध्यक्ष द्वारा मूंछों वाले शंकर जी पर भंडारे का प्रसाद वितरण भी किया गया। इस अवसर पर सभासद कपिल मोनू , नवकांत शर्मा, सभासद प्रतिनिधि मनोज कुमार, वर्ण वार्ष्णेय, मेहुल वार्ष्णेय, निशंक वार्ष्णेय, अभिषेक, रजत, कृष्ण मोहन, पंकज चौधरी, लकी, सतीश आदि लोग मौजूद रहे।

परामर्श केंद्र ने सुलझाए आपसी विवाद

चंदौसी। अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिण) मनोज रावत एवं क्षेत्राधिकारी बहजोई स्तुति सिंह के निर्देशन में गौशाला रोड स्थित पिंक चौकी पर पुलिस परिवार परामर्श सुलह समझौता केंद्र की बैठक आयोजित हुई। महिला थानाध्यक्ष/प्रभारी डॉ. रुकम पाल सिंह की अध्यक्षता में काउंसलरों के सहयोग से पति-पत्नी के आपसी विवादों को सुलझाया गया।बैठक में कुल 39 मामलों की सुनवाई की गई, जिसमें से 13 का मौके पर ही निस्तारण हुआ। इसके अतिरिक्त 12 पत्रावलियों को आवेदकों द्वारा रुचि न लेने व अन्य कारणों से बंद कर दिया गया, जबकि गंभीर विवाद वाले एक मामले में विधिक कार्रवाई की संस्तुति की गई। इस दौरान काउंसलर श्वेता गुप्ता, पूनम अरोरा, सब इंस्पेक्टर महेश गंगवार सहित रुचि और मनोहर सिंह उपस्थित रहे।

कार्यक्रम एवं प्रतियोगिताओं के पोस्टरों का किया गया विमोचन

जागरण मोर्चा कार्यालय

चंदौसी मे कार्यक्रम व प्रतियोगिता के पोस्टरों का विमोचन करतें कमेटी के पदाधिकारी।

चन्दौसी। उत्तर भारत का प्रसिद्ध मेला गणेश को आकर्षक एवं यादगार बनाने की तैयारियां तेजी से चल रही हैं। गणेश मंदिर स्थित मेला कार्यालय पर कार्यक्रम संयोजक प्रजीत कुमार लालू एवं प्रतियोगिता संयोजक मेजर शशिकांत गुप्ता के नेतृत्व में मेला कार्यक्रमों एवं विभिन्न प्रतियोगिताओं से संबंधित पोस्टरों का विधिवत विमोचन किया गया।

इस दौरान संयोजकों एवं सहसंयोजको ने मेले में आयोजित होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों एवं प्रतियोगिताओं की विस्तृत जानकारी साझा की। इस वर्ष मेला गणेश चौथ को प्रतिभाओं का महाकुंभ के रूप में विशेष पहचान देने का प्रयास किया जा रहा है। मेले में बच्चों से लेकर युवाओं, महिलाओं, दिव्यांगजनो और स्थानीय कलाकारों तक सभी वर्गों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के लिए मंच उपलब्ध कराया जाएगा। मेले में रंगोली प्रतियोगिता, फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता, चित्रकला कैरम, शतरंज, रस्साकशी, पतंग, मेहंदी, बहुरुपिया, बाल युगल गायन, एक मिनट प्रतियोगिता, एकल नृत्य, बाल युगल नृत्य, कैराओके गायन, अंताक्षरी, ग्रुप डांस, माँ परमेश्वरी प्रताप सिंह गायन प्रतियोगिता, सुरक्षेत्र गायन प्रतियोगिता, ऑडियो लिपसिंग, शाम-ए-गजल सहित अनेक प्रतियोगिताएं आयोजित होंगी। इसके साथ ही युवा कवि सम्मेलन, बेबी हेल्थ शो, राष्ट्र वंदन कार्यक्रम, दिव्यांग जन समारोह, हास्य कवि सम्मेलन, बॉलीवुड स्टार नाइट, कव्वाली एवं अन्य सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी मेले के प्रमुख आकर्षण का केंद्र रहेंगी। कार्यक्रम संयोजक प्रजीत कुमार लालू ने कहा कि "मेला गणेश चौथ चन्दौसी की धार्मिक आस्था के साथ-साथ यहां की कला, संस्कृति और प्रतिभाओं का भी उत्सव है। इस बार प्रयास किया गया है कि मेले के मंच को स्थानीय प्रतिभाओं के लिए और अधिक व्यापक बनाया जाए। प्रतियोगिता संयोजक मेजर शशिकांत गुप्ता ने कहा कि "प्रतियोगिताओं का उद्देश्य केवल प्रतिस्पर्धा कराना नहीं, बल्कि चन्दौसी एवं आसपास के क्षेत्र में छिपी प्रतिभाओं को खोजकर उन्हें मंच प्रदान करना है। बच्चों में रचनात्मकता, युवाओं में आत्मविश्वास तथा कलाकारों में अपनी कला को लेकर उत्साह पैदा करना इन प्रतियोगिताओं की मूल भावना है।" उन्होंने नगरवासियों से अधिक से अधिक संख्या में प्रतियोगिताओं एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों में सहभागिता कर प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन करने की अपील की। मेला मीडिया प्रभारी शुभम अग्रवाल ने बताया कि श्री गणेश मेला परिषद के आयोजन में कार्यक्रमों को व्यवस्थित एवं भव्य स्वरूप प्रदान करने के लिए अलग-अलग कार्यक्रमों एवं प्रतियोगिताओं के लिए संयोजक एवं सहसंयोजक नियुक्त किए गए हैं। उन्होंने कहा कि 66वें गणपति जन्मोत्सव पर्व के अवसर पर आयोजित मेला गणेश चौथ केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं, बल्कि चन्दौसी की प्रतिभा, संस्कृति, कला और रचनात्मकता को बड़े मंच पर पहचान दिलाने का एक महत्वपूर्ण अवसर बनेगा। इस अवसर पर एड. लोकेन्द्र शर्मा, सतेन्द्र मामा, प्रभात कृष्णा, प्रफुल्ल, प्रजीत लालू, शशिकांत गुप्ता, शुभम अग्रवाल मौजूद रहे।

जुलूस-ए-मोहम्मदी दुनिया को करुणा और बेटियों को समाज में सम्मान दिलाने वाले पैगम्बर के संदेश को किया याद

यौमे पैदाइश हज़रत मोहम्मद साहब के उपलक्ष्य में निकला जुलूस

जागरण मोर्चा कार्यालय

चंदौसी में जुलूस का फीता काटकर शुभारंभ करतें अतिथि व कमेटी के पदाधिकारी।

चंदौसी में जुलूस में शामिल झांकी। -जागरण मोर्चा

चंदौसी। यौमे पैदाइश हज़रत मोहम्मद साहब के उपलक्ष्य में नगर में जुलूस मोहम्मदी धूमधाम से निकाला गया। जिसमें काफी संख्या में मुस्लिम समुदाय के लोगों ने उत्साह पूर्वक भाग लिया। जुलूस का प्रारम्भ मोहल्ला सम्भल गेट सुनहरी मस्जिद से हुआ। जुलूस में शामिल झांकियां आकर्षण का केंद्र बनी हुई थी।

जुलूस से पूर्व एक सभा का आयोजन हुआ । सभी ने मोहम्मद साहब के जीवन के बारे में जानकारी दी। जिसमे विभिन्न राजनैतिक पार्टियों व सामाजिक संस्थाओं के लोगों ने विचार व्यक्त करते हुये कहा कि आज का दिन सामाजिक एकता के लिए याद किया जाता रहेगा। जहाँ 1501 साल पहले मोहम्मद साहब ने जन्म लिया और दुनिया को दया एवं करुणा की भावना का संदेश देते हुये समाज को नई दिशा दी। इस मौके पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि असलम अली अन्सारी ने कहा कि मोहम्मद साहब ने बेटियों को उनका स्थान समाज में तब दिलवाया जब लोग कन्या होने पर उसे जिंदा दफन कर दिया करते थे। इस प्रथा को खत्म किया और समाज भाईचारे का संदेश दिया। मंचासीन ब्राह्मण महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष कवि माधव मिश्रा, हाजी मतीउद्दीन, फरजान अन्सारी, कामरेड वीके दत्ता, नगर अध्यक्ष संजय मदान, हाजी ताहिर, अशफाक भारती आदि ने विचार व्यक्त किये। सभा का संचालन मौहम्मद नज़ीर कुरैशी व मोहम्मद सगीर सैफी ने किय। जबकि अध्यक्षता हाजी मतीउद्दीन ने की। इस मौके पर दूरदराज से लोगों ने शिरकत की।

दक्षिण कोरिया में खिलाड़ियों का डंका

जागरण मोर्चा कार्यालय

ताइक्वांडो प्रतियोगिता के प्रतिभागी को सम्मानित करते डीएम। -जागरण मोर्चा

चंदौसी। ताइक्वांडो में संभल ने एक बार फिर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। फ्लाइंग जोन इंटरनेशनल एकेडमी, संभल के तीन होनहार खिलाड़ियों कर्मिस्ट आर्या, अम्मार उल इस्लाम और सुमामा ने ताइक्वांडो की दुनिया के सर्वोच्च संस्थान कुक्कीवॉन, दक्षिण कोरिया से प्रथम पूम की आधिकारिक अंतरराष्ट्रीय योग्यता हासिल कर जिले का नाम रोशन किया है। यह उपलब्धि तीनों खिलाड़ियों के नियमित प्रशिक्षण, कड़े अनुशासन और निरंतर अभ्यास का परिणाम है। दक्षिण कोरिया से प्राप्त प्रमाण-पत्र उनके परिवार, एकेडमी और पूरे जनपद के लिए गर्व का विषय है। खिलाड़ियों ने मंगलवार को जिलाधिकारी कार्यालय पहुंच कर डीएम अंकित खण्डेलवाल से मुलाकात की। तीनों खिलाड़ियों की इस अंतरराष्ट्रीय उपलब्धि पर डीएम ने उन्हें सम्मानित कर शुभकामनाएं दीं। डीएम ने खिलाड़ियों की मेहनत और उपलब्धि की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की तथा उन्हें आगे भी इसी प्रकार मेहनत और अनुशासन के साथ खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया। एकेडमी के मुख्य कोच मास्टर मो. ताजवर ने भी तीनों खिलाड़ियों को बधाई देते हुए कहा कि यह सफलता उनकी मेहनत, अनुशासन और निरंतर अभ्यास का परिणाम है। उन्होंने खिलाड़ियों को भविष्य में राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर और बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया। अभिभावकों को बच्चों को खेलों के लिए निरंतर प्रोत्साहित करना चाहिए। इस उपलब्धि पर खिलाड़ियों ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता और कोच के मार्गदर्शन को दिया।

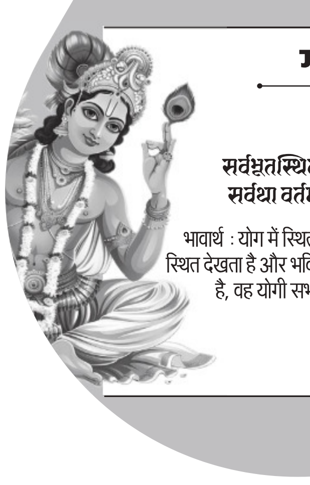

गीता सार

सर्वभूतस्थितं यो मां भजत्येकत्वमास्थितः।
सर्वथा वर्तमानोऽपि स योगी मयि वर्तते॥

भावार्थ : योग में स्थित जो मनुष्य सभी प्राणियों के हृदय में मुझको स्थित देखता है और भक्ति-भाव में स्थित होकर मेरा ही स्मरण करता है, वह योगी सभी प्रकार से सदैव मुझमें ही स्थित रहता है।

रोजी-रोटी पर संकट

ऑटो चालकों के लिए मराठी भाषा का ज्ञान अनिवार्य करने के बाद महाराष्ट्र सरकार ने अभियान शुरू कर दिया है। मराठी नहीं जानने वाले अब तक 2500 चालकों को नोटिस जारी किए जा चुके हैं। ऑटो चालकों का कहना है कि जो ऑटो चालक टूटी-फूटी मराठी बोलने की कोशिश कर रहे हैं, उन्हें समय न देकर जुर्माना लगाया जा रहा है। सरकार के इस अभियान से सबसे ज्यादा परेशानी उत्तर भारतीय ऑटो चालकों को है, जिनकी रोजी रोटी पर संकट मंडरा रहा है। मुंबई में ऑटो चलाने वालों में सबसे ज्यादा संख्या यूपी-बिहार के लोगों की है। ऐसे में मराठी भाषा की अनिवार्यता बड़े विवाद की वजह बनती जा रही है। गैर मराठी ऑटो चालक इसका विरोध कर रहे हैं। उनका कहना है कि इस उम्र में हम परिवार पालें या फिर नई भाषा सीखें। सरकार की ओर से अभियान शुरू किए जाने के बाद ऑटो चालकों ने तीन दिन की हड़ताल का ऐलान कर दिया था। सोमवार से चल रही ये हड़ताल बुधवार तक जारी रहने वाली है। लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। महाराष्ट्र सरकार के ट्रांसपोर्ट मंत्री प्रताप सरनाइक ने 28 अप्रैल को एक आदेश जारी किया था, जिसमें कहा गया था कि जिन ऑटो चालकों को मराठी नहीं आती, उन्हें इसे अनिवार्य तौर पर सीखना होगा। तीन महीने के अंदर अगर ऐसा नहीं किया जाता तो पहले उन पर जुर्माना लगाया जाएगा, फिर उनका परमिट रद्द कर दिया जाएगा। 20 अगस्त से सरकार ने ऐसे ऑटो और टैक्सी ड्राइवरों के खिलाफ अभियान शुरू कर दिया, जिन्हें मराठी नहीं आती है। सरकारी आंकड़ों के हिसाब से अब तक 13 हजार ड्राइवरों की जांच की जा चुकी है, जिनमें से 2500 को मराठी नहीं आने की वजह से नोटिस दिया गया है। अभियान 30 सितंबर तक चलाए जाने की तैयारी है। मुंबई में उत्तर भारतीय ऑटो चालक कितने हैं, इसका कोई सटीक आंकड़ा तो जारी नहीं किया गया, मगर मुंबई की ऑटो रिक्शा यूनियन के मुताबिक कुल रजिस्टर्ड 2.80 लाख ऑटो में से 70 से 75 प्रतिशत चालक उत्तर भारत के हैं। इस लिहाज से तकरीबन 2 लाख ऑटो चलाने वालों की रोजी रोटी पर सीधा संकट है, क्योंकि इन्हें मराठी नहीं आती। अगर इसमें टैक्सी चालकों की संख्या भी जोड़ ली जाए, जो इनकी संख्या तकरीबन 3.75 लाख से 4 लाख के आसपास होती है। अप्रैल में जब ट्रांसपोर्ट मंत्री प्रताप सरनाइक ने मराठी की अनिवार्यता संबंधी आदेश जारी किया था, उस वक्त इन यूनियनों ने विरोध जताया और आदेश के खिलाफ हस्ताक्षर अभियान चलाया था। ट्रांसपोर्ट मंत्री के आदेश के मुताबिक हर चालक को मराठी की वर्किंग नॉलेज होना जरूरी है। अगर किसी को टूटी फूटी मराठी आती है तो उसे एक महीने का नोटिस दिया जाएगा। इस अवधि में चालक को मराठी कोर्स पूरा करना होगा। प्रशासन इसकी जांच करेगा। आरटीओ ड्राइवर से बात करके देखेंगे कि उसे मराठी आती है या नहीं।

आध्यात्मिक विकास में ऊर्जा और अंकों का महत्व

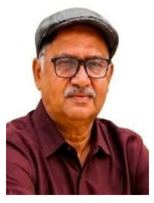

आध्यात्मिक विकास मनुष्य के जीवन की एक गहरी और व्यक्तिगत यात्रा है। यह किसी एक धर्म, परंपरा, अनुष्ठान या विश्वास तक सीमित नहीं है। इसका मूल उद्देश्य स्वयं को समझना, आंतरिक शांति विकसित करना, अपने विचारों और कर्मों के प्रति जागरूक होना तथा जीवन के गहरे उद्देश्य को पहचानना है। मनुष्य ने सदियों से इस आंतरिक यात्रा को समझने के लिए ध्यान, योग, चिंतन और विभिन्न दार्शनिक विचारों का सहारा लिया है। इनमें ऊर्जा और अंकों की अवधारणा भी विशेष रुचि का विषय रही है।

ऊर्जा को सामान्यतः जीवन-शक्ति, सक्रियता, भावनाओं और मानसिक अवस्था से जोड़ा जाता है। विज्ञान में ऊर्जा के विभिन्न रूपों को मापा जा सकता है, जबकि आध्यात्मिक परंपराओं में ह्लआंतरिक ऊर्जा शब्द का प्रयोग चेतना और आंतरिक अनुभवों के संदर्भ में किया जाता है। इसी प्रकार अंक हमें समय, मात्रा और पैटर्न को समझने में सहायता करते हैं। कई संस्कृतियों ने अंकों को प्रतीकात्मक अर्थ भी दिए हैं लेकिन यह समझना आवश्यक है कि आध्यात्मिक प्रतीकवाद और वैज्ञानिक तथ्य एक ही चीज नहीं हैं।

ऊर्जा और मन की अवस्था

हमारी मानसिक और भावनात्मक स्थिति इस बात को प्रभावित करती है कि हम जीवन को किस प्रकार अनुभव करते हैं। शांत मन कठिन परिस्थितियों में भी सोच-समझकर निर्णय लेने में सहायता करता है, जबकि लगातार तनाव, भय और नकारात्मक विचार हमें मानसिक रूप से थका सकते हैं। ध्यान, योग, श्वास पर एकाग्रता और माइंडफुलनेस जैसे अभ्यास मन को शांत करने तथा अपने विचारों को देखने की क्षमता विकसित करने में सहायक हो सकते हैं। आध्यात्मिक विकास की शुरूआत अक्सर यहीं से होती है कि हम अपने विचारों को बिना तुरंत प्रतिक्रिया दिए देखना सीखें।

अंक हमें क्यों आकर्षित करते हैं

अंक मानव सभ्यता के विकास का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। हम समय, दूरी, आयु, धन, शिक्षा और जीवन की अनेक गतिविधियों को अंकों के माध्यम से मापते हैं।

कुछ सांस्कृतिक और आध्यात्मिक परंपराओं में अंकों को प्रतीकात्मक महत्व दिया गया है।

एक को एकता, दो को द्वैत या संतुलन और तीन को पूर्णता या सामंजस्य का प्रतीक माना जा सकता है। लेकिन ये अर्थ सांस्कृतिक या व्यक्तिगत विश्वास हो सकते हैं; इन्हें वैज्ञानिक रूप से सिद्ध शक्तियां नहीं माना जाना चाहिए।

आत्मचिंतन के लिए अंकों की भूमिका

अंकों का सबसे व्यावहारिक उपयोग अपने जीवन का मूल्यांकन करने में हो सकता है। हम प्रतिदिन कितने घंटे मोबाइल पर बिताते हैं कितना समय पढ़ाई, काम, व्यायाम, परिवार और आराम को देते हैं

यदि हम अपनी गतिविधियों का रिकॉर्ड रखें तो हमें अपनी वास्तविक आदतों का पता चल सकता है। कई बार हमारी धारणा और वास्तविकता में काफी अंतर होता है। उदाहरण के लिए, कोई व्यक्ति सोच सकता है कि वह परिवार को पर्याप्त समय देता है, लेकिन समय का हिसाब करने पर पता चल सकता है कि सोशल मीडिया और मोबाइल उसके दिन का बड़ा हिस्सा ले रहे हैं। इस प्रकार अंक हमारे जीवन का आईना बन सकते हैं।

ध्यान और एकाग्रता की शक्ति

मानव का ध्यान सीमित होता है। हम जिस चीज के बारे में बार-बार सोचते हैं, वह हमारी मानसिकता को प्रभावित करती है। यदि हमारा ध्यान हमेशा भय, क्रोध, तुलना और नकारात्मकता पर केंद्रित रहता है, तो ये भावनाएं हमारी सोच पर हावी हो सकती हैं।

इसके विपरीत, यदि हम अपना ध्यान सीखने, कृतज्ञता, करुणा, रचनात्मकता और अच्छे संबंधों पर केंद्रित करें, तो हमारी मानसिक स्थिति अधिक संतुलित हो सकती है। इसका अर्थ यह नहीं कि केवल सकारात्मक सोच से हर समस्या हल हो सकती है। जीवन में दुख, नुकसान, असफलता और अनिश्चितता भी होती है। आध्यात्मिक परिपक्वता का अर्थ कठिनाइयों से भागना नहीं, बल्कि उनका सामना करने की आंतरिक शक्ति विकसित करना है।

ध्यान और आंतरिक संतुलन

ध्यान मन को समझने का एक व्यावहारिक तरीका है। व्यक्ति अपने श्वास, शारीरिक अनुभव या किसी ध्वनि पर ध्यान केंद्रित कर सकता है। इस दौरान विचार आते-जाते रहते हैं, लेकिन उन पर तुरंत प्रतिक्रिया करना आवश्यक नहीं है।

नियमित अभ्यास से व्यक्ति अपने क्रोध, भय और अन्य भावनाओं को अधिक स्पष्टता से पहचान सकता है। यह जागरूकता हमें प्रतिक्रिया देने से पहले रुकने और सोचने का अवसर देती है। इसलिए आध्यात्मिक विकास केवल किसी रहस्यमय अनुभव का नाम नहीं है। यह दैनिक जीवन के सामान्य क्षणों के प्रति अधिक जागरूक होने की कला भी है।

अंकों को अनुशासन का साधन बनाना

अंक हमारे व्यक्तिगत और आध्यात्मिक विकास में अनुशासन पैदा करने में सहायक हो सकते हैं। हर सुबह 10 मिनट ध्यान, प्रतिदिन 30 मिनट पढ़ना या सप्ताह में निश्चित समय समाज सेवा के लिए निकालना अच्छी आदतों को विकसित कर सकता है। अंकों में अपने आप कोई जादुई शक्ति नहीं होती। उनका महत्व हमारे इरादे, नियमितता और अनुशासन में है। मैं शांत होना चाहता हूं कहने के बजाय यदि हम प्रतिदिन दस मिनट ध्यान करने का निर्णय लें, तो इच्छा एक व्यावहारिक आदत में बदल जाती है।

ऊर्जा और मानव संबंध

हमारा व्यवहार दूसरों को भी प्रभावित करता है। दयालु, शांत और प्रोत्साहित करने वाले व्यक्ति की संगति हमें अच्छा महसूस करा सकती है। इसके विपरीत, क्रोध और नकारात्मकता से भरा व्यवहार आसपास के वातावरण को प्रभावित कर सकता है।

एक मुस्कान, मधुर शब्द, धैर्यपूर्वक किसी की बात सुनना या किसी की सहायता करना किसी के दिन को बेहतर बना सकता है। इसलिए आध्यात्मिक विकास केवल अपने भीतर शांति खोजने का नाम नहीं है। यह दूसरों के साथ करुणा, सम्मान और ईमानदारी से व्यवहार करने की प्रक्रिया भी है।

आत्म-जागरूकता से करुणा तक

जब हम अपनी कमजोरियों, भय और संघर्षों को समझने लगते हैं, तो हम दूसरों के प्रति भी अधिक संवेदनशील हो सकते हैं। हमें यह समझ आने लगता है कि प्रत्येक व्यक्ति अपनी ऐसी चुनौतियों से जूझ रहा हो सकता है जो बाहर से दिखाई नहीं देतीं। इसलिए हमें स्वयं से पूछना चाहिए—क्या मैं धैर्य लेकर चलता हूं या अधीरता क्या मैं दूसरों का उत्साह बढ़ाता हूं या अनावश्यक आलोचना करता हूं क्या मेरे शब्द दूसरों में आशा पैदा करते हैं ये प्रश्न किसी व्यक्ति की आध्यात्मिक प्रगति को अंकों से मापने की तुलना में कहीं अधिक महत्वपूर्ण हैं।

अंकों की गलत व्याख्या से सावधान

अंकों से जुड़े रहस्यमय विश्वास कई लोगों को आकर्षित करते हैं। अंक-ज्योतिष जैसी प्रणालियां सांस्कृतिक या व्यक्तिगत विश्वास के रूप में रोचक हो सकती हैं, लेकिन उन्हें वैज्ञानिक सत्य के रूप में प्रस्तुत करना उचित नहीं है।

कोई भी अंक विश्वसनीय रूप से किसी व्यक्ति के भविष्य, स्वास्थ्य, व्यक्तित्व या भाग्य की भविष्यवाणी नहीं कर सकता।

इसलिए आध्यात्मिक खोज के साथ वैज्ञानिक सोच और तार्किक दृष्टिकोण बनाए रखना भी आवश्यक है। आध्यात्मिक विकास के लिए सरल अभ्यास

आध्यात्मिक विकास के लिए किसी जटिल प्रणाली की आवश्यकता नहीं है।

हम कुछ सरल कदमों से शुरूआत कर सकते हैंः

प्रतिदिन कुछ मिनट शांत होकर अपने विचारों को देखें।

अपनी नींद, स्क्रीन टाइम, व्यायाम और पढ़ने की आदतों का रिकॉर्ड रखें।

प्रतिदिन उन चीजों के लिए कृतज्ञता व्यक्त करें जो आपके जीवन में महत्वपूर्ण हैं।

ध्यान और आत्मचिंतन के लिए नियमित समय निर्धारित करें।

अनावश्यक मोबाइल और सोशल मीडिया के उपयोग को कम करें।

दूसरों के साथ दया और सम्मान से व्यवहार करें।

अपनी धारणाओं पर प्रश्न करने और नई बातें सीखने के लिए तैयार रहें।

मंजिल नहीं, एक यात्रा

आध्यात्मिक विकास कोई ऐसी उपलब्धि नहीं है जो एक दिन में प्राप्त हो जाए। यह स्वयं को अधिक जागरूक, जिम्मेदार, संतुलित और करुणामय बनाने की निरंतर यात्रा है। ऊर्जा हमारे आंतरिक और सामाजिक जीवन की गुणवत्ता को समझने के लिए एक उपयोगी अवधारणा हो सकती है, जबकि अंक हमें अपने समय, आदतों और अनुशासन को समझने के लिए एक ढांचा प्रदान कर सकते हैं। वास्तविक शक्ति किसी विशेष अंक या किसी अदृश्य शक्ति में नहीं, बल्कि जागरूकता, उद्देश्य, अनुशासन और अच्छे कर्मों में है।

अंततः आध्यात्मिक विकास का मूल्यांकन इस बात से नहीं होना चाहिए कि हम क्या कहते हैं, बल्कि इस बात से होना चाहिए कि हम कैसे जीते हैं। क्या हम उदासीन हुए बिना शांत हो रहे हैं क्या हम अहंकारी बने बिना आत्मविश्वासी हो रहे हैं क्या हम दूसरों को कमतर समझे बिना अधिक ज्ञानवान बन रहे हैं क्या हम सफलता के साथ अपनी करुणा भी बनाए रख रहे हैं

ये प्रश्न हमें अंकों और सिद्धांतों से आगे ले जाकर आध्यात्मिकता के वास्तविक स्वरूप तक पहुंचाते हैं। सबसे बड़ी यात्रा भीतर की यात्रा है। जब जागरूकता हमारी ऊर्जा को सही दिशा देती है और अनुशासन हमारे कर्मों को उद्देश्य देता है, तब दैनिक जीवन की सामान्य गतिविधियां भी आध्यात्मिक विकास के अवसर बन सकती हैं।

- डॉ. विजय गर्ग
सेवानिवृत्त प्रिंसिपल, शिक्षाविद् एवं प्रख्यात वैज्ञानिक
स्ट्रीट कौर चंद, एमएचआर, मलोट, पंजाब

तिथि विशेष

महिला समानता दिवस

हर वर्ष 26 अगस्त को महिला समानता दिवस मनाया जाता है। यह दिन महिलाओं के समान अधिकार, स्वतंत्रता और अवसरों के लिए किए गए लंबे संघर्ष की याद दिलाता है। महिला समानता दिवस केवल महिलाओं को सम्मान देने का अवसर नहीं, बल्कि समाज में लैंगिक समानता की स्थिति पर विचार करने और समानता के लिए आगे बढ़ने का संकल्प लेने का दिन भी है। महिला समानता दिवस की शुरुआत अमेरिका में महिलाओं को मतदान का अधिकार मिलने की ऐतिहासिक उपलब्धि से जुड़ी है। 26 अगस्त 1920 को अमेरिका के संविधान में 19वां संशोधन लागू हुआ, जिसके तहत महिलाओं को मतदान का संवैधानिक अधिकार मिला। इस ऐतिहासिक घटना की स्मृति में 26 अगस्त को महिला समानता दिवस के रूप में मनाया जाने लगा। धीरे-धीरे यह दिवस महिलाओं के व्यापक सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक और शैक्षणिक अधिकारों का प्रतीक बन गया। भारतीय समाज में भी महिलाओं ने समानता के लिए महत्वपूर्ण संघर्ष किया है। स्वतंत्रता आंदोलन से लेकर आज के आधुनिक भारत तक महिलाओं ने शिक्षा, विज्ञान, राजनीति, प्रशासन, खेल, कला, उद्योग और रक्षा जैसे अनेक क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। भारत की महिलाएं देश के विकास में पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर योगदान दे रही हैं। फिर भी कई क्षेत्रों में महिलाओं को भेदभाव, असमान वेतन, शिक्षा के सीमित अवसर, घरेलू हिंसा और सामाजिक रूढ़ियों जैसी चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। महिला समानता का अर्थ केवल महिलाओं को पुरुषों के बराबर अधिकार देना नहीं है, बल्कि उन्हें अपनी क्षमता के अनुसार आगे बढ़ने के लिए समान अवसर और सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराना भी है।

करियर/सेल्फ इम्प्रूवमेंट

अतिरिक्त आय को दूसरा हुनर भी सीखें

नरेंद्र कुमार

एक समय था जब नौकरी का मतलब होता था महीने की तयशुदा आय। एक निश्चित तारीख को वेतन मिलता और उसी से पूरा घर चलता। अगर नौकरी सुरक्षित होती तो भविष्य भी सुरक्षित माना जाता। लेकिन आज का रोजगार बाजार पहले जैसा नहीं रहा, काफी अस्थिर है। हर समय नौकरी पर एक खतरा मंडराता रहता है। ऐसा इसलिए है; क्योंकि तेजी से तकनीक बदल रही है। कंपनियों का ढांचा बदल रहा है और एआई तथा कामकाज की अन्य तेजी से बदल रही डिजिटल तकनीकों के कारण कंपनियों का तेजी से कामकाज का तरीका बदल रहा है। ऐसे में केवल एक नौकरी में अच्छा प्रदर्शन करते रहना, सुरक्षा की गारंटी नहीं है। कॅरियर को मजबूत बनाने का एक तरीका यह भी है कि अपनी मुख्य नौकरी के साथ कोई ऐसा अतिरिक्त कौशल विकसित करें, जिससे जरूरत पड़ने पर कमाई का दूसरा रास्ता खुल सके। लेकिन इसका मतलब यह कतई नहीं है कि हर कोई एक नौकरी के साथ कोई दूसरा काम शुरु कर दे या फिर दिन-रात कमाई के पीछे भागता रहे। असल विचार है अपनी विशेषज्ञता को ऐसी दूसरी उपयोगी क्षमता में बदलना, जिसका बाजार मूल्य हो।

अतिरिक्त आय की बात सुनते ही ज्यादातर लोगों के दिमाग में पार्ट-टाइम नौकरी, घर में कोई दुकान या किसी छोटे-बड़े कारोबार का ख्याल आता है। लेकिन डिजिटल अर्थव्यवस्था ने अब अतिरिक्त आय के लिए दूसरे अनगिनत रास्ते खोल दिए हैं। मसलन अगर आप लिखना जानते हैं तो नौकरी के बाद या छुट्टी वाले दिन कंटेंट राइटिंग कर सकते हैं। अगर किसी भाषा में अच्छी पकड़ बना लें, तो अनुवाद का काम कर सकते हैं। अगर भाषा और लेखन पर पकड़ है तो लिखी हुई किताबों को संपादित कर सकते हैं, स्क्रिप्ट लिख सकते हैं। अगर किसी विषय में अच्छी समझ है और पढ़ाने में रुचि है, तो ऑनलाइन ट्यूशन पढ़ा सकते हैं, किसी कोर्स का प्रशिक्षण दे सकते हैं। अगर डिजाइन आती है तो ग्रॅाफिक डिजाइन सिखा सकते हैं। अगर आपमें वीडियो एडिटिंग या प्रजेंटेशन स्किल है, तो इसकी सेवाएं घर में एक दो घंटे देकर भी ठीकठाक कमाई कर सकते हैं। अगर किसी भी क्षेत्र में वर्षों का अनुभव है, तो कंसल्टिंग या मेंटरिंग भी कर सकते हैं। लब्बोलुआब यह कि आजकल अगर आपने ठीकठाक पढ़ाई कर रखी है और उस विषय में आपकी सही समझ है, तो बिना अतिरिक्त हाथ पैर मारे भी दूसरी कमाई कर सकते हैं यानी आपकी मौजूदा विशेषज्ञता से ही दूसरी आय हो सकती है। लेकिन आमतौर पर लोग अतिरिक्त आय के मामले में पहले गलती यह करते हैं कि अपने में कोई अतिरिक्त हुनर नहीं

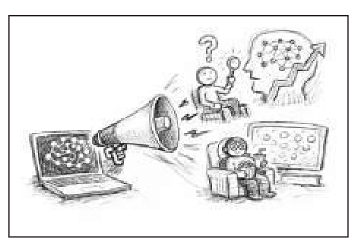

विकसित करते बल्कि किसी भी काम को लेकर छूटते ही सबसे पहले पूछते हैं, 'इससे कितने पैसे मिलेंगे?' जबकि पूछना यह चाहिए, 'मैं ऐसा क्या कर सकता हूं, जिसकी किसी को जरूरत हो और मेरी आय बढ़े।' मान लीजिए किसी व्यक्ति को एक्सेल पर काम करना बहुत अच्छा आता है, तो उसे छोटे कारोबारों के लिए बिक्री, स्टॉक या खर्च प्रबंधन करने वाली शीट तैयार करना सीखना चाहिए, जिससे कि घर में एक दो घंटा काम करने पर भी अतिरिक्त कमाई की जा सके। आजकल कहीं काम मांगने के लिए जाने की जरूरत नहीं है, सैकड़ों ऐसी वेबसाइटें हैं, जो काम देती हैं और काम का भुगतान करती हैं, लेकिन कभी आपको उनसे मिलने-जुलने की जरूरत नहीं पड़ती। डिजिटल तकनीक ने सैकड़ों ऐसे काम विकसित किये हैं, जिन्हें आप कहीं से और कभी भी अपने लैपटॉप या स्मार्ट फोन के जरिये कर सकते हैं। जैसे- किसी वेबसाइट के कंटेंट तैयार करना, किसी के लिए कंटेंट रणनीति या संपादन तैयार करना। अगर आपमें कोई भी डिजिटल कौशल है, तो आज की तारीख में अतिरिक्त कमाई करना बायें हाथ का खेल है। एआई के इस दौर में अनगिनत नये अवसर पैदा किए हैं। आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस ने अतिरिक्त आय वाले कौशलों की दुनिया को बहुत विस्तृत कर दिया है। एआई का इस्तेमाल करके रिसर्च, ड्रॉफ्टिंग, डेटा को व्यवस्थित करने, प्रजेंटेशन बनाने, वीडियो स्क्रिप्ट तैयार करने और कई दोहराये जाने वाले कामों को आज की नई तकनीक बहुत तेजी से करना सिखा देती है। लेकिन आपको पहले एआई टूल चलाना तो सीखना ही पड़ेगा। सिर्फ सीखनेभर से भी काम नहीं चलेगा, जल्द ही आपको इसके आगे जाकर किसी मौजूदा कौशल में विशेषज्ञता हासिल करनी पड़ेगी। मसलन किसी शिक्षक के लिए एआई शिक्षा का अर्थ हो सकता है, व्यक्तिगत अध्ययन सामग्री तैयार करना, जबकि इसी टूल का इस्तेमाल कोई मार्केटिंग पेशेवर मार्केटिंग कंटेंट को रिसर्च करने आदि में कर सकता है। इसी तरह किसी पत्रकार के लिए एआई रिसर्च का मतलब बड़ी मात्रा में दस्तावेजों और आंकड़ों को व्यवस्थित करके रिपोर्टिंग में मदद लेना है। भविष्य में प्रतिस्पर्धा सिर्फ यह नहीं होगी कि कौन एआई इस्तेमाल करना जानता है बल्कि यह होगी कि कौन एआई को अपने पेशेवर ज्ञान के साथ अधिक उपयोगी ढंग से जोड़ सकता है। अतिरिक्त आय का रास्ता बनाते समय कभी अपनी मूल नौकरी नहीं छोड़नी चाहिए। अतिरिक्त आय हमेशा एक छोटे प्रयोग के तौरपर शुरू करना चाहिए।

संसार के उलाहनों से परे परमात्मा के प्रति निष्कपट समर्पण और मौन भक्ति ही जीवन का वास्तविक सार

मौन साधना और निष्काम समर्पण ही जीवन का परम सत्य दिखावे में परमात्मा नहीं, केवल दुखों का संसार ही मिलता है

- हरिओम बाजपेई "नादान"

ईश्वर की सच्ची आराधना किसी बाहरी आडंबर, धार्मिक प्रदर्शन या सामाजिक प्रमाण-पत्र की मोहताज नहीं होती। परमात्मा की व्याप्ति संपूर्ण संसार में है, किंतु उन्हें पाने का मार्ग केवल हृदय की शुद्धता और निश्छल भाव में निहित है।यह विचार 'नादान' ने व्यक्त किए। उन्होंने समाज में धर्म के नाम पर बढ़ते दिखावे पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वर्तमान दौर में भक्ति को वेशभूषा, पूजा के कर्मकांडों और सार्वजनिक प्रदर्शन से जोड़कर देखा जाने लगा है। समाज व्यक्ति को उसकी बाहरी गतिविधियों के आधार पर आस्तिक या नास्तिक घोषित करता है, जो कि नितांत निरर्थक है। परमात्मा संसार के इन संकीर्ण पैमानों से परे हैं। वे बाहरी आडंबरों को नहीं, बल्कि मनुष्य के भीतर छुपी नीयत, करुणा और कर्म की पवित्रता को देखते हैं। नादान ने जीवन दर्शन पर बल देते हुए कहा संसार के उलाहनों से परे परमात्मा के प्रति निष्कपट समर्पण और मौन भक्ति ही जीवन का वास्तविक सार है। जब कोई व्यक्ति अपने प्रत्येक कार्य को ईश्वर की इच्छा मानकर निष्काम भाव से करता है, तो उसके भीतर से लोक-लाज, आलोचनाओं और संसार के उलाहनों का भय सदा के लिए समाप्त हो जाता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि जब स्वयं परमात्मा ही हमारे हर कर्म के साक्षी हैं, तो फिर किसी अन्य को अपनी भक्ति या आचरण की सफाई देने का कोई औचित्य नहीं बचता। सच्चा भक्त वही है जो संसार के कोलाहल से दूर रहकर, मौन भाव से परमात्मा की रजा में खुश रहे और अपने सत्कर्मों से प्रभु की उपासना करे।

नादान की एक सोच

दीपक की बाती का धर्म केवल जलना और प्रकाश फैलाना है, यह घोषणा करना नहीं कि वह कितना रोशन है। जब भक्ति में स्वयं का प्रदर्शन समाप्त हो जाता है, वहीं से परमात्मा की अनुभूति आरंभ होती है। निस्वार्थ सेवा और शांत मन से किया गया सत्कर्म ही वास्तव में ईश्वर का सबसे सच्चा स्तवन है।

X का एक्सरे

संत समाज चढ़ावे के कथित विवाद की निष्पक्ष जांच और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर बड़ा आंदोलन करेगा। जरूरत पड़ी तो एक लाख संतों के साथ अयोध्या पहुंचकर आंदोलन किया जाएगा। वे रामलला का दर्शन कर चढ़ावे के कथित विवाद को लेकर भगवान श्रीराम से क्षमा मांगेंगे।

कंप्यूटर बाबा

नासिर हुसैन और मैं उन 21 पुराने कप्तानों में से थे जिन्होंने दूसरा पत्र भेजा। यह इमरान खान के लिए एक इंसानी अपील थी कि उन्हें सही इलाज मिले। मुझे लगता है कि सरकार ने इमरान को लगभग खत्म करने की कोशिश की है। हालांकि सोशल मीडिया के जमाने में यह करना मुश्किल होता जा रहा है।

माइकल एथरटन

किसी महिला के कपड़ों से उसकी संस्कृति के प्रति सम्मान को नहीं मापा जाना चाहिए। त्योहारों की असली भावना आपके कपड़ों में नहीं, बल्कि उन भावनाओं और परंपराओं में होती है, जिन्हें आप दिल से मानते हैं। हमारे लिए यह प्यार और प्रार्थना हमारे कुत्तों तक भी जाती है क्योंकि वे भी हमारे परिवार का हिस्सा हैं।

कृति सेनन

जाति जनगणना को लेकर सरकार की मौजूदा कवायद महज 'खानापूर्ति' है। कांग्रेस नेतृत्व की ओर से प्रधानमंत्री को इस मुद्दे पर यह तीसरा पत्र है, लेकिन अब तक किसी भी पत्र का जवाब नहीं मिला है। भारत में सामाजिक न्याय से जुड़ी नीतियों को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए सटीक आंकड़े बेहद जरूरी हैं।

जयराम रमेश

गीता सार

सर्वभूतस्थितं यो मां भजत्येकत्वमास्थितः।
सर्वथा वर्तमानोऽपि स योगी मयि वर्तते ॥

भावार्थ : योग में स्थित जो मनुष्य सभी प्राणियों के हृदय में मुझको स्थित देखता है और भक्ति-भाव में स्थित होकर मेरा ही स्मरण करता है, वह योगी सभी प्रकार से सदैव मुझमें ही स्थित रहता है।

रोजी-रोटी पर संकट

ऑटो चालकों के लिए मराठी भाषा का ज्ञान अनिवार्य करने के बाद महाराष्ट्र सरकार ने अभियान शुरू कर दिया है। मराठी नहीं जानने वाले अब तक 2500 चालकों को नोटिस जारी किए जा चुके हैं। ऑटो चालकों का कहना है कि जो ऑटो चालक टूटी-फूटी मराठी बोलने की कोशिश कर रहे हैं, उन्हें समय न देकर जुर्माना लगाया जा रहा है। सरकार के इस अभियान से सबसे ज्यादा परेशानी उत्तर भारतीय ऑटो चालकों को है, जिनकी रोजी रोटी पर संकट मंडरा रहा है। मुंबई में ऑटो चलाने वालों में सबसे ज्यादा संख्या यूपी-बिहार के लोगों की है। ऐसे में मराठी भाषा की अनिवार्यता बड़े विवाद की

वजह बनती जा रही है। गैर मराठी ऑटो चालक इसका विरोध कर रहे हैं। उनका कहना है कि इस उम्र में हम परिवार पालें या फिर नई भाषा सीखें। सरकार की ओर से अभियान शुरू किए जाने के बाद ऑटो चालकों ने तीन दिन की हड़ताल का ऐलान कर दिया था। सोमवार से चल रही ये हड़ताल बुधवार तक जारी रहने वाली है। लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। महाराष्ट्र सरकार के ट्रांसपोर्ट मंत्री प्रताप सरनाइक ने 28 अप्रैल को एक आदेश जारी किया था, जिसमें कहा गया था कि जिन ऑटो चालकों को मराठी नहीं आती, उन्हें इसे अनिवार्य तौर पर सीखना होगा। तीन महीने के अंदर अगर ऐसा नहीं किया जाता तो पहले उन पर जुर्माना लगाया जाएगा, फिर उनका परमिट रद्द कर दिया जाएगा। 20 अगस्त से सरकार ने ऐसे ऑटो और टैक्सी ड्राइवरों के खिलाफ अभियान शुरू कर दिया, जिन्हें मराठी नहीं आती है। सरकारी आंकड़ों के हिसाब से अब तक 13 हजार ड्राइवरों की जांच की जा चुकी है, जिनमें से 2500 को मराठी नहीं आने की वजह से नोटिस दिया गया है। अभियान 30 सितंबर तक चलाए जाने की तैयारी है। मुंबई में उत्तर भारतीय ऑटो चालक कितने हैं, इसका कोई सटीक आंकड़ा तो जारी नहीं किया गया, मगर मुंबई की ऑटो रिक्शा यूनियन के मुताबिक कुल रजिस्टर्ड 2.80 लाख ऑटो में से 70 से 75 प्रतिशत चालक उत्तर भारत के हैं। इस लिहाज से तकरीबन 2 लाख ऑटो चलाने वालों की रोजी रोटी पर सीधा संकट है, क्योंकि इन्हें मराठी नहीं आती। अगर इसमें टैक्सी चालकों की संख्या भी जोड़ ली जाए, जो इनकी संख्या तकरीबन 3.75 लाख से 4 लाख के आसपास होती है। अप्रैल में जब ट्रांसपोर्ट मंत्री प्रताप सरनाइक ने मराठी की अनिवार्यता संबंधी आदेश जारी किया था, उस वक्त इन यूनियनों ने विरोध जताया और आदेश के खिलाफ हस्ताक्षर अभियान चलाया था। ट्रांसपोर्ट मंत्री के आदेश के मुताबिक हर चालक को मराठी की वर्किंग नॉलेज होना जरूरी है। अगर किसी को टूटी फूटी मराठी आती है तो उसे एक महीने का नोटिस दिया जाएगा। इस अवधि में चालक को मराठी कोर्स पूरा करना होगा। प्रशासन इसकी जांच करेगा। आरटीओ ड्राइवर से बात करके देखेंगे कि उसे मराठी आती है या नहीं।

आध्यात्मिक विकास में ऊर्जा और अंकों का महत्व

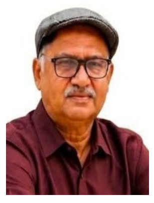

आध्यात्मिक विकास मनुष्य के जीवन की एक गहरी और व्यक्तिगत यात्रा है। यह किसी एक धर्म, परंपरा, अनुष्ठान या विश्वास तक सीमित नहीं है। इसका मूल उद्देश्य स्वयं को समझना, आंतरिक शांति विकसित करना, अपने विचारों और कर्मों के प्रति जागरूक होना तथा जीवन के गहरे उद्देश्य को पहचानना है। मनुष्य ने सदियों से इस आंतरिक यात्रा को समझने के लिए ध्यान, योग, चिंतन और विभिन्न दार्शनिक विचारों का सहारा लिया है। इनमें ऊर्जा और अंकों की अवधारणा भी विशेष रुचि का विषय रही है।

ऊर्जा को सामान्यतः जीवन-शक्ति, सक्रियता, भावनाओं और मानसिक अवस्था से जोड़ा जाता है। विज्ञान में ऊर्जा के विभिन्न रूपों को मापा जा सकता है, जबकि आध्यात्मिक परंपराओं में ह्लआंतरिक ऊर्जा शब्द का प्रयोग चेतना और आंतरिक अनुभवों के संदर्भ में किया जाता है। इसी प्रकार अंक हमें समय, मात्रा और पैटर्न को समझने में सहायता करते हैं। कई संस्कृतियों ने अंकों को प्रतीकात्मक अर्थ भी दिए हैं लेकिन यह समझना आवश्यक है कि आध्यात्मिक प्रतीकवाद और वैज्ञानिक तथ्य एक ही चीज नहीं हैं।

ऊर्जा और मन की अवस्था

हमारी मानसिक और भावनात्मक स्थिति इस बात को प्रभावित करती है कि हम जीवन को किस प्रकार अनुभव करते हैं। शांत मन कठिन परिस्थितियों में भी सोच-समझकर निर्णय लेने में सहायता करता है, जबकि लगातार तनाव, भय और नकारात्मक विचार हमें मानसिक रूप से थका सकते हैं। ध्यान, योग, श्वास पर एकाग्रता और माइंडफुलनेस जैसे अभ्यास मन को शांत करने तथा अपने विचारों को देखने की क्षमता विकसित करने में सहायक हो सकते हैं। आध्यात्मिक विकास की शुरूआत अक्सर यहीं से होती है कि हम अपने विचारों को बिना तुरंत प्रतिक्रिया दिए देखना सीखें।

अंक हमें क्यों आकर्षित करते हैं

अंक मानव सभ्यता के विकास का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। हम समय, दूरी, आयु, धन, शिक्षा और जीवन की अनेक गतिविधियों को अंकों के माध्यम से मापते हैं।

कुछ सांस्कृतिक और आध्यात्मिक परंपराओं में अंकों को प्रतीकात्मक महत्व दिया गया है।

एक को एकता, दो को द्वैत या संतुलन और तीन को पूर्णता या सामंजस्य का प्रतीक माना जा सकता है। लेकिन ये अर्थ सांस्कृतिक या व्यक्तिगत विश्वास हो सकते हैं; इन्हें वैज्ञानिक रूप से सिद्ध शक्तियां नहीं माना जाना चाहिए।

आत्मचिंतन के लिए अंकों की भूमिका

अंकों का सबसे व्यावहारिक उपयोग अपने जीवन का मूल्यांकन करने में हो सकता है। हम प्रतिदिन कितने घंटे मोबाइल पर बिताते हैं कितना समय पढ़ाई, काम, व्यायाम, परिवार और आराम को देते हैं

यदि हम अपनी गतिविधियों का रिकॉर्ड रखें तो हमें अपनी वास्तविक आदतों का पता चल सकता है। कई बार हमारी धारणा और वास्तविकता में काफी अंतर होता है। उदाहरण के लिए, कोई व्यक्ति सोच सकता है कि वह परिवार को पर्याप्त समय देता है, लेकिन समय का हिसाब करने पर पता चल सकता है कि सोशल मीडिया और मोबाइल उसके दिन का बड़ा हिस्सा ले रहे हैं। इस प्रकार अंक हमारे जीवन का आईना बन सकते हैं।

ध्यान और एकाग्रता की शक्ति

मानव का ध्यान सीमित होता है। हम जिस चीज के बारे में बार-बार सोचते हैं, वह हमारी मानसिकता को प्रभावित करती है। यदि हमारा ध्यान हमेशा भय, क्रोध, तुलना और नकारात्मकता पर केंद्रित रहता है, तो ये भावनाएं हमारी सोच पर हावी हो सकती हैं।

इसके विपरीत, यदि हम अपना ध्यान सीखने, कृतज्ञता, करुणा, रचनात्मकता और अच्छे संबंधों पर केंद्रित करें, तो हमारी मानसिक स्थिति अधिक संतुलित हो सकती है। इसका अर्थ यह नहीं कि केवल सकारात्मक सोच से हर समस्या हल हो सकती है। जीवन में दुख, नुकसान, असफलता और अनिश्चितता भी होती है। आध्यात्मिक परिपक्वता का अर्थ कठिनाइयों से भागना नहीं, बल्कि उनका सामना करने की आंतरिक शक्ति विकसित करना है।

ध्यान और आंतरिक संतुलन

ध्यान मन को समझने का एक व्यावहारिक तरीका है। व्यक्ति अपने श्वास, शारीरिक अनुभव या किसी ध्वनि पर ध्यान केंद्रित कर सकता है। इस दौरान विचार आते-जाते रहते हैं, लेकिन उन पर तुरंत प्रतिक्रिया करना आवश्यक नहीं है।

नियमित अभ्यास से व्यक्ति अपने क्रोध, भय और अन्य भावनाओं को अधिक स्पष्टता से पहचान सकता है। यह जागरूकता हमें प्रतिक्रिया देने से पहले रुकने और सोचने का अवसर देती है। इसलिए आध्यात्मिक विकास केवल किसी रहस्यमय अनुभव का नाम नहीं है। यह दैनिक जीवन के सामान्य क्षणों के प्रति अधिक जागरूक होने की कला भी है।

अंकों को अनुशासन का साधन बनाना

अंक हमारे व्यक्तिगत और आध्यात्मिक विकास में अनुशासन पैदा करने में सहायक हो सकते हैं। हर सुबह 10 मिनट ध्यान, प्रतिदिन 30 मिनट पढ़ना या सप्ताह में निश्चित समय समाज सेवा के लिए निकालना अच्छी आदतों को विकसित कर सकता है। अंकों में अपने आप कोई जादुई शक्ति नहीं होती। उनका महत्व हमारे इरादे, नियमितता और अनुशासन में है। मैं शांत होना चाहता हूं कहने के बजाय यदि हम प्रतिदिन दस मिनट ध्यान करने का निर्णय लें, तो इच्छा एक व्यावहारिक आदत में बदल जाती है।

ऊर्जा और मानव संबंध

हमारा व्यवहार दूसरों को भी प्रभावित करता है। दयालु, शांत और प्रोत्साहित करने वाले व्यक्ति की संगति हमें अच्छा महसूस करा सकती है। इसके विपरीत, क्रोध और नकारात्मकता से भरा व्यवहार आसपास के वातावरण को प्रभावित कर सकता है।

एक मुस्कान, मधुर शब्द, धैर्यपूर्वक किसी की बात सुनना या किसी की सहायता करना किसी के दिन को बेहतर बना सकता है। इसलिए आध्यात्मिक विकास केवल अपने भीतर शांति खोजने का नाम नहीं है। यह दूसरों के साथ करुणा, सम्मान और ईमानदारी से व्यवहार करने की प्रक्रिया भी है।

आत्म-जागरूकता से करुणा तक

जब हम अपनी कमजोरियों, भय और संघर्षों को समझने लगते हैं, तो हम दूसरों के प्रति भी अधिक संवेदनशील हो सकते हैं। हमें यह समझ आने लगता है कि प्रत्येक व्यक्ति अपनी ऐसी चुनौतियों से जूझ रहा हो सकता है जो बाहर से दिखाई नहीं देतीं। इसलिए हमें स्वयं से पूछना चाहिए—क्या मैं धैर्य लेकर चलता हूं या अधीरता क्या मैं दूसरों का उत्साह बढ़ाता हूं या अनावश्यक आलोचना करता हूं क्या मेरे शब्द दूसरों में आशा पैदा करते हैं ये प्रश्न किसी व्यक्ति की आध्यात्मिक प्रगति को अंकों से मापने की तुलना में कहीं अधिक महत्वपूर्ण हैं।

अंकों की गलत व्याख्या से सावधान

अंकों से जुड़े रहस्यमय विश्वास कई लोगों को आकर्षित करते हैं। अंक-ज्योतिष जैसी प्रणालियां सांस्कृतिक या व्यक्तिगत विश्वास के रूप में रोचक हो सकती हैं, लेकिन उन्हें वैज्ञानिक सत्य के रूप में प्रस्तुत करना उचित नहीं है।

कोई भी अंक विश्वसनीय रूप से किसी व्यक्ति के भविष्य, स्वास्थ्य, व्यक्तित्व या भाग्य की भविष्यवाणी नहीं कर सकता।

इसलिए आध्यात्मिक खोज के साथ वैज्ञानिक सोच और तार्किक दृष्टिकोण बनाए रखना भी आवश्यक है। आध्यात्मिक विकास के लिए सरल अभ्यास

आध्यात्मिक विकास के लिए किसी जटिल प्रणाली की आवश्यकता नहीं है।

हम कुछ सरल कदमों से शुरूआत कर सकते हैंः

प्रतिदिन कुछ मिनट शांत होकर अपने विचारों को देखें।

अपनी नींद, स्क्रीन टाइम, व्यायाम और पढ़ने की आदतों का रिकॉर्ड रखें।

प्रतिदिन उन चीजों के लिए कृतज्ञता व्यक्त करें जो आपके जीवन में महत्वपूर्ण हैं।

ध्यान और आत्मचिंतन के लिए नियमित समय निर्धारित करें।

अनावश्यक मोबाइल और सोशल मीडिया के उपयोग को कम करें।

दूसरों के साथ दया और सम्मान से व्यवहार करें।

अपनी धारणाओं पर प्रश्न करने और नई बातें सीखने के लिए तैयार रहें।

मंजिल नहीं, एक यात्रा

आध्यात्मिक विकास कोई ऐसी उपलब्धि नहीं है जो एक दिन में प्राप्त हो जाए। यह स्वयं को अधिक जागरूक, जिम्मेदार, संतुलित और करुणामय बनाने की निरंतर यात्रा है। ऊर्जा हमारे आंतरिक और सामाजिक जीवन की गुणवत्ता को समझने के लिए एक उपयोगी अवधारणा हो सकती है, जबकि अंक हमें अपने समय, आदतों और अनुशासन को समझने के लिए एक ढांचा प्रदान कर सकते हैं। वास्तविक शक्ति किसी विशेष अंक या किसी अदृश्य शक्ति में नहीं, बल्कि जागरूकता, उद्देश्य, अनुशासन और अच्छे कर्मों में है।

अंततः आध्यात्मिक विकास का मूल्यांकन इस बात से नहीं होना चाहिए कि हम क्या कहते हैं, बल्कि इस बात से होना चाहिए कि हम कैसे जीते हैं। क्या हम उदासीन हुए बिना शांत हो रहे हैं क्या हम अहंकारी बने बिना आत्मविश्वासी हो रहे हैं क्या हम दूसरों को कमतर समझे बिना अधिक ज्ञानवान बन रहे हैं क्या हम सफलता के साथ अपनी करुणा भी बनाए रख रहे हैं

ये प्रश्न हमें अंकों और सिद्धांतों से आगे ले जाकर आध्यात्मिकता के वास्तविक स्वरूप तक पहुंचाते हैं। सबसे बड़ी यात्रा भीतर की यात्रा है। जब जागरूकता हमारी ऊर्जा को सही दिशा देती है और अनुशासन हमारे कर्मों को उद्देश्य देता है, तब दैनिक जीवन की सामान्य गतिविधियां भी आध्यात्मिक विकास के अवसर बन सकती हैं।

- डॉ. विजय गर्ग
सेवानिवृत्त प्रिंसिपल, शिक्षाविद् एवं प्रख्यात वैज्ञानिक
स्ट्रीट कौर चंद, एमएचआर, मलोट, पंजाब

तिथि विशेष

महिला समानता दिवस

हर वर्ष 26 अगस्त को महिला समानता दिवस मनाया जाता है। यह दिन महिलाओं के समान अधिकार, स्वतंत्रता और अवसरों के लिए किए गए लंबे संघर्ष की याद दिलाता है। महिला समानता दिवस केवल महिलाओं को सम्मान देने का अवसर नहीं, बल्कि समाज में लैंगिक समानता की स्थिति पर विचार करने और समानता के लिए आगे बढ़ने का संकल्प लेने का

दिन भी है। महिला समानता दिवस की शुरुआत अमेरिका में महिलाओं को मतदान का अधिकार मिलने की ऐतिहासिक उपलब्धि से जुड़ी है। 26 अगस्त 1920 को अमेरिका के संविधान में 19वां संशोधन लागू हुआ, जिसके तहत महिलाओं को मतदान का संवैधानिक अधिकार मिला। इस ऐतिहासिक घटना की स्मृति में 26 अगस्त को महिला समानता दिवस के रूप में मनाया जाने लगा। धीरे-धीरे यह दिवस महिलाओं के व्यापक सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक और शैक्षणिक अधिकारों का प्रतीक बन गया। भारतीय समाज में भी महिलाओं ने समानता के लिए महत्वपूर्ण संघर्ष किया है। स्वतंत्रता आंदोलन से लेकर आज के आधुनिक भारत तक महिलाओं ने शिक्षा, विज्ञान, राजनीति, प्रशासन, खेल, कला, उद्योग और रक्षा जैसे अनेक क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। भारत की महिलाएं देश के विकास में पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर योगदान दे रही हैं। फिर भी कई क्षेत्रों में महिलाओं को भेदभाव, असमान वेतन, शिक्षा के सीमित अवसर, घरेलू हिंसा और सामाजिक रूढ़ियों जैसी चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। महिला समानता का अर्थ केवल महिलाओं को पुरुषों के बराबर अधिकार देना नहीं है, बल्कि उन्हें अपनी क्षमता के अनुसार आगे बढ़ने के लिए समान अवसर और सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराना भी है।

करियर/सेल्फ इम्प्रूवमेंट

अतिरिक्त आय को दूसरा हुनर भी सीखें

नरेंद्र कुमार

एक समय था जब नौकरी का मतलब होता था महीने की तयशुदा आय। एक निश्चित तारीख को वेतन मिलता और उसी से पूरा घर चलता। अगर नौकरी सुरक्षित होती तो भविष्य भी सुरक्षित माना जाता। लेकिन आज का रोजगार बाजार पहले जैसा नहीं रहा, काफी अस्थिर है। हर समय नौकरी पर एक खतरा मंडराता रहता है। ऐसा इसलिए है; क्योंकि तेजी से तकनीक बदल रही है। कंपनियों का ढांचा बदल रहा है और एआई तथा कामकाज की अन्य तेजी से बदल रही डिजिटल तकनीकों के कारण कंपनियों का तेजी से कामकाज का तरीका बदल रहा है। ऐसे में केवल एक नौकरी में अच्छा प्रदर्शन करते रहना, सुरक्षा की गारंटी नहीं है। कॅरियर को मजबूत बनाने का एक तरीका यह भी है कि अपनी मुख्य नौकरी के साथ कोई ऐसा अतिरिक्त कौशल विकसित करें, जिससे जरूरत पड़ने पर कमाई का दूसरा रास्ता खुल सके। लेकिन इसका मतलब यह कतई नहीं है कि हर कोई एक नौकरी के साथ कोई दूसरा काम शुरु कर दे या फिर दिन-रात कमाई के पीछे भागता रहे। असल विचार है अपनी विशेषज्ञता को ऐसी दूसरी उपयोगी क्षमता में बदलना, जिसका बाजार मूल्य हो।

अतिरिक्त आय की बात सुनते ही ज्यादातर लोगों के दिमाग में पार्ट-टाइम नौकरी, घर में कोई दुकान या किसी छोटे-बड़े कारोबार का ख्याल आता है। लेकिन डिजिटल अर्थव्यवस्था ने अब अतिरिक्त आय के लिए दूसरे अनगिनत रास्ते खोल दिए हैं। मसलन अगर आप लिखना जानते हैं तो नौकरी के बाद या छुट्टी वाले दिन कंटेंट राइटिंग कर सकते हैं। अगर किसी भाषा में अच्छी पकड़ बना लें, तो अनुवाद का काम कर सकते हैं। अगर भाषा और लेखन पर पकड़ है तो लिखी हुई किताबों को संपादित कर सकते हैं, स्क्रिप्ट लिख सकते हैं। अगर किसी विषय में अच्छी समझ है और पढ़ाने में रुचि है, तो ऑनलाइन ट्यूशन पढ़ा सकते हैं, किसी कोर्स का प्रशिक्षण दे सकते हैं। अगर डिजाइन आती है तो ग्रॅाफिक डिजाइन सिखा सकते हैं। अगर आपमें वीडियो एडिटिंग या प्रजेंटेशन स्किल है, तो इसकी सेवाएं घर में एक दो घंटे देकर भी ठीकठाक कमाई कर सकते हैं। अगर किसी भी क्षेत्र में वर्षों का अनुभव है, तो कंसल्टिंग या मेंटरिंग भी कर सकते हैं। लब्बोलुआब यह कि आजकल अगर आपने ठीकठाक पढ़ाई कर रखी है और उस विषय में आपकी सही समझ है, तो बिना अतिरिक्त हाथ पैर मारे भी दूसरी कमाई कर सकते हैं यानी आपकी मौजूदा विशेषज्ञता से ही दूसरी आय हो सकती है। लेकिन आमतौर पर लोग अतिरिक्त आय के मामले में पहले गलती यह करते हैं कि अपने में कोई अतिरिक्त हुनर नहीं

विकसित करते बल्कि किसी भी काम को लेकर छूटते ही सबसे पहले पूछते हैं, 'इससे कितने पैसे मिलेंगे?' जबकि पूछना यह चाहिए, 'मैं ऐसा क्या कर सकता हूं, जिसकी किसी को जरूरत हो और मेरी आय बढ़े।' मान लीजिए किसी व्यक्ति को एक्सेल पर काम करना बहुत अच्छा आता है, तो उसे छोटे कारोबारों के लिए बिक्री, स्टॉक या खर्च प्रबंधन करने वाली शीट तैयार करना सीखना चाहिए, जिससे कि घर में एक दो घंटा काम करने पर भी अतिरिक्त कमाई की जा सके। आजकल कहीं काम मांगने के लिए जाने की जरूरत नहीं है, सैकड़ों ऐसी वेबसाइटें हैं, जो काम देती हैं और काम का भुगतान करती हैं, लेकिन कभी आपको उनसे मिलने-जुलने की जरूरत नहीं पड़ती। डिजिटल तकनीक ने सैकड़ों ऐसे काम विकसित किये हैं, जिन्हें आप कहीं से और कभी भी अपने लैपटॉप या स्मार्ट फोन के जरिये कर सकते हैं। जैसे- किसी वेबसाइट के कंटेंट तैयार करना, किसी के लिए कंटेंट रणनीति या संपादन तैयार करना। अगर आपमें कोई भी डिजिटल कौशल है, तो आज की तारीख में अतिरिक्त कमाई करना बायें हाथ का खेल है। एआई के इस दौर में अनगिनत नये अवसर पैदा किए हैं। आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस ने अतिरिक्त आय वाले कौशलों की दुनिया को बहुत विस्तृत कर दिया है। एआई का इस्तेमाल करके रिसर्च, ड्रॉफ्टिंग, डेटा को व्यवस्थित करने, प्रजेंटेशन बनाने, वीडियो स्क्रिप्ट तैयार करने और कई दोहराये जाने वाले कामों को आज की नई तकनीक बहुत तेजी से करना सिखा देती है। लेकिन आपको पहले एआई टूल चलाना तो सीखना ही पड़ेगा। सिर्फ सीखनेभर से भी काम नहीं चलेगा, जल्द ही आपको इसके आगे जाकर किसी मौजूदा कौशल में विशेषज्ञता हासिल करनी पड़ेगी। मसलन किसी शिक्षक के लिए एआई शिक्षा का अर्थ हो सकता है, व्यक्तिगत अध्ययन सामग्री तैयार करना, जबकि इसी टूल का इस्तेमाल कोई मार्केटिंग पेशेवर मार्केटिंग कंटेंट को रिसर्च करने आदि में कर सकता है। इसी तरह किसी पत्रकार के लिए एआई रिसर्च का मतलब बड़ी मात्रा में दस्तावेजों और आंकड़ों को व्यवस्थित करके रिपोर्टिंग में मदद लेना है। भविष्य में प्रतिस्पर्धा सिर्फ यह नहीं होगी कि कौन एआई इस्तेमाल करना जानता है बल्कि यह होगी कि कौन एआई को अपने पेशेवर ज्ञान के साथ अधिक उपयोगी ढंग से जोड़ सकता है। अतिरिक्त आय का रास्ता बनाते समय कभी अपनी मूल नौकरी नहीं छोड़नी चाहिए। अतिरिक्त आय हमेशा एक छोटे प्रयोग के तौरपर शुरू करना चाहिए।

संसार के उलाहनों से परे परमात्मा के प्रति निष्कपट समर्पण और मौन भक्ति ही जीवन का वास्तविक सार

मौन साधना और निष्काम समर्पण ही जीवन का परम सत्य दिखावे में परमात्मा नहीं, केवल दुखों का संसार ही मिलता है

- हरिओम बाजपेई "नादान"

ईश्वर की सच्ची आराधना किसी बाहरी आडंबर, धार्मिक प्रदर्शन या सामाजिक प्रमाण-पत्र की मोहताज नहीं होती। परमात्मा की व्याप्ति संपूर्ण संसार में है, किंतु उन्हें पाने का मार्ग केवल हृदय की शुद्धता और निश्छल भाव में निहित है।यह विचार 'नादान' ने व्यक्त किए। उन्होंने समाज में धर्म के नाम पर बढ़ते दिखावे पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वर्तमान दौर में भक्ति को वेशभूषा, पूजा के कर्मकांडों और सार्वजनिक प्रदर्शन से जोड़कर देखा जाने लगा है। समाज व्यक्ति को उसकी बाहरी गतिविधियों के आधार पर आस्तिक या नास्तिक घोषित करता है, जो कि नितांत निरर्थक है। परमात्मा संसार के इन संकीर्ण पैमानों से परे हैं। वे बाहरी आडंबरों को नहीं, बल्कि मनुष्य के भीतर छुपी नीयत, करुणा और कर्म की पवित्रता को देखते हैं। नादान ने जीवन दर्शन पर बल देते हुए कहा संसार के उलाहनों से परे परमात्मा के प्रति निष्कपट समर्पण और मौन भक्ति ही जीवन का वास्तविक सार है। जब कोई व्यक्ति अपने प्रत्येक कार्य को ईश्वर की इच्छा मानकर निष्काम भाव से करता है, तो उसके भीतर से लोक-लाज, आलोचनाओं और संसार के उलाहनों का भय सदा के लिए समाप्त हो जाता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि जब स्वयं परमात्मा ही हमारे हर कर्म के साक्षी हैं, तो फिर किसी अन्य को अपनी भक्ति या आचरण की सफाई देने का कोई औचित्य नहीं बचता। सच्चा भक्त वही है जो संसार के कोलाहल से दूर रहकर, मौन भाव से परमात्मा की रजा में खुश रहे और अपने सत्कर्मों से प्रभु की उपासना करे।

नादान की एक सोच

दीपक की बाती का धर्म केवल जलना और प्रकाश फैलाना है, यह घोषणा करना नहीं कि वह कितना रोशन है। जब भक्ति में स्वयं का प्रदर्शन समाप्त हो जाता है, वहीं से परमात्मा की अनुभूति आरंभ होती है। निस्वार्थ सेवा और शांत मन से किया गया सत्कर्म ही वास्तव में ईश्वर का सबसे सच्चा स्तवन है।

X का एक्सरे

संत समाज चढ़ावे के कथित विवाद की निष्पक्ष जांच और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर बड़ा आंदोलन करेगा। जरूरत पड़ी तो एक लाख संतों के साथ अयोध्या पहुंचकर आंदोलन किया जाएगा। वे रामलला का दर्शन कर चढ़ावे के कथित विवाद को लेकर भगवान श्रीराम से क्षमा मांगेंगे।

कंप्यूटर बाबा

नासिर हुसैन और मैं उन 21 पुराने कप्तानों में से थे जिन्होंने दूसरा पत्र भेजा। यह इमरान खान के लिए एक इंसानी अपील थी कि उन्हें सही इलाज मिले। मुझे लगता है कि सरकार ने इमरान को लगभग खत्म करने की कोशिश की है। हालांकि सोशल मीडिया के जमाने में यह करना मुश्किल होता जा रहा है।

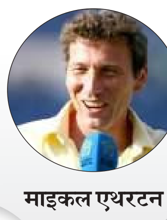

माइकल एथरटन

किसी महिला के कपड़ों से उसकी संस्कृति के प्रति सम्मान को नहीं मापा जाना चाहिए। त्योहारों की असली भावना आपके कपड़ों में नहीं, बल्कि उन भावनाओं और परंपराओं में होती है, जिन्हें आप दिल से मानते हैं। हमारे लिए यह प्यार और प्रार्थना हमारे कुत्तों तक भी जाती है क्योंकि वे भी हमारे परिवार का हिस्सा हैं।

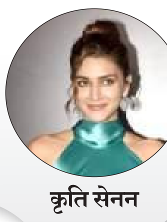

कृति सेनन

जाति जनगणना को लेकर सरकार की मौजूदा कवायद महज 'खानापूर्ति' है। कांग्रेस नेतृत्व की ओर से प्रधानमंत्री को इस मुद्दे पर यह तीसरा पत्र है, लेकिन अब तक किसी भी पत्र का जवाब नहीं मिला है। भारत में सामाजिक न्याय से जुड़ी नीतियों को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए सटीक आंकड़े बेहद जरूरी हैं।

जयराम रमेश

बरखेड़ा जश्ने ए ईद मिलाद उन नबी के त्यौहार पर बड़ी शान ए शौकत से निकाला गया जलूस

जागरण मोर्चा कार्यालय

पीलीभीत बरखेड़ा। कस्बे मे बुधवार को 1501 व ईद ए मिलाद उन नवी का त्यौहार बड़ी शानो शौकत के साथ मनाया गया तथा जलूस के समय आतिशबाजी व पटाखे बचाए गये।वही मुस्लिम समुदाय के लोग रवी उल अव्वल की बारहबी शरीफ का त्यौहार पैगंबर हजरत मोहम्मद साहब की पैदाइश के अवसर पर यह त्यौहार मनाते है।वही पैगंबर मोहम्मद साहब की पैदाइश सन 571 ईस्वी मे रेगिस्तान के मक्का शहर मे हुई थी। आपको बताते चले मक्का मे पैदा हुए पैगंबर मोहम्मद साहब का पूरा नाम मोहम्मद इब्न अब्दुल्लाह इब्न अब्दुल मत्तालिब था। उनके बालिद का नाम अब्दुल्लाह और बालिदा का अमिना बीबी था।कहा जाता है पैगंबर मोहम्मद साहब

बरखेड़ा में स्वागत करते लोग। -जागरण मोर्चा

ने 610 ईस्वी मे मक्का के हीरा नाम गुफा मे तालीम हासिल की थी। इसके बाद उन्होंने इस्लाम धर्म की पवित्र कुरान की तिलावत की थी। कहते है की पैगंबर हजरत मोहम्मद साहब का मानना था की दुनिया का सबसे नेक इंसान वही है जिसमे इन्सानियत होती है। वही इस्लाम धर्म का सबसे खास दिन रवी उल अव्वल की बारहवी शरीफ दिन मना जाता है। वही लोग घरो और मस्जिदो को सजाते है। और लोग अपने अपने घरो मे तरह तरह के पकवान पकाते है। और नियाज नजर करते है। और कुराने पाक की तिलावत और इबादत करते है। वही कस्बे मे हर साल की तरह इस साल भी परंपरागत तरीके से जुलूसे मोहम्मदी निकाला गया वही पत्ती पत्ती या फूल या रसूल या रसूल, मेरे नवी की है यह शान बच्चा बच्चा है कुर्बान के नारो से कस्बा गूज उठा वही पैगंबर मोहम्मद साहब के दिवानो ने जुलूस ए मोहम्मदी मे चार चांद लगा दिये वही पुलिस प्रशासन भी मुस्तैद दिखाई दिया इस मौक पर जमा मस्जिद के इमाम हिसामुद्दीन कारी, कादरी मस्जिद के इमाम मामून रजा हशमती,नूरी मस्जिद के इमाम नासिर हुसैन, ताजुश्शरिया मस्जिद के इमाम रियाज अहमद हशमती,मोहम्मद असलम कुरैशी, अकील अंसारी, वशीर अहमद, सेठ मोहम्मद अनस,हाजी रफीक अहमद,सद्दाम अंसारी,नदीम अंसारी,मो रज़ा अंसारी,नफ़ीश अंसारी,रेहान अंसारी, अफरोज अंसारी, डॉ जुल्फ़िकार हैदर, इलियास कुरैशी, जीशान कुरैशी, सोनू कुरैशी, इमरान कुरैशी, फारूक कुरैशी, इमरान अंसारी, हाजी तुफेल अहमद सिद्दीकी, समर ख़ान,फ़ैज़ान अली,इन्तजार अहमद सिद्दीकी, अनवार अहमद सिद्दीकी,नफीस अहमद, डाक्टर हसीब, रिजवान अंसारी, अलीम अंसारी, असलम अंसारी, तौफीक अंसारी, कमरुल अंसारी, शोएब अंसारी, सारिक ऊर्फ चीकू अंसारी, डाक्टर खालिद अंसारी, हाजी सफीक अंसारी सहित कई हजारो की संख्या मे लोग मौजूद रहे।

एच1एन1 का कोई नया प्रकार नहीं, मौजूदा टीके पूरी तरह कारगर

- स्वशासी राजकीय मेडिकल कॉलेज के डॉ अरुण सिंह की अपील: स्वाइन फ्लू से घबराएं नहीं, सतर्कता और बचाव ही सबसे बड़ा सुरक्षा कवच

जागरण मोर्चा कार्यालय

पीलीभीत। देशभर में इन्फ्लुएंजा के बढ़ते मामलों के बीच भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद ने स्थिति स्पष्ट की है।आईसीएमआर के अनुसार वर्तमान में फैल रहा एच1एन1 संक्रमण पुराना ही रूप है और इसका कोई नया प्रकार सामने नहीं आया है। बाजार में उपलब्ध मौसमी फ्लू के टीके इस संक्रमण से बचाव में पूरी तरह सक्षम हैं। मामले पर उप प्रधानाचार्य डॉ अरुण सिंह ने जनपदवासियों को आश्वस्त करते हुए कहा,पीलीभीत जिले में वर्तमान में स्वाइन फ्लू के किसी प्रकोप की पुष्टि नहीं हुई है। हालांकि, पड़ोसी राज्य उत्तराखंड में सामने आए मामलों को देखते हुए जिले के सभी स्वास्थ्य केंद्रों और चिकित्सा संस्थानों को सतर्क निगरानी रखने के निर्देश दिए गए हैं। आम जनता से अपील है कि वे किसी भी तरह की अफवाह पर ध्यान न दें। यदि किसी में भी इन्फ्लुएंजा के लक्षण दिखाई दें, तो

वे तुरंत नजदीकी सरकारी अस्पताल में जाकर चिकित्सकीय परामर्श लें।" स्वाइन फ्लू एक संक्रामक श्वसन बीमारी है, जो मुख्य रूप से संक्रमित व्यक्ति के खांसने, छींकने या दूषित सतहों को छूने से फैलती है। डॉ अरुण सिंह का कहना हैअचानक तेज बुखार आना और लगातार खांसी होना। गले में खराश होना, नाक बहना या बंद हो जाना। सिरदर्द, मांसपेशियों में दर्द और शरीर में अत्यधिक थकान महसूस होना। कुछ मरीजों में उल्टी या दस्त की शिकायत होना। डॉ अरुण सिंह ने बताया साबुन और पानी से नियमित रूप से हाथ धोएं। खांसते या छींकते समय मुंह और नाक को रुमाल या कोहनी से ढकें। भीड़भाड़ वाले स्थानों पर जाने से बचें और बीमार व्यक्तियों से सुरक्षित दूरी बनाए रखें। चिकित्सकों की सलाह पर मौसमी फ्लू का टीका अवश्य लगवाएं। डॉ सिंह ने कहा छोटे बच्चों, बुजुर्गों, गर्भवती महिलाओं तथा हृदय, फेफड़े या मधुमेह जैसी पुरानी बीमारियों से ग्रसित लोगों में संक्रमण की जटिलताओं का खतरा अधिक रहता है। ऐसे व्यक्तियों में लक्षण दिखने पर बिना देरी किए तत्काल चिकित्सकीय सहायता लेनी चाहिए।

> स्वाइन फ्लू से डरने की जरूरत नहीं है। व्यक्तिगत स्वच्छता, समय पर परामर्श और आवश्यक टीकाकरण के जरिए इस संक्रमण से पूरी तरह सुरक्षित रहा जा सकता है।

लखनऊ गांव में मृत कोटेदार के नाम से बिका राशन

जागरण मोर्चा कार्यालय

पीलीभीत। बरखेड़ा के ग्राम पंचायत लखनऊ कला के मृत कोटेदार स्वर्गीय राजेंद्र प्रसाद के नाम पर नवंबर 2023 से राशन का आवंटन और ई-पॉस मशीन से स्टॉक दर्शाया जा रहा था। आरोप है कि 51 क्विंटल सरकारी खाद्यान्न गायब है। नियमों को ताक पर रखकर दोहरी तैनाती का भी आरोप है। क्षेत्रीय खाद्य अधिकारी एआरपीओ मनोज कुमार शर्मा को बीसलपुर में पूर्ति निरीक्षक का अतिरिक्त प्रभार दिया गया। शासनादेश 2016 और 2019 के अनुसार एआरओ को अधीनस्थ पद पर तैनात नहीं किया जा सकता। इसे सिद्धांत का उल्लंघन बताया गया है।शासकीय संसाधनों के दुरुपयोग का भी जिक्र है। शिकायत में कहा गया कि तत्कालीन डीएसओ विकास कुमार और ए0आर0ओ0 ने एक वर्ष तक विभागीय कार्यों के लिए ए0आर0ओ0 की निजी का UP-32-PA-1563 का इस्तेमाल किया। संगठित अवैध उगाही और भ्रष्टाचार का भी आरोप लगा है। बीसलपुर क्षेत्र के कोटेदारों से 20 से 30 हजार रुपये प्रति माह और नए राशन कार्ड के नाम पर 3000 रुपये तक की रिश्वत मांगने का आरोप है। नई दुकान के लिए एक लाख रुपये तक मांगे जाने की बात कही गई है।शिकायतकर्ताओं ने सुप्रीम कोर्ट के 4 ऐतिहासिक निर्णयों का हवाला देते हुए कहा कि तकनीकी साक्ष्यों CCTV, GPS, CDR की जांच जरूरी है। उन्होंने पूरा प्रकरण की विजिलेंस या SIT से उच्च स्तरीय स्वतंत्र जांच की मांग की है।अब देखना यह होगा कि प्रशासन इस गंभीर मामले में क्या कार्रवाई करता है।विभाग की साखऔर गरीबों के राशन को बचाने के लिए कड़ी जांच की मांग जोर पकड़ रही है।

त्याग और निष्काम सेवा की मिसाल बने बाबा गणेश गिरी: अरबों की संपत्ति छोड़ अपनाया साधारण जीवन

जागरण मोर्चा कार्यालय

पीलीभीत। "हर व्यक्ति संसार में मेरा हर कोई अपना है और मैं सबका हूँ।" योगीराज श्री कृष्ण द्वारा श्रीमद्भगवद्गीता में दिए गए इसी अमर संदेश को आत्मसात करते हुए बाबा गणेश गिरी उर्फ दरबारी सिंह जी समाज के सामने निष्काम सेवा की अनूठी मिसाल पेश कर रहे हैं। अरबों की संपत्ति और सांसारिक मोह-माया का सहर्ष त्याग कर गृहस्थ आश्रम में साधारण जीवन व्यतीत कर रहे बाबा गणेश गिरी जी आज भी अपने भोजन की आखिरी थाली तक जरूरतमंदों को देने के लिए तत्पर रहते हैं। उनका स्पष्ट मानना है कि मानव जीवन सांसारिक बंधनों में जकड़े रहने के लिए नहीं मिला है, बल्कि त्याग, समर्पण और वसुधैव कुटुंबकम की भावना के साथ दूसरों के दुख-दर्द को बाँटना ही ईश्वर की सच्ची पूजा और मानव जीवन की असल सार्थकता है। सांसारिक मोह-माया से परे है। संसार में जहाँ आम इंसान धन, दौलत और पद-प्रतिष्ठा के पीछे भागता है, वहीं बाबा गणेश गिरी दरबारी सिंह जी का जीवन इससे बिल्कुल विपरीत और प्रेरणा दायक है। अरबों की संपत्ति के स्वामी होने के बावजूद उन्होंने भौतिक सुख-सुविधाओं से मुँह मोड़कर गृहस्थ धर्म का पालन करते हुए एक अत्यंत साधारण और सरल जीवन का मार्ग चुना। उनके जीवन का एकमात्र उद्देश्य दीन दुखियों की सेवा और सनातन संस्कृति के सार्वभौमिक मूल्यों का प्रचार-प्रसार करना है। बाबा जी का जीवन-दर्शन श्रीमद्भगवद्गीता के उन अध्यायों से गहराई से प्रभावित है, जहाँ भगवान श्री कृष्ण ने अर्जुन को

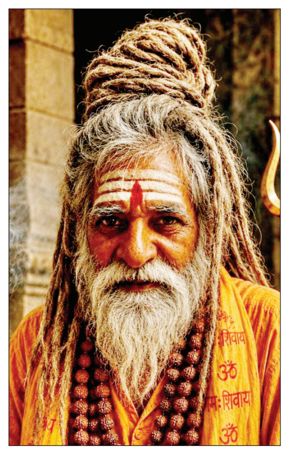

बाबा गणेश गिरी। -जागरण मोर्चा

निष्काम कर्मयोग का उपदेश दिया था। बाबा जी का मानना है कि मनुष्य केवल अपने परिवार या स्वयं के सुख तक सीमित रहने के लिए धरती पर नहीं आया है। जब तक समाज का अंतिम व्यक्ति दुखी है, तब तक सच्चा धार्मिक जीवन संभव नहीं है।भोजन की आखिरी थाली तक का दान और निष्काम सेवा बाबा गणेश गिरी जी की दिनचर्या और उनके आश्रम या निवास से जुड़ा हर प्रसंग उनकी असीम दयालुता को दर्शाता है। उनके द्वार पर आने वाला कोई भी व्यक्ति कभी खाली हाथ या भूखा नहीं लौटता। यहाँ तक कि यदि स्वयं उनके सामने भोजन की आखिरी थाली भी रखी हो और कोई भूखा-प्यासा आ जाए, तो वे बिना एक क्षण संकोच किए अपनी थाली उस जरूरतमंद को सौंप देते हैं। उनका यह त्याग केवल भोजन या धन तक सीमित नहीं है, बल्कि वे मानसिक तनाव और पारिवारिक कष्टों से जूझ रहे लोगों को धार्मिक व आध्यात्मिक मार्गदर्शन भी प्रदान करते हैं। वे हमेशा कहते हैं कि यदि ईश्वर ने आपको देने योग्य बनाया है, तो हाथ फैलाने वाले का चेहरा मत देखिए, बस यह समझिए कि ईश्वर आपको अपनी सेवा का माध्यम बना रहा है।सनातन धर्म का शाश्वत संदेश और धार्मिक प्रचार बाबा गणेश गिरी दरबारी सिंह जी अपने प्रवचनों और दैनिक मुलाकातों के माध्यम से सनातन धर्म के मूल सिद्धांतों का व्यापक प्रचार-प्रसार कर रहे हैं। वे अक्सर गोस्वामी तुलसीदास जी की पंक्तियों को उद्धृत करते हुए कहते हैं कि परहित सरिस धर्म नहिं भाई, पर पीड़ा सम नहिं अधमाई।अर्थात् परोपकार से बड़ा कोई धर्म नहीं है और दूसरों को दुख पहुँचाने से बड़ा कोई पाप नहीं।वे समाज को निरंतर प्रेरित करते हैं कि ईश्वर प्रत्येक जीव में विद्यमान है और किसी प्राणी को कष्ट देना प्रत्यक्ष रूप से ईश्वर को कष्ट देने जैसा है। वे कहते हैं कि भौतिक सुख क्षणिक हैं, जबकि त्याग और सेवा से मिलने वाला आत्मसंतोष शाश्वत होता है। केवल ग्रंथों का पाठ करना धर्म नहीं, बल्कि उनके आदर्शों को आचरण में ढालना और 'वसुधैव कुटुंबकम' की भावना के साथ जाति-धर्म के भेदभाव से उठकर हर व्यक्ति में ईश्वर के दर्शन करना ही मानव जीवन का सर्वोच्च लक्ष्य है।बाबा गणेश गिरी जी का यह जीवन-दर्शन आज के आपाधापी भरे युग में भटकती हुई मानवता को सही दिशा दिखाने का काम कर रहा है। पीलीभीत ही नहीं, बल्कि आसपास के तमाम क्षेत्रों से लोग उनके दर्शन और आशीर्वाद के लिए पहुँचते हैं। उनका जीवन यह साबित करता है कि जब तक दिल में निस्वार्थ भाव और प्रभु श्री कृष्ण के प्रति अटूट श्रद्धा है, तब तक इंसान गृहस्थ जीवन में रहकर भी संत तुकाराम या राजा हरिश्चंद्र जैसी महानता और परमार्थ सिद्ध कर सकता है।

शराब पीने से मना करने पर बुजुर्ग ने देवहा नदी में लगाई छलांग

जागरण मोर्चा कार्यालय

पीलीभीत। थाना सुनगढ़ी क्षेत्र के नौगवां पकड़िया निवासी 65 वर्षीय सूरज प्रकाश श्रीवास्तव का शव बुधवार को देवहा नदी से बरामद हुआ। परिजनों द्वारा शराब पीने से रोकने पर वे नाराज होकर घर से निकल आए थे। पुलिस ने शव का पंचायतनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, नौगवां चौराहे पर सैलून चलाने वाले सूरज प्रकाश श्रीवास्तव अत्यधिक शराब पीने के आदी थे। उनके पुत्र नीरज श्रीवास्तव ने बताया कि पिता को शराब न पीने की सलाह दी गई थी, जिससे क्षुब्ध होकर वे शाम लगभग सात बजे परिजनों को बिना बताए घर से निकल गए। काफी खोजबीन के बाद भी उनका

देव नदी के तट पर नदी में डूबे व्यक्ति की तलाश। -जागरण मोर्चा

कोई सुराग नहीं लगा। आज सुबह देवहा नदी के किनारे बुजुर्ग की चप्पलें लावारिस हालत में पाई गईं, जिसकी सूचना परिजनों ने तत्काल पुलिस को दी। सूचना मिलते ही आसाम चौकी प्रभारी प्रद्युम्न अत्री पुलिस बल, गोताखोरों और राज्य आपदा मोचन बल की टीम के साथ मौके पर पहुंचे। नदी में गहन खोजबीन अभियान चलाकर कड़ी मशक्कत के बाद शव को बाहर निकाला गया। परिजनों की सूचना के आधार पर पुलिस ने तत्काल रेस्क्यू अभियान शुरू किया। चौकी प्रभारी के अनुसार, प्रथम दृष्टया मामला गृह कलह और नाराजगी में नदी में कूदने से आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है। शव का पोस्टमार्टम करवाकर औपचारिकताएं पूरी की जा रही हैं, जिसके बाद शव परिजनों को सुपुर्द कर दिया गया।

नहर में तैरता मिला अज्ञात महिला का शव, पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए भेजा

पीलीभीत। मझोला के ग्राम भिंडारा के पीछे बहने वाली नहर में मंगलवार को एक अज्ञात महिला का शव पानी में तैरता मिला। शव दिखाई देने पर आसपास के लोगों की भीड़ मौके पर जुट गई। सूचना पर उत्तराखंड पुलिस मौके पर पहुंची। इसके बाद मझोला चौकी पुलिस ने भी मौके पर पहुंचकर जांच-पड़ताल में सहयोग किया।पुलिस ने आसपास के लोगों से महिला की पहचान कराने का प्रयास किया, लेकिन देर तक उसकी शिनाख्त नहीं हो सकी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। महिला की पहचान और मौत के कारणों का पता लगाने के लिए पुलिस जांच में जुटी है।

हवन यज्ञ से शुद्ध होता वायुमंडल: कृष्णकांत शास्त्री

जागरण मोर्चा कार्यालय

बिलसंडा। प्राचीन गौरीशंकर मंदिर पर सप्ताह भर से चल रही संगीतमय श्रीराम कथा का बुधवार को हवन यज्ञ एवं विशाल भंडारे के साथ समापन हो गया। नगर के तमाम यजमानों ने हवन कुंड में आहुतियां दी और भंडारे में प्रसाद ग्रहण किया। बता दें कि इस मंदिर पर प्रत्येक वर्ष श्रावण माह में श्रीराम कथा का आयोजन आगरा जूना अखाड़ा के महंत श्री विश्वेस्वरानंद महराज के सानिध्य में नगरवासियों के विशेष सहयोग से कराया जाता है। बिजनौर से पधारे कथा व्यास पंडित कृष्णकांत शास्त्री ने सात दिन तक चली कथा में श्रीराम की महिमा बताई।उन्होंने लोगों से भक्ति मार्ग से जुड़ने और सत्कर्म करने को कहा।कथावाचक बोले,हवन यज्ञ से वायुमंडल साफ होता है, वहीं वातावरण एवं वायुमंडल शुद्ध होने से व्यक्ति को आत्मिक बल के साथ ही धार्मिक आस्था भी जागृत होती है।दुर्गुणों की बजाय सदगुणों के द्वार खुलते हैं।साथ ही यज्ञ से देवता प्रसन्न होकर मनवांछित फल प्रदान करते हैं। उन्होंने कहा आज की युवा पीढ़ी भटक गई,भाई ही भाई का दुश्मन है,मोबाइल चलाने के बजाय आज की पीढ़ी को रामायण पढ़ने की जरूरत ज्यादा है। पूजन के बाद दोपहर को प्रारंभ हुए भंडारे में भंडारे में चेयरमैन डीके गुप्ता,पंकज जायसवाल,पूर्व चेयरमैन अटल सिंह,व्यापारी नेता अवनीश जायसवाल,विक्रम नरेश जायसवाल,डा.हिमांशु सक्सेना, वैभव सक्सेना, अजय जायसवाल, प्रियंक तिवारी मुल्लन, इंद्रपाल कश्यप, गौरीशंकर वर्मा, हरी शंकर वर्मा,रामेंद्र गोस्वामी,सुरेंद्र माली,नन्हे वर्मा,शिवम वर्मा आदि का सहयोग रहा।

संक्षेप समाचार

घर में घुसकर महिला से मारपीट, पिता-पुत्र पर मुकदमा

पूरनपुर। कोतवाली क्षेत्र के गांव रघुनाथपुर निवासी नीरज देवी ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि गांव निवासी बेचेलाल और उनका पुत्र सचिन उसके घर में घुस आए। आरोप है कि दोनों ने उसके साथ गाली–गलौज करते हुए मारपीट की। घटना के बाद महिला ने पुलिस से शिकायत कर कार्रवाई की मांग की। नीरज देवी के अनुसार, आरोपियों ने घर में घुसकर उसके साथ मारपीट की, जिससे वह घायल हो गई। शोर सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंच गए, जिसके बाद आरोपी वहां से चले गए। घटना को लेकर पीड़िता ने कोतवाली पुलिस को तहरीर दी। पुलिस ने तहरीर के आधार पर बेचेलाल और उसके पुत्र सचिन के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

गजरौला के शनिदेव मंदिर में बीती रात हजारों की चोरी

पीलीभीत। जिले में बेखौफ चोरों का आतंक थमने का नाम नहीं ले रहा है। अब शातिर चोरों ने धार्मिक स्थलों को भी अपना निशाना बनाना शुरू कर दिया है। बीती रात का ताजा मामला गजरौला थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत कंजा हरैया के अशोक नगर स्थित प्रसिद्ध शनिदेव मंदिर का है, जहां बीती रात चोरों ने धावा बोलकर हजारों रुपये के आभूषण, बर्तन और अन्य कीमती सामान पर हाथ साफ कर दिया।आज सुबह जब पुजारी मंदिर पहुंचे तो बिखरा सामान और रोशनदान टूटा देख उनके होश उड़ गए। मंदिर परिसर में पिछले कुछ दिनों से निर्माण कार्य चल रहा था। आशंका जताई जा रही है कि चोर छत के नीचे लगे रोशनदान और मंदिर की छोटी खिड़की के सहारे अंदर दाखिल हुए और चोरी की वारदात को अंजाम देकर आसानी से फरार हो गए। मंदिर में चोरी की खबर मिलते ही मंदिर प्रबंधन और स्थानीय ग्रामीणों में आक्रोश और खलबली मच गई। ग्रामीणों का आरोप है कि मंदिर के ठीक सामने देशी शराब का ठेका संचालित है, जहां देर रात तक अराजक तत्वों और संदिग्ध लोगों का जमघट लगा रहता है।

उपहार | लोकमाता अहिल्याबाई मातृशक्ति यात्रा योजना का भव्य शुभारंभ

साठ वर्ष से अधिक आयु की महिलाओं को आजीवन नि :शुल्क बस यात्रा का ऐतिहासिक तोहफा

जागरण मोर्चा कार्यालय

पीलीभीत। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा राज्य की वरिष्ठ नागरिक महिलाओं और बहनों को रक्षाबंधन के अवसर पर एक बड़ा उपहार दिया गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ स्थित इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान से 'लोकमाता अहिल्याबाई मातृशक्ति यात्रा योजना' का औपचारिक शुभारंभ किया। इस योजना के तहत उत्तर प्रदेश की साठ वर्ष या उससे अधिक आयु की महिलाओं को उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम की साधारण बसों में आजीवन निःशुल्क यात्रा की सुविधा मिलेगी। लाभार्थी महिलाएं अपना पहचान पत्र दिखाकर इस सुविधा का लाभ उठा सकती हैं। आज

गांधी प्रेक्षागृह में आयोजित जिला स्तरीय कार्यक्रम में मुख्यमंत्री के सजीव प्रसारण को देखा और सुना गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि गन्ना विकास एवं चीनी मिलें राज्यमंत्री संजय सिंह गंगवार रहे। आजीवन निःशुल्क बस यात्रा: साठ वर्ष से अधिक आयु की प्रदेश की लगभग 88 लाख महिलाएं अब बिना किसी यात्रा व्यय के तीर्थाटन और परिजनों से मिलने के लिए आजीवन मुफ्त बस यात्रा कर सकेंगी। रक्षाबंधन पर्व के उपलक्ष्य में प्रदेश की सभी माताओं, बहनों और बेटियों को एक सहयात्री सहित 27 अगस्त प्रातः 6:बजे से 29 अगस्त रात्रि 12: बजे तक परिवहन निगम की बसों में पूरी तरह निःशुल्क यात्रा की सुविधा दी गई है। कार्यक्रम के अंत में मुख्य अतिथि राज्यमंत्री संजय सिंह गंगवार,जन प्रति

निधियों और जिलाधिकारी ज्ञानेन्द्र सिंह द्वारा उपस्थित महिलाओं को साड़ी एवं मिष्ठान वितरित कर सम्मानित किया गया। राज्यमंत्री ने उपस्थित महिलाओं से अपील की कि रक्षाबंधन के अवसर पर वे ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों, अधिकारियों, बस ड्राइवरों और कंडक्टरों को भी रक्षासूत्र अवश्य बांधें।इस समारोह में जिलाध्यक्ष गोकुल प्रसाद मौर्य, विधायक बरखेड़ा स्वामी प्रवक्तानंद, विधायक पूरनपुर प्रतिनिधि ऋतुराज पासवान, ब्लॉक प्रमुख सभ्यता वर्मा, जिलाधिकारी ज्ञानेन्द्र सिंह, मुख्य विकास अधिकारी सतीश प्रसाद मिश्र, सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक प्रांशु पाठक, उपायुक्त स्वतः रोजगार वंदना सिंह, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी रोशनी सिंह सहित तमाम अधिकारी व जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

गौहनियां में धूमधाम से मनाई महारानी आबंतीवाई की जयंती

जागरण मोर्चा कार्यालय

बिलसंडा। गांव गौहनिया में वीरांगना अवंतीबाई लोधी की जयंती बड़े ही धूमधाम से मनाई गई। कार्यक्रम में लोधी समाज के सैकड़ों लोग एकजुट हुए और वीरांगना के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. किशन लाल आर्य ने की। मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व मंत्री रामसरन वर्मा, विशिष्ट अतिथि के रूप में बीसलपुर विधायक विवेक वर्मा और निगोही के पूर्व विधायक रोशन लाल वर्मा, मुख्य वक्ता के रूप में हरपाल सिंह लोधी मौजूद रहे।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पूर्व मंत्री रामसरन वर्मा ने कहा कि अवंतीबाई अंग्रेजों के सामने झुकी नहीं, और अपने प्राणों की आहुति दे दी। विधायक विवेक वर्मा ने कहा कि वीरांगना ने सिद्ध कर दिया कि नारी शक्ति

बिलसंडा के गांव गौहनिया में आयोजित कार्यक्रम में दीप प्रज्वलित करते हुए विधायक विवेक वर्मा -जागरण मोर्चा

किसी से कम नहीं। पूर्व विधायक रोशन लाल वर्मा ने कहा कि लोधी समाज झुकता नहीं टकराता है। वहीं मुख्य वक्ता हरपाल सिंह लोधी ने कहा कि यह केवल जयंती नहीं, यह हमारे स्वाभिमान का पर्व है। इस मौके पर ओम प्रकाश वर्मा, मुनेश्वर दयाल वर्मा, राम कुमार लोधी, प्रेमवती, दयाराम वर्मा, राजेन्द्र प्रसाद लोधी, राम दुलारे लोधी, प्रेम बाबू वर्मा, सुरेश बाबू, सहजेव राजपूत, विनोद लोधी, शिव कुमार राजपूत, ब्रज नंदन लोधी, गुड्डू राजपूत, गौरी शंकर, खेमकरन राजपूत, रजनीश राजपूत, ओम पाल लोधी, मुकेश सक्सेना सहित सैकड़ों ग्रामीण मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन शिवकुमार ने किया।

ईद-ए-मिलादुन्नबी के मौके पर डॉ रत्नेश गंगवार ने की जायरीन की खिदमत

जायरीनों पर पुष्प वर्षा कर किया स्वागत

जागरण मोर्चा कार्यालय

बीसलपुर। ईद-ए-मिलादुन्नबी के पाक और मुबारक मौके पर डॉ रत्नेश गंगवार द्वारा जायरीन एवं आले हजरात की खिदमत के लिए सेवा कार्यक्रम का आयोजन शाहजहांपुर रोड स्थित न्यू सितारा गेस्ट हाउस के पास किया गया। जहां जश्ने ईद मिलाद-उन-नबी के जुलूस में शामिल अंजुमनों का पुष्प वर्षा कर किया स्वागत एवं सम्मान इस दौरान जुलूस-ए-मोहम्मदी में शामिल जायरीन और राहगीरों के लिए उनके बीच पहुंचकर बिस्कुट, जीरा पानी, कोल्ड ड्रिंक, एनर्जी ड्रिंक एवं सादा पानी का वितरण किया गया। डॉ रत्नेश गंगवार ने कहा कि ईद-ए-मिलादुन्नबी प्रेम, भाईचारे, इंसानियत और सेवा का संदेश देता है। इस पाक मौके पर जायरीन की खिदमत करना उनके लिए सौभाग्य की बात है। उन्होंने सभी लोगों को ईद-ए-मिलादुन्नबी की मुबारकबाद देते हुए आपसी सौहार्द और भाईचारा बनाए रखने की अपील की। साथ ही ईद-ए-मिलादुन्नबी के पाक और मुबारक मौके पर गत वर्षों की तरह इस वर्ष भी दिव्या पी. गंगवार, सपा की पूर्व प्रत्याशी 130 विधानसभा बीसलपुर एवं राष्ट्रीय सचिव महिला सभा एवं चौधरी प्रदीप सिंह पटेल जी के द्वारा जायरीन एवं आले हजरात की खिदमत के लिए सेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सेवा कार्यक्रम के दौरान राम सिंह, प्रमोद गंगवार, रामप्रताप डॉक्टर दुष्यंत बंटी शर्मा बी प्रजापति अभिषेक गंगवार, लालू, नीरज, मुक्ति हयात खान, नन्हे मंसूरी नज़रुल्ला पहलवान,इमरान मंसूरी ,महबूब मंसूरी ,दानिश, ग़ालिब हुसैन ,कलीम ,पप्पू, नफीस, सालू सहित सैकड़ों की संख्या में कार्यकर्ताओं एवं सहयोगियों ने भी जायरीन की सेवा में अपना योगदान दिया। जायरीन ने इस सेवा कार्य की सराहना करते हुए डॉ रत्नेश गंगवार एवं उनकी टीम का आभार व्यक्त किया।

जश्ने ईद मिलाद-उन-नबी के जुलूस में शामिल अंजुमनों पर पुष्प वर्षा कर स्वागत करते हुए डॉ रत्नेश गंगवार। -जागरण मोर्चा

हरीपुर जंगल में बिजली लाइन पर गिरा पेड़ बिजली ठप

जागरण मोर्चा कार्यालय

बिजली न होने के कारण घरेलू कामकाज के साथ ही दुकानदारों और अन्य उपभोक्ताओं को भी दिक्कतें उठानी पड़ीं

पूरनपुर। हरीपुर जंगल क्षेत्र में हाईटेंशन बिजली लाइन के ऊपर पेड़ गिरने से बिजली आपूर्ति बाधित हो गई। पेड़ गिरने के कारण बिजली लाइन क्षतिग्रस्त हो गई।जिससे लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। हरीपुर जंगल से होकर शेरपुर उपकेंद्र से चंदिया हजारा क्षेत्र के लिए हाईटेंशन बिजली लाइन गुजरती है। जंगल क्षेत्र में आए दिन पेड़ों के गिरने से बिजली लाइनों को नुकसान पहुंचने की समस्या बनी रहती है। पेड़ गिरने के कारण लाइन टूटने के साथ ही मार्ग भी प्रभावित होने की स्थिति पैदा हो गई।बिजली आपूर्ति बाधित होने से क्षेत्रों के लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। बिजली न होने के कारण घरेलू कामकाज के साथ ही दुकानदारों और अन्य उपभोक्ताओं को भी दिक्कतें उठानी पड़ीं। स्थानीय लोगों का कहना है कि हरीपुर जंगल क्षेत्र में बिजली की हाईटेंशन लाइन के आसपास पेड़ों की वजह से पहले भी इस तरह की घटनाएं हो चुकी हैं। बारिश और तेज हवा के दौरान पेड़ गिरने का खतरा और बढ़ जाता है। इसके बावजूद समस्या का स्थायी समाधान नहीं होने से लोगों में नाराजगी है। बिजली विभाग की टीम मौके पर पहुंची और लाइन को सुरक्षित करने का काम शुरू किया। कर्मचारियों ने क्षतिग्रस्त लाइन की जांच कर आवश्यक मरम्मत कार्य किया। विभागीय टीम द्वारा पेड़ हटाने और बिजली लाइन को दुरुस्त करने के बाद ही आपूर्ति सामान्य होने की उम्मीद है।

संक्षेप समाचार

बिलसंडा में शान ओ शौकत से निकला जुलूस ए मोहम्मदी, ईद मिलादुन्नबी पर दिखा उत्साह-रोशनी से जगमगाई मस्जिदें

बिलसंडा में निकल रहे बाराबफात जुलूस में शामिल लोग। -जागरण मोर्चा

बिलसंडा। जश्न-ए-मिलादुन्नवी का पर्व बुधवार को मुस्लिम समुदाय ने शानो शौकत के साथ मनाया सवेरे से ही परिवारों में उत्साह व खुशी का माहौल दिखा शहर की मस्जिदों के अलावा जगह-जगह आकर्षक सजावट की गई। बराबफात के दिन बारहवीं रबीउल अब्बल में पैगंबर मोहम्मद साहब का यौमे बिलादत मनाया जाता है। जिसमें, सुबह जुलूस के बाद घर घर रोशनी व गलियां सजाई जाने की रवायत है। शुक्रवार को नमाज के बाद प्रात: दस बजे जामा मस्जिद ग्राउंड से जुलूस का आगाज हुआ, जो विभिन्न मार्गों से होकर गोला रोड से जाकर दोपहर को जामा मस्जिद ग्राउंड पर संपन्न हुआ। जुलूस में मुख्य रूप से मो. फ़ैजान शाह मदारी, जामा मस्जिद सदर नवाब उल्ला खा उर्फ लल्ला भाई, राइस मिलर अंसार खां, हाजी अनवार खा, व्यापारी नेता एम .रेहान, अंसार मंसूरी, सोहैल हुसैन खान वाहिदी, साबिर हुसैन वाहिदी, अफजाल मंसूरी, शाहिद जाहिद हुसैन वाहिदी, आसिफ अंसारी, अनीस अंसारी, आशु खान, आदिल खान, बसीम सिद्दीकी, मो .अहमद, आमिर खान, अमानत रसूल, हाफिज अय्यूब, शाकिर मुन्ने खाद वाले, सभासद मो . रफीक, हाफिज रियाज, सलीम मंसूरी, हाफिज फईम, कमर ठेकेदार, हाफिज तौसीफ, हाफिज नजीम, हाफिज असलम, हाफिज कासिम सहित सैकड़ों की तादात में उलमा मौजूद रहे।

मोहम्मद साहब की याद में निकाला जाता जुलूस ए मोहम्मदी

बिलसंडा। नगर में जश्न-ए-मिलादुन्नवी का पर्व बुधवार को मुस्लिम समुदाय द्वारा शानौ शौकत के साथ मनाया गया।सवेरे से ही परिवारों में उत्साह व खुशी का माहौल दिखा।शहर की मस्जिदों के अलावा जगह-जगह आकर्षक सजावट की गई। बराबफात के दिन बारहवीं रबीउल अब्बल में पैगंबर मोहम्मद साहब का यौमे बिलादत मनाया जाता है।जिसमें, सुबह जुलूस के बाद घर घर रोशनी व गलियां सजाई जाने की रबायत है। जुलूस-ए-मोहम्मदी का हिन्दू समाज के लोगों ने भाईचारे का पैगाम देते हुए जगह-जगह फूलों की वर्षा कर स्वागत किया। जुलूस मेन मार्किट से गुजरा तो नगर पंचायत चेयरमैन डीके गुप्ता उनके पुत्र अमन व अविरल पत्नी अनीता गुप्ता ने लोगों का पुष्प वर्षा कर स्वागत किया।वहीं पूर्व चेयरमैन अटल सिंह जायसवाल, सुमित जायसवाल, भाजपा के पूर्व अध्यक्ष विक्रम गंगवार, व्यापार मंडल के जिला महामंत्री अबनीश जायसवाल, आलोक पंकज जायसवाल, अजय जायसवाल, राजीव गुप्ता, शक्ति जायसवाल, बंटू जायसवाल, आकाश, राहुल, अंकित जायसवाल सहित तमाम लोगों ने बंडा रोड स्थित टीवीएस एजेंसी पर पुष्पवर्षा कर स्वागत किया।इसके अलावा पेट्रोलियम व्यापारी विक्रम नरेश जायसवाल, धीरज जायसवाल, अमित जायसवाल, आशीष सक्सेना आदि ने भी जुलूस पर पुष्पवर्षा की।

मोबाइल टावर तो लगा दिया, लेकिन नेटवर्क रहते गायब

पूरनपुर। क्षेत्र की ग्राम पंचायत जोगराजपुर में मोबाइल नेटवर्क का टावर लगा दिया गया है। लेकिन नेटवर्क गायब है। जिससे ग्रामीण नेटवर्क सुविधा से जूझ रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि मोबाइल से ठीक से बात नहीं हो पा रही है और इंटरनेट सेवा भी बार-बार बाधित हो रही है। ग्रामीणों के अनुसार गांव में टावर स्थापित होने के बाद भी मोबाइल फोन में नेटवर्क की स्थिति संतोषजनक नहीं है। कभी नेटवर्क गायब हो जाता है तो कभी इंटरनेट की स्पीड इतनी धीमी रहती है कि जरूरी ऑनलाइन कार्य करना मुश्किल हो जाता है। खराब नेटवर्क के कारण लोगों को अपने परिजनों और रिश्तेदारों से बात करने में भी परेशानी उठानी पड़ रही है। आज के डिजिटल दौर में नेटवर्क की खराबी से ग्रामीणों के ऑनलाइन काम, बैंकिंग सेवाएं, डिजिटल भुगतान, बच्चों की पढ़ाई और अन्य जरूरी कार्य प्रभावित हो रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि कई दिनों से यह समस्या बनी हुई है, लेकिन अभी तक इसका स्थायी समाधान नहीं हो सका है। जिससे लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड रहा है। ग्रामीणों ने संबंधित टावर कंपनी और दूरसंचार विभाग के अधिकारियों से मांग की है कि ग्राम पंचायत जोगराजपुर की नेटवर्क व्यवस्था की तत्काल जांच कर तकनीकी खराबी दूर कराई जाए, ताकि गांव के लोगों को निर्बाध मोबाइल और इंटरनेट सेवा मिल सके। शीघ्र ही समस्या से निजात दिलाए जाने की मांग की है।

जेठ-ननदोई ने नवविवाहिता से किया दुष्कर्म का प्रयास

जागरण मोर्चा कार्यालय

पूरनपुर। पति की गैरमौजूदगी में जेठ और ननदोई ने विवाहिता से जबरन दुष्कर्म करने की कोशिश की, पुलिस ने आठ पर रिपोर्ट दर्ज की है। थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी एक युवती कि शादी पांच माह पहले एक युवक के साथ हुई थी। शादी में विवाहिता के मायके पक्ष के लोगों ने अपनी सामर्थ्य के अनुसार काफी दान दहेज दिया। लेकिन दिए गए दहेज से ससुराली संतुष्ट नही थे। कुछ दिन तक मामला ठीक ठाक चलता रहा। आरोप है कि ससुरालियों ने अतिरिक्त दहेज को लेकर आए दिन मारपीट कर प्रताड़ित करना शुरू कर दिया। विवाहिता का आरोप है कि पति के बाहर काम करने जाने के दौरान जेठ और ननदोई ने उसको अकेला पाकर अश्लील हरकतें की। विरोध करने और शोर मचाने का प्रयास करने पर विवाहिता का मुंह दबाकर धक्का दे दिया। इसके बाद विवाहिता से जबरन दुष्कर्म करने का प्रयास किया। किसी तरह से वह बाथरूम में पहुंच कर अपने आप को बचाया। दोनों ने किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी दी। विवाहिता ने घटना की जानकारी पति और अन्य ससुरालियों से की, तो उसको ही डरा धमकाकर चुप करा दिया। कुछ दिन बाद पति उसको जयपुर ले गया। जंहा उससे पांच लाख रुपये की मांग की। मना करने पर दुपट्टे से गला दबाकर हत्या करने की कोशिश की। पुलिस ने पति सहित आठ के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस ने बताया कि केस दर्ज कर विवेचना शुरु कर दी गई है।

आम के पेड़ से लटका मिला महिला का शव

जागरण मोर्चा कार्यालय

पूरनपुर। महिला का शव आम के पेड़ से लटका हुआ मिला। महिला का शव देखे जाने के बाद आसपास के लोगों में सनसनी फैल गई। कुछ ही देर में घटना की जानकारी पूरे गांव में फैल गई और मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जुटने लगी। ग्रामीणों ने मामले की सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। माधोटांडा थाना क्षेत्र के गांव ककरौआ निवासी लज्जा देवी का विवाह 2001 में लालजीत के साथ हुआ था। उसके तीन बच्चे है। परिवार और ग्रामीणों ने बताया कि मृतिका का देवर अनिल पत्नी को छोड़कर आठ साल से परिवार के साथ घर पर ही रहता है। दो बीघा जमीन को लेकर आए दिन विवाद होता था। आरोप है कि मंगलवार को उसके देवर ने जमीन विवाद को लेकर महिला से मारपीट की। आरोप है कि देवर के लगातार प्रताडित करने व परेशान होकर महिला घर से निकल कर गांव के बाहर आम के पेंड से फंदा लगाकर लटक गई। पेंड से लटका देख सनसनी फैल गई। देखते देखते लोगों की भारी भीड मौके पर एकत्र हो गई। परिवार के लोग भी पहुंच गए। सूचना मिलते ही माधोटांडा थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण करने के साथ ही वहां मौजूद लोगों से घटना के संबंध में जानकारी जुटाई। इसके बाद शव को पेड़ से नीचे उतरवाकर कब्जे में लिया गया। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर महिला की मौत के वास्तविक कारणों की पुष्टि होने की बात कही जा रही है। शव आम के पेड़ से लटका मिलने के बाद गांव में तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हो गईं। हालांकि, महिला की मौत किन परिस्थितियों में हुई, इसे लेकर अभी स्थिति पूरी तरह स्पष्ट नहीं है। प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का प्रतीत हो सकता है, लेकिन पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है। पुलिस ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम को भेजा गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में ही मौत का कारण स्पष्ट होगा। मामले की जांच की जा रही है। घटना से परिबार में कोहराम मचा हुआ है।

मौके पर लगी भीड़। -जागरण मोर्चा

शानो-शौकत के साथ निकला ईद मिलादुन्नबी का जुलूस, बड़ी संख्या में लोगों ने की शिरकत

जागरण मोर्चा कार्यालय

पूरनपुर। नगर व आसपास के क्षेत्र में ईद मिलादुन्नबी का जुलूस बुधवार को बड़ी शानो-शौकत और अकीदत के साथ निकाला गया। जुलूस में बड़ी संख्या में लोगों ने हिस्सा लिया। जुलूस की शुरुआत शेरपुर फाटक के पास से हुई। स्टेशन चौराहा होते हुए जुलूस साबरी आहते में पहुंचकर समाप्त हुआ। जुलूस में उलेमाओं की तकरीरें, नात और मनकबत से माहौल रूहानी बना रहा। रास्ते में कई तरह के इस्लामी मॉडल और झंडे आकर्षण का केंद्र रहे। अलग-अलग अंजुमनों के नौजवान अपनी पारंपरिक वेशभूषा में शामिल होकर अकीदत का इजहार करते नजर आए। इस दौरान इमामों और उलेमाओं ने अपनी तकरीर में जुलूस में डीजे, हुड़दंग और शरीयत के खिलाफ किसी भी तरह के काम से बचने की अपील की। उन्होंने कहा कि हमें ऐसा उदाहरण पेश करना चाहिए, जिससे दूसरे लोग भी सबक ले सकें। जुलूस के दौरान प्रशासन की ओर से सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। मार्ग पर जगह-जगह पुलिसकर्मी ड्यूटी करते नजर आए। वहीं, नौजवानों ने कई स्थानों पर लंगर की व्यवस्था की। लोगों को शरबत, पानी, मिठाई समेत विभिन्न खाद्य सामग्री वितरित की गई। जुलूस में मौलाना आमिर रजा खान, हाफिज अशफाक अहमद, हाफिज कमर महबूब, नूर अहमद अजहरी, हाफिज जकी खान, हाफिज असलम, मुन्ने मियां अंजना, लियाकत अली उर्फ भूरे भाई, अखलाक मंसूरी, हाजी जफर खान, मोहम्मद समी, मुमताज खान, इरशाद अहमद, लईक अहमद, हाजी अयूब, नोमान अली वारसी, हाजी लाडले आदि मौजूद रहे।

जुलूसे मुहम्मदी में शामिल अकीदतमंद। -जागरण मोर्चा

हाईवों पर आवारा पशुओं की भरमार से लोग परेशान

जगह जगह दिख रहे आवारा पशु, फसल कर रहे चट

जागरण मोर्चा कार्यालय

पूरनपुर। प्रशासन बेसहारा पशुओं को पकड़ने का दावा भले ही कर रहा हो,लेकिन हालात कुछ और ही दिखाई दे रहे हैं। बेसहारा पशु लोगों की परेशानी का सबब बने हुए हैं। इन पशुओं की वजह से हादसे की आशंका बनी रहती है। खास बात तो यह है कि तहसील क्षेत्र के गांवो के अलावा पूरनपुर क्षेत्र के हाईवों पर आवारा पशुओं कि भरमार है। आवारा पशुओं से हो रही परेशानी की शिकायत कई लोग अधिकारियों से भी कर चुके हैं। लेकिन फिर भी समस्या का समाधान नहीं हो पा रहा है। मुख्य जगहों पर बेसहारा पशुओं का यह समूह मुख्य सड़क के बीचोबीच आकर यातायात को काफी प्रभावित करता है। इससे न सिर्फ जाम की समस्या उत्पन्न होती है बल्कि कभी कभार पशु दुर्घटना का शिकार भी हो जाते हैं। इसके अलावा पशुओं को बचाने के चक्कर में अक्सर तेज रफ्तार चालक खुद दुर्घटना का शिकार हो जाते हैं। क्षेत्रभर से गुजरने वाली सड़कों पर जहां ये आवारा पशु दुर्घटनाओं का कारण बनते हैं वहीं खेतों में खड़ी फसलों को भी नुकसान पहुंचाने से भी बाज नहीं आते। अवसर मिलते ही ये बेसहारा पशु खेतों में खड़ी फसलों में घुस जाते हैं और फसलों में मुंह मारकर उन्हें खराब कर देते हैं। वहीं फसल खड़ी खेतों में ही ये पशु मौजमस्ती और लड़ाई करते हैं। जिसके कारण फसलों खराब होती है और किसानों को नुकसान उठाना पड़ता है। खेतों में खड़ी फसल के लिए ये आवारा पशु नुकसानदायक साबित हो रहे हैं तो किसानों के लिए परेशानी का कारण बने हुए हैं। किसानों का कहना है कि उन्हें रात के समय खेतों में पानी देने का काम करना पड़ता है। वहीं फसलों के बचाव के लिए पहरा भी देना पड़ता है। ऐसे समय में खेत में किसान अकेला होता है। जबकि ये बेसहारा पशु झुंड में आकर खेतों में घुस जाते हैं और किसानों पर हमला तक करने में नहीं चूकते। इन पशुओं के नियंत्रण के लिए व्यापक प्रबंध किए जाने की मांग की है। ताकि खेतों में खड़ी फसलों के नुकसान से बचाया जा सके और किसानों के सामने आर्थिक संकट खड़ा न हो।

हाईवे पर खडा आवारा पशुओं का झुंड। -जागरण मोर्चा

भाई चारे की अनूठी मिसाल: इमामों को पगड़ी तो कावड़ियों पर पुष्प वर्षा

कांवड़ियों पर पुष्प वर्षा करते अरमान और बाबर। -जागरण मोर्चा

शेरपुरकलां। सपा नेता ज़ैगम खान के पुत्रों अरमान खान व बाबर खान ने कस्बे की सभी 9 मस्जिदों के इमामों को पगड़ी पहनाकर इज़्ज़त अफ़ज़ाई की वहीं कावड़ियों पर पुष्प वर्षा कर हिन्दू मुस्लिम एकता की एक नज़ीर पेश की। मालूम हो कि अरमान और बाबर छोटी उम्र में समाज सेवा में इस तरह की मिसालें पेश करते रहते हैं। बच्चों के इस कार्य की क्षेत्र में काफी चर्चा है। पिता ज़ैगम खान बताते हैं कि उन्होंने बेटों की परवरिश ऐसी की है कि इंसान में कोई फर्क न् समझा जाए।

उत्साह — शाही जामा मस्जिद के इमाम मुफ्ती तहसीन रजा खान की दुआ के बाद हुआ जुलूस का आगाज

अकीदत के साथ निकला जुलूस-ए-मोहम्मदी

जागरण मोर्चा कार्यालय

शेरपुर कलां। 12 रबीउल अव्वल के मौके पर जुलूस-ए-मोहम्मदी शाही जामा मस्जिद के ग्राउंड से अकीदत और शानो-शौकत के साथ निकाला गया। जुलूस का आगाज शाही जामा मस्जिद के इमाम मुफ्ती तहसीन रजा खान की दुआ के बाद हुआ। जुलूस विभिन्न मोहल्लों से होता हुआ वापस जामा मस्जिद पहुंचकर संपन्न हुआ। जुलूस में बड़ी संख्या में लोग इस्लामी झंडे लेकर नातिया कलाम पढ़ते हुए शामिल हुए। इस बार सजाए गए ट्रैक्टरों की झांकी आकर्षण का केंद्र रही। विभिन्न स्थानों से धार्मिक झांकियां भी सजाकर लाई गईं। जगह-जगह लंगर-ए-आम का आयोजन कर लोगों को तबर्रुक वितरित किया गया। पूर्व प्रधान नाजिया खानम के कैंप कार्यालय पर हाजी रियाजत नूर खान ने अपनी टीम के साथ उलमाओं का फूल मालाओं से स्वागत किया। उलमाओं ने तकरीर में पैगंबर-ए-इस्लाम हजरत मोहम्मद साहब के बताए रास्ते पर चलने तथा इंसानियत, भाईचारे और अमन कायम रखने का संदेश दिया। जुलूस में मौलाना साजिद रजा, कारी अरशद रजा, हाफिज अनीस खान, हाफिज अरशद खान, मौलाना हशमत रजा, मौलाना वासिल जफर, अमन रजा समेत अन्य उलमा और हाजी रियाजत नूर खान, हाजी फूंदन खान, हाजी रहीस खान, नईम खान एडवोकेट, खुशनुद खान, दानिश खान, जुनैद खान, इमरान बैग, आरिश रजा खान, नदीम बरकाती, फखरुल हसन, नदीम हसन, डॉक्टर नाजिम खान, फरमान बरकाती सहित हजारों अकीदतमंद शामिल रहे। अंत में मुल्क में अमन, शांति और आपसी भाईचारे की दुआ के साथ जुलूस का समापन हुआ।

शेरपुरकलां में जुलूसे मुहम्मदी का दृश्य। -जागरण मोर्चा

युवक को लहूलुहान करने में आधा दर्जन लोगों पर मुकदमा दर्ज

बीसलपुर। बाजार में समान खरीदने गए युवक की घेराबंदी कर लाठी डंडों से गंभीर रूप से घायल कर देने के मामले में आधा दर्जन लोगों के खिलाफ पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। कोतवाली में दर्ज कराई गई रिपोर्ट में नगर के मोहल्ला दुबे निवासी अनमोल शुक्ला ने कहा है 22 अगस्त को वह बाजार कटरा में घरेलू सामान खरीदने गया था। मटिया नाथ चौराहे पर मोहल्ले के ही सौरभ दीक्षित, अरुण दीक्षित, अभिषेक दीक्षित, निर्देश दीक्षित व उनके साथ आए अन्य अज्ञात लोगों ने उसकी घेराबंदी कर ली लाठी-डंडों से जानलेवा हमला बोल दिया। सिर में गंभीर चोट आई। उसने फोन कर अपने पिता राजेश शुक्ला को मौके पर बुलाए तभी हमलावर भाग गए। पिता के साथ सौरभ दीक्षित के घर शिकायत करने गए तो परिवारवालों ने पथराव करना शुरू कर दिया किसी तरह भाग कर वहां से जान बचाई।

विवाद को शांत कराने गए युवक पर राड से हमला

जागरण मोर्चा कार्यालय

घायल युवक को अस्पताल भेजा, मुकदमा दर्ज

पूरनपुर। थाना सेहरामऊ उत्तरी क्षेत्र के गांव गढ़ाकला में महिलाओं के बीच हो रहे विवाद में बीच-बचाव करने पहुंचे एक युवक पर हमला किए जाने का मामला सामने आया है। आरोप है कि विवाद शांत कराने की कोशिश करने पर दबंगों ने युवक के साथ मारपीट शुरू कर दी और लोहे की रॉड से हमला कर उसे घायल कर दिया। घटना के बाद गांव में हड़कंप मच गया। घायल युवक ने मामले की शिकायत पुलिस से की, जिसके बाद पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गांव गढ़ाकला में किसी बात को लेकर कुछ महिलाओं के बीच विवाद चल रहा था। देखते ही देखते विवाद बढ़ने लगा। इसी दौरान गांव का एक युवक मौके पर पहुंचा और महिलाओं के बीच चल रहे विवाद को शांत कराने का प्रयास करने लगा। युवक का उद्देश्य विवाद को खत्म कर माहौल शांत कराना था, लेकिन आरोप है कि इसी बात को लेकर दूसरे पक्ष के लोग उससे नाराज हो गए। आरोप है कि कुछ लोगों ने युवक के साथ गाली-गलौज करते हुए मारपीट शुरू कर दी। विरोध करने पर हमलावरों ने लोहे की रॉड से उस पर हमला कर दिया। अचानक हुए हमले से युवक घायल होकर जमीन पर गिर पड़ा। उसके शोर मचाने पर आसपास के लोग मौके पर पहुंच गए, जिसके बाद आरोपी वहां से चले गए। घटना के बाद घायल युवक के परिजनों को मामले की जानकारी दी गई। परिजन घायल को लेकर उपचार के लिए अस्पताल पहुंचे। इसके बाद घटना की सूचना थाना सेहरामऊ उत्तरी पुलिस को दी गई। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर लेकर मामले की जांच शुरू की। पीड़ित ने आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस घटना के कारणों और पूरे विवाद की जांच कर रही है। साथ ही पुलिस यह भी पता लगाने का प्रयास कर रही है कि महिलाओं के बीच विवाद किस बात को लेकर शुरू हुआ था और युवक पर हमला करने में कौन-कौन लोग शामिल थे।

आखिरी दिन रोमांचक होगा कोलंबो टेस्ट

श्रीलंका 16 रन से आगे; भारतीय टीम की नजर चार विकेट पर

एजेंसी न्यूज

कोलंबो। भारत और श्रीलंका के बीच खेले जा रहे दूसरे और आखिरी टेस्ट मैच में टीम इंडिया सीरीज पर कब्जा करने के बेहद करीब पहुंच गई है। चौथे दिन का खेल बारिश और खराब रोशनी के कारण समय से पहले समाप्त हुआ। श्रीलंका ने फॉलोऑन खेलने के बाद दूसरी पारी में 6 विकेट पर 229 रन बना लिए हैं और अब भारत से 16 रन आगे है। स्टंप्स के समय सोनल दिनूषा सात और केशारा नुवांथा तीन रन बनाकर नाबाद थे। भारत ने पहली पारी में 503/9 रन बनाकर पारी घोषित की थी, जिसके जवाब में श्रीलंका की पहली पारी 290 रन पर सिमट गई थी। भारत को 213 रन की विशाल बढ़त मिली और श्रीलंका को फॉलोऑन के लिए मजबूर होना पड़ा।

श्रीलंका की दूसरी पारी की शुरूआत अच्छी नहीं रही। टीम ने 63 रन तक अपने दो विकेट गंवा दिए थे। इसके बाद पसिंदु सूरियाबंदारा और कामिंदु मेंडिस ने मोर्चा संभाला। दोनों बल्लेबाजों ने

तीसरे विकेट के लिए 115 रन की शानदार साझेदारी की। करीब 110 मिनट तक चली इस साझेदारी ने श्रीलंका को मैच में वापसी का मौका दिया। दोनों ने भारतीय गेंदबाजों के खिलाफ आक्रामक बल्लेबाजी की। कामिंदु मेंडिस ने मानव सुथार के खिलाफ दो छक्के लगाए, जबकि सूरियाबंदर ने भी सुथार की गेंद पर स्लॉग स्वीप करते हुए छक्का जड़ा। मेंडिस ने 87 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया। इसके बाद सूरियाबंदर ने 78 गेंदों में पचासा पूरा किया।

भारत को इस महत्वपूर्ण साझेदारी को तोड़ने में प्रसिद्ध कृष्णा ने सफलता दिलाई। उन्होंने शॉर्ट पिच गेंद से मेंडिस को परेशान किया और बल्लेबाज ने गेंद को खेलने की कोशिश में शुबमन गिल को कैच थमा दिया। कामिंदु मेंडिस ने 55 रन बनाए, जबकि सूरियाबंदारा अपने शतक की ओर तेजी से बढ़ रहे थे। चायकाल तक श्रीलंका का स्कोर तीन विकेट पर 199 रन था और उसे पारी की हार से बचने के लिए सिर्फ 14 रन की जरूरत थी।

चायकाल के बाद भारतीय गेंदबाजों ने शानदार वापसी की और श्रीलंका के तीन विकेट जल्दी निकाल दिए। कप्तान धनंजय डी सिल्वा मानव सुथार की गेंद पर इनसाइड एज लगाकर देवदत्त पडिक्कल के हाथों कैच आउट हुए। इसके बाद सूरियाबंदारा ने अपना पहला टेस्ट शतक पूरा करने का मौका गंवा दिया। वह सुथार की गेंद पर आगे बढ़कर बड़ा शॉट खेलने गए, लेकिन सुथार ने गेंद को बल्लेबाज से दूर कर दिया। विकेटकीपर ऋषभ पंत ने गिल्लियां बिखेरने में कोई गलती नहीं की। सूरियाबंदारा 92 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद सरांश जैन ने नीरोजन डिकवेला को एलबीडब्ल्यू आउट कर श्रीलंका को छठा झटका दिया। इस समय श्रीलंका का स्कोर 218 रन था।

भारत के पास श्रीलंका की पारी खत्म करने के लिए करीब एक घंटे का समय था, लेकिन शाम 4:37 बजे तेज बारिश शुरू हो गई। इसके बाद खराब मौसम के कारण आगे का खेल नहीं हो सका। स्टंप्स तक श्रीलंका ने 72.4 ओवर में छह विकेट पर 229 रन बना लिए हैं। अब वह भारत से 16 रन आगे है। भारत को टेस्ट और सीरीज अपने नाम करने के लिए श्रीलंका के बचे हुए चार विकेट लेने होंगे।

उतार-चढ़ाव के बाद फिसला बाजार

सेंसेक्स 183 अंक टूटा, निफ्टी 24250 से नीचे पहुंचा

एजेंसी न्यूज

नई दिल्ली। भारतीय शेयर बाजार बुधवार को नकारात्मक रुख के साथ बंद हुआ। प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स 183.15 अंक की गिरावट के साथ 77,472.94 पर आ गया। वहीं, निफ्टी 126.80 अंक गिरकर 24,207.75 के स्तर पर बंद हुआ। तेल की कीमतों में कमी आई, जिससे निवेशकों में कुछ राहत की उम्मीद थी। हॉर्मुज जलडमरूमध्य के फिर से खुलने की नई उम्मीदें भी थीं, क्योंकि ईरान ने ओमान के साथ रणनीतिक जलमार्ग के प्रबंधन पर बातचीत फिर से शुरू करने की बात कही थी। इसके बावजूद बाजार में यह गिरावट देखी गई।

बाजार में इंफोसिस और एयरटेल जैसी बड़ी कंपनियों के शेयरों में दो फीसदी तक की गिरावट दर्ज की गई। हालांकि, निफ्टी के अधिकांश क्षेत्रीय सूचकांकों ने तेजी के साथ कारोबार किया। यह बाजार में व्यापक सकारात्मक धारणा का संकेत दे रहा था, लेकिन प्रमुख सूचकांकों पर इसका असर नहीं दिखा।

सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (पीएसयू बैंक) ने बाजार में बढ़त का नेतृत्व किया। इन बैंकों के

शेयरों में अच्छी खरीदारी देखी गई। इसके बाद निजी बैंक और वित्तीय सेवाएं भी तेजी में रहीं, जिससे इन क्षेत्रों को मजबूती मिली। रियलटी, मिड-स्मॉलकैप, सीमेंट और प्रौद्योगिकी क्षेत्रों के शेयर भी आगे बढ़े। धातु और तेल व गैस सूचकांक काफी हद तक स्थिर बने रहे, जो बाजार में संतुलन बनाए रखने में सहायक रहे। इन क्षेत्रों में निवेशकों का भरोसा कायम रहा और उन्होंने सकारात्मक प्रतिक्रिया दी।

ऑटो, एफएमसीजी, आईटी और उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुओं के शेयर पूरे दिन दबाव में रहे। इन क्षेत्रों में बिकवाली का माहौल देखा गया। इस गिरावट ने बाजार की कुल बढ़त को सीमित कर दिया और प्रमुख सूचकांकों को नीचे खींचने में भूमिका निभाई। निवेशकों ने इन क्षेत्रों से दूरी बनाए रखी, जिससे उनके शेयरों में कमजोरी बनी रही। बाजार की समग्र दिशा पर इसका नकारात्मक प्रभाव पड़ा, जिससे निवेशकों की चिंताएं बढ़ गईं।

बुमराह का दबदबा हुआ खत्म!

पंत-कमिंस और लियोन ने भी लगाई छलांग

एजेंसी न्यूज

दुबई। आईसीसी की ताजा टेस्ट रैंकिंग में बड़ा बदलाव देखने को मिला है। ऑस्ट्रेलिया के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क ने पहली बार टेस्ट गेंदबाजों की रैंकिंग में नंबर-एक स्थान हासिल कर लिया है। बांग्लादेश के खिलाफ शानदार प्रदर्शन के दम पर स्टार्क ने जसप्रीत बुमराह को शीर्ष स्थान से हटा दिया। वहीं, भारतीय विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत ने छह पायदान की छलांग लगाकर बल्लेबाजों की रैंकिंग में संयुक्त रूप से सातवां स्थान हासिल कर लिया है।

मिचेल स्टार्क के लिए यह उपलब्धि बेहद खास है। 36 वर्षीय तेज गेंदबाज ने अपने 15 साल लंबे टेस्ट करियर में पहली बार आईसीसी टेस्ट गेंदबाजी रैंकिंग में शीर्ष स्थान हासिल किया है। बांग्लादेश के खिलाफ मैके में खेले गए दूसरे टेस्ट में स्टार्क ने 10 विकेट चटकाए थे। उनके इस शानदार प्रदर्शन की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने मुकाबले में दबदबा बनाया। इस प्रदर्शन ने स्टार्क को रैंकिंग में दो पायदान ऊपर पहुंचाया और उन्होंने बुमराह तथा न्यूजीलैंड के मैट हेनरी को पीछे छोड़ दिया। स्टार्क लंबे समय से दुनिया के शीर्ष गेंदबाजों में शामिल रहे हैं।

वह पिछले साल इंग्लैंड के खिलाफ एशेज सीरीज में शानदार प्रदर्शन के बाद टॉप-3 में भी पहुंचे थे, लेकिन नंबर-1 की कुर्सी उनसे दूर रही थी। अब बांग्लादेश के खिलाफ दमदार प्रदर्शन ने उन्हें पहली बार यह मुकाम दिला दिया।

सर्राफा बाजारः सोने की चमक फीकी, चार दिन की तेजी के बाद 600 रुपये गिरा दाम; चांदी में उछाल

एजेंसी न्यूज

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में बुधवार को सोने के दाम में 600 रुपये की गिरावट दर्ज की गई। चार दिन की तेजी के बाद यह 1,66,500 रुपये प्रति 10 ग्राम पर आ गया। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कमजोर रुझानों और मुनाफावसूली के कारण यह गिरावट आई है। पिछले सत्र में 99.9 फीसदी शुद्धता वाला पीला धातु 1,67,100 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था।

हालांकि, चांदी के दाम में मामूली सुधार देखा गया। यह 500 रुपये बढ़कर 2,50,500 रुपये प्रति किलोग्राम हो गया। मंगलवार को चांदी 2.5 लाख रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। ऑल इंडिया सरार्फा एसोसिएशन के अनुसार, यह सभी करों सहित है। निवेश मंच मुड्रेक्स के लीड क्वांट

विश्लेषक अक्षत सिद्धांत ने बताया कि घरेलू बाजार में व्यापारियों द्वारा मुनाफावसूली के बाद सोने में नरमी आई है। उन्होंने अमेरिकी पर्सनल कंजम्पशन एक्सपेंडिचर मुद्रास्फीति रिपोर्ट से पहले अमेरिकी डॉलर में मजबूती को भी कीमती धातु की कीमतों में गिरावट का कारण बताया। सिद्धांत ने कहा कि अमेरिकी ट्रेजरी के बढ़ते ऋण-पुनर्खरीद कार्यक्रम, कम बॉन्ड प्रतिफल और चीन के केंद्रीय बैंक से लगातार खरीद के कारण सोने ने इस साल कई महीनों के नए उच्च स्तर को छुआ है। वैश्विक बाजार में हाजिर सोना 39.66 अमेरिकी डॉलर या लगभग 1 फीसदी गिरकर 4,619.21 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस पर आ गया। वहीं, चांदी में मामूली गिरावट दर्ज की गई और यह 68.50 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गई। मीराए एसेट शेयरखान के कमोडिटीज प्रमुख प्रवीण सिंह ने बताया कि हाजिर सोना पांच लगातार दिनों की बढ़त के बाद करीब 1 फीसदी के नुकसान के साथ 4,621 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस के आसपास कारोबार कर रहा था। उन्होंने कहा कि ईरान और ओमान द्वारा होर्मुज जलडमरूमध्य को अस्थायी रूप से खोलने के प्रयासों के कारण कच्चे तेल में भी गिरावट जारी रही। सिंह ने यह भी बताया कि पिछले कुछ हफ्तों में पीले धातु समर्थित एक्सचेंज-ट्रेडेड फंडों में होल्डिंग में वृद्धि हुई है।

विशेषज्ञों के अनुसार, सोने की कीमतों में गिरावट का एक प्रमुख कारण मुनाफावसूली है। चार दिन की लगातार तेजी के बाद निवेशकों ने लाभ बुक किया। अंतरराष्ट्रीय बाजारों में कमजोर रुझान भी इस गिरावट में सहायक रहे। अमेरिकी डॉलर का मजबूत होना भी सोने के लिए नकारात्मक रहा। अमेरिकी पर्सनल कंजम्पशन एक्सपेंडिचर मुद्रास्फीति रिपोर्ट का इंतजार भी बाजार को प्रभावित कर रहा है।

एशियन गेम्स 2026: भारतीय टीम सीधे क्वार्टर फाइनल से करेगी आगाज, पुरुष और महिला टीम का पूरा कार्यक्रम

एजेंसी न्यूज

नई दिल्ली। जापान में होने वाले एशियन गेम्स 2026 में भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम 28 सितंबर से अपने अभियान की शुरूआत करेगी। भारतीय टीम को बेहतर आईसीसी रैंकिंग के आधार पर सीधे क्वार्टर फाइनल में जगह मिली है। वहीं, भारतीय महिला टीम 18 सितंबर को अपना पहला मुकाबला खेलेगी। दोनों ही वर्गों में भारत को स्वर्ण पदक का प्रबल दावेदार माना जा रहा है।

पुरुष टीम सीधे क्वार्टर फाइनल में

एशियन गेम्स के पुरुष क्रिकेट टूनार्मेंट में कुल 10 टीमें हिस्सा ले रही हैं। इनमें भारत, पाकिस्तान, बांग्लादेश और श्रीलंका को उनकी बेहतर आईसीसी रैंकिंग के चलते सीधे क्वार्टर फाइनल में प्रवेश दिया गया है। जबकि अफगानिस्तान, जापान, नेपाल, हांगकांग, मलयेशिया और ओमान को ग्रुप चरण में मुकाबले खेलने होंगे।

श्रेयस अय्यर की अगुवाई वाली भारतीय टीम 28 सितंबर को ग्रुप ए में दूसरे स्थान पर रहने वाली टीम के खिलाफ अपना पहला मैच खेलेगी। ग्रुप ए में अफगानिस्तान, जापान और नेपाल शामिल हैं। यानी भारत का क्वार्टर फाइनल मुकाबला इन तीन टीमों में से ग्रुप ए की उपविजेता टीम से होगा।

भारत अगर क्वार्टर फाइनल में जीत दर्ज करता है तो एक अक्तूबर को सेमीफाइनल मुकाबला खेलेगा। फाइनल में जगह बनाने पर टीम तीन अक्तूबर को स्वर्ण पदक के लिए मैदान में उतरेगी। इसी दिन कांस्य पदक के लिए भी मुकाबला खेला जाएगा।

महिला टीम का अभियान 18 सितंबर से

हरमनप्रीत कौर की कप्तानी वाली भारतीय महिला क्रिकेट टीम 18 सितंबर को मेजबान जापान के खिलाफ अपने अभियान की शुरूआत करेगी। महिला वर्ग में भी भारत को वरीयता दी गई है और टीम को सीधे क्वार्टर फाइनल में प्रवेश मिला है।

भारत और जापान के बीच मुकाबला नागोया के पास कोरोगी एथलेटिक पार्क में खेला जाएगा। भारतीय टीम क्वार्टर फाइनल जीतने के बाद 20 सितंबर को सेमीफाइनल खेलेगी। इसके बाद 22 सितंबर को स्वर्ण और कांस्य पदक के मुकाबले होंगे। महिला वर्ग में भारत के अलावा पाकिस्तान, बांग्लादेश, श्रीलंका समेत कुल आठ टीमें हिस्सा ले रही हैं।

पुरुष क्रिकेट का पूरा कार्यक्रम

24 सितंबरः जापान बनाम अफगानिस्तान
24 सितंबरः मलयेशिया बनाम हांगकांग
25 सितंबरः नेपाल बनाम अफगानिस्तान
25 सितंबरः ओमान बनाम हांगकांग
26 सितंबरः नेपाल बनाम जापान
26 सितंबरः ओमान बनाम मलयेशिया
28 सितंबरः पहला क्वार्टर फाइनल
28 सितंबरः दूसरा क्वार्टर फाइनल
29 सितंबरः तीसरा क्वार्टर फाइनल
29 सितंबरः चौथा क्वार्टर फाइनल
1 अक्तूबरः पहला सेमीफाइनल
1 अक्तूबरः दूसरा सेमीफाइनल
3 अक्तूबरः कांस्य पदक मुकाबला
3 अक्तूबरः स्वर्ण पदक मुकाबला

महिला क्रिकेट का पूरा कार्यक्रम

17 सितंबरः जापान बनाम भारत - पहला क्वार्टर फाइनल
17 सितंबरः चीन बनाम बांग्लादेश - दूसरा क्वार्टर फाइनल
18 सितंबरः श्रीलंका बनाम मलयेशिया- तीसरा क्वार्टर फाइनल
18 सितंबरः थाईलैंड बनाम पाकिस्तान - चौथा क्वार्टर फाइनल
20 सितंबरः पहला सेमीफाइनल
20 सितंबरः दूसरा सेमीफाइनल
22 सितंबरः कांस्य पदक मुकाबला
22 सितंबरः स्वर्ण पदक मुकाबला

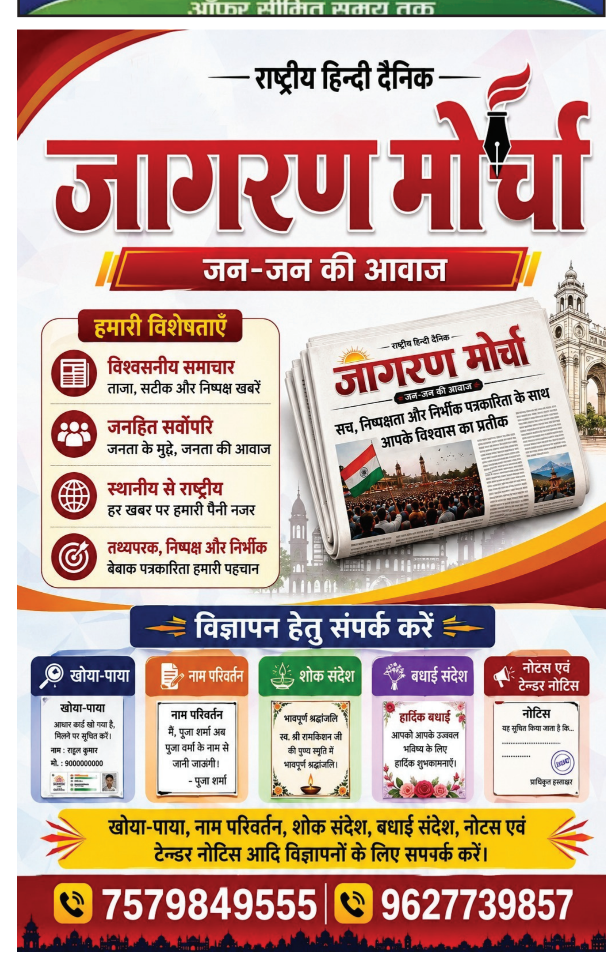

जागरण मोर्चा राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक स्वामी, किरन दीक्षित के लिए प्रकाशक, मुद्रक, मनोज कुमार दीक्षित द्वारा लक्ष्य प्रिन्टर्स 158/4 भानमती चौराह मॉडल हाउस हुसैनगंज लखनऊ, (उ०प्र०) से मुद्रित एवं मीडिया हाउस 20ए शिवाजी मार्ग हुसैनगंज लखनऊ, (उ0प्र) से प्रकाशित। सम्पादक योगेश कुमार वर्मा मो0-7579849555, 9627739857 E-mail: www.jagranmorchadaily@gmail.com RNI No.-UPHIN/2022/82743 समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ मान्य होगा।